



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 8, 1986/माघ 19, 1907  
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1986/MAGHA 19, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the  
Ministry of Defence)

### विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1986

सूचनाएं

का.भा. 450.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में  
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री 'चन्द्रिका प्रसाद  
शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के अर्थात् एक  
आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जनकपुरी दिल्ली में व्यवसाय  
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का  
आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में  
मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(13)/86-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 24th January, 1986

NOTICES

S.O. 450.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,  
that application has been made to the said Authority, under  
rule 4 of the said Rules, by Shri Chandrika Prasad Sharma,  
Advocate for appointment as a Notary to practise in Janak-  
puri, Delhi.

1454 GI/85-1

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(13)/86-Judl.]

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1986

का.भा. 451.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में  
सक्षम प्राधिकार द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री निर्मलेंद्रु बिश्वास  
ने उक्त प्राधिकार को उक्त नियम के नियम 4 के अर्थात् एक आवेदन  
इस बात के लिए दिया है कि उसे बongaon (कलकत्ता) व्यवसाय करने  
के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार  
का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप  
में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (49)/85-न्या.]

New Delhi, the 27th January, 1986

S.O. 451.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules,  
1956, that application has been made to the said Authority,  
under rule 4 of the said Rules, by Shri Nirmalendu Biswas,  
Advocate for appointment as a Notary to practise in Bongaon  
(Calcutta).

(485)

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(49)/85-Judl.]

का. प्रा. 452.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामजी भाई मवानी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राजकोट (गुजरात) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(16)/86-न्या.]

S.O. 452.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules by Shri Ramji Bhai Mavani, Advocate for appointment as a Notary to practise in Rajkot (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(16)/86-Judl.]

का. प्रा. 453.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री के.एम. मादप्पा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे विराजपेट तालुक कोडागू तहसील (कर्नाटक) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(21)/86 न्या.]

S.O. 453.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri K. M. Madappa, Advocate for appointment as a Notary to practise in Virajpet Taluk/Kodagu Distt. (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(21)/86-Judl.]

का. प्रा. 454.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भवरसाल भायूर, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर (राजस्थान) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(32)/85-न्या.]

S.O. 454.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Bhanwar Lal Mathur for appointment as a Notary to practise in Jaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(32)/85-Judl.]

का. प्रा. 455.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भार.वी. भोकारो, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पुणे (महाराष्ट्र) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(50)/85-न्या.]

S.O. 455.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri R. V. Bhokare, Advocate for appointment as a Notary to practise in Pune, Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(50)/85-Judl.]

का. प्रा. 456.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नित्यानन्द बेहरा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मयूरगंज (उड़ीसा) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(55)/85-न्या.]

S.O. 456.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Nityanand Behra, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mayur Bhanj (Orissa).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(55)/85-Judl.]

का. प्रा. 457.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नाथभल शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(58)/85-न्या.]

S.O. 457.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Nath Mal Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jaipur (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(58)/85-Judl]

का.भा. 458.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शंकरलाल गहलोत, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीकानेर (राजस्थान) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(59)/85-न्या.]

S.O. 458.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rule, by Shri Shanker Lal Gahlot, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bikaner.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(59)/85-Judl.]

का.भा. 459.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पिजुश कान्तिराय एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भारत वर्ष में मुख्यालय कसकता व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(60)/85-न्या.]

S.O. 459.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Pijush Kanti Roy, Advocate for appointment as a Notary to practise in India based at Calcutta.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(60)/85-Judl.]

का.भा. 460.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री चिमन भाई सी. पटेल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पेटलाड (गुजरात) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(60)/85-न्या.]

भार. एन. पोद्दार, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 460.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Chiman Bhai C. Patel, Advocate for appointment as a Notary to practise in Petlad (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(56)/85-Judicial]

R. N. PODDAR, Competent Authority

कानिफ, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

(कानिफ एवं प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1986

का.भा. 461.—केन्द्रीय सरकार, आतंकवादी और विध्वंसकारी कार्यकलाप (निवारण) अधिनियम, 1985 (1985 का 31) की धारा 11 की उपधारा (1) के साथ पठित, धारा 18 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब सरकार से परामर्श करते के पश्चात् केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली के अभियोजक अधिकारी सर्वश्री एस. के. सक्सेना तथा बाई. के. काहोल को उक्त अधिनियम के अधीन अभिहित न्यायालय, फिरोजपुर, पंजाब में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं. 225/1/86-ए.बी.डी-2]

एम.एस. प्रसाद, सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 22nd January, 1986

S.O. 461.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18 read with sub-section (1) of section 11 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1985 (31 of 1985), the Central Government, after consultation with the Government of Punjab, hereby appoints S/Shri S. K. Saxena and Y. K. Kahol, prosecuting officers of the Central Bureau of Investigation, New Delhi as Special Public Prosecutors in the Designated Court at Ferozepur, Punjab, under the said Act.

[No. 225/1/86-AVD.-II]

M. S. PRASAD, Under Secy.

(पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1986

का.भा. 462.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) संशोधन नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में, पाँचवीं अनुसूची के पैरा 2 में अंत में किन्तु पहले परन्तुक से पहले निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएँगी, अर्थात्:—

"1. निदेशक,

दक्षिणी प्रदेश,

केन्द्रीय घूमिगत जल बोर्ड

हैदराबाद।

2. निदेशक,  
केन्द्रीय प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
नागपुर।
3. निदेशक,  
उत्तरी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
लखनऊ।
4. निदेशक,  
पश्चिमी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
जयपुर।
5. निदेशक,  
पूर्वी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
कलकत्ता।
6. निदेशक,  
उत्तर पश्चिमी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
बडोदा।
7. निदेशक,  
उत्तर पूर्वी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
गोहाटा।
8. निदेशक,  
दक्षिण-पश्चिमी प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
जालौर।
9. निदेशक,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
दिल्ली।
10. निदेशक,  
उत्तर केन्द्रीय प्रदेश,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
भोपाल।
11. निदेशक,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
अहमदाबाद।
12. निदेशक,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
रसूलगढ़, भवनेश्वर।
13. अवीक्षण इंजीनियर,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
फरीदाबाद।
14. अवीक्षण इंजीनियर,  
केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड,  
हैदराबाद।

[सं. 13(4)-पेंशन/85]

हजारा सिंह, उप सचिव

टिप्पण:—साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का प्रा. 3000, तारीख 1-12-1960 के रूप में प्रकाशित किए गए थे। नियमों का सीसरा पुनः मुद्रण (30-11-1978 तक संशोधित)

1979 में मद्रित किया गया था। तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया।

1. फा. 13(8)/77 ई.बी. (बी), तारीख 13-12-1978
2. फा. 13(5)/78-ई.बी. (बी), तारीख 23-4-79
3. फा. 13(11)/78-ई.बी. (बी), तारीख 30-5-79
4. फा. 13(7)/78-ई.बी. (बी), तारीख 18-6-79
5. फा. 17(5)/78-ई.बी. (बी) तारीख 18-6-79
6. फा. 19(15)-पे. 76(सा.भ.नि.) तारीख 9-8-79
7. फा. 9(2)-ई.बी. (बी) पे. 78-सा.भ.नि., तारीख 13-11-79
8. फा. 10(10)-पे. 79-सा.भ.नि., तारीख 3-3-80
9. फा. 20(22)-ई.बी. (बी)-पे. 79-सा.भ.नि. तारीख 18-4-80
10. फा. 13(6)-पे. 79-सा.भ.नि., तारीख 18-4-80
11. फा. 16(2)-पे. 79-सा.भ.नि., तारीख 12-6-80
12. फा. 11(1)-पे. 77-सा.भ.नि., तारीख 1-10-80
13. फा. 16(3)-पे. 79-सा.भ.नि., तारीख 13-10-80
14. फा. 10(2)-पे. 81-सा.भ.नि., तारीख 21-12-81
15. फा. 13(1)-पे. 82-सा.भ.नि., तारीख 8-9-82
16. फा. 13(3)-पे. 82-सा.भ.नि., तारीख 30-4-83
17. फा. 19(2)-पे. 80-सा.भ.नि., तारीख 10-5-83
18. फा. 16(3)-पे. 77-सा.भ.नि., तारीख 19-5-83
19. फा. 13(2) 80-पे. तारीख 20-5-83
20. फा. 19(1)-पे. 83-सा.भ.नि., तारीख 20-5-83
21. फा. 20(10) 81-पे. यू.सा.भ.नि., तारीख 30-7-83
22. फा. 13(1)-पे. 84, तारीख 19-3-1984
23. फा. 13(4)/84-पे. यू. (सा.भ.नि. तारीख 26-2-85
24. फा. 13(1)-पे. 85-सा.भ.नि., तारीख 19-6-85
25. फा. 13(2)-पे. 85-सा.भ.नि., तारीख 24-9-85

(Department of Pension &amp; Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 24th January, 1986

S.O. 462.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in para 2 of the Fifth Schedule, the following entries shall be inserted at the end but before the first proviso thereunder, namely:—

"1. Director,  
Southern Region,  
Central Ground Water Board,  
Hyderabad.

2. Director,  
Central Region,  
Central Ground Water Board,  
Nagpur.

3. Director,  
Northern Region,  
Central Ground Water Board,  
Lucknow.

4. Director,  
Western Region,  
Central Ground Water Board,  
Jaipur.
5. Director,  
Eastern Region,  
Central Ground Water Board,  
Calcutta.
6. Director,  
North-Western Region,  
Central Ground Water Board,  
Chandigarh.
7. Director,  
North-Eastern Region,  
Central Ground Water Board,  
Guwahati.
8. Director,  
South-Western Region,  
Central Ground Water Board,  
Bangalore.
9. Director,  
Central Ground Water Board,  
Trivandrum.
10. Director,  
North-Central Region,  
Central Ground Water Board,  
Bhopal.
11. Director,  
Central Ground Water Board,  
Ahmedabad.
12. Director,  
Central Ground Water Board,  
Rasulgarh, Bhubaneswar.
13. Superintending Engineer,  
Central Ground Water Board,  
Faisalabad.
14. Superintending Engineer,  
Central Ground Water Board,  
Hyderabad."

[No. 13(4)-Pen/85]

HAZARA SINGH, Dy. Secy.

NOTE : General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 were published as S.O. No. 3000 dated 1-12-1960. The Third re-print (corrected upto 30-11-1978) of the rules was printed in 1979. The rules were subsequently amended vide notifications mentioned below :—

1. F. 13(8)/77-EV(B), dated 13-12-1978
2. F. 13(5)/78-EV(B), dated 23-4-1979
3. F. 13(11)/78-EV(B), dated 30-5-1979
4. F. 13(7)/78-EV(B), dated 18-6-1979
5. F. 17(5)/EV(B)/78, dated 18-6-1979
6. F. 19(15)-Pen/76(GPF), dated 9-8-1979
7. F. 9(2)-EV(B)/Pen/78-GPF, dated 13-11-1979
8. F. 10(10)-Pen/79-GPF, dated 3-3-1980
9. F. 20(22)-EV(B)/Pen/79, dated 18-4-1980
10. F. 13(6)-Pen/79-GPF, dated 18-4-1980
11. F. 16(2)-Pen/79-GPF, dated 12-6-1980
12. F. 11(1)-Pen/77-GPF, dated 1-10-1980
13. F. 16(3)-Pen/79-GPF, dated 13-10-1980
14. F. 10(2)-Pen/81-GPF, dated 21-12-1981
15. F. 13(1)-Pen/82-GPF, dated 8-9-1982
16. F. 13(3)-Pen/82-GPF, dated 30-4-1983
17. F. 19(2)-Pen/80-GPF, dated 10-5-1983
18. F. 16(3)-Pen/77-GPF, dated 19-5-1983

19. F. 13(2)/80-Pen, dated 20-5-1983
20. F. 19(1)-Pen/83-GPF, dated 20-5-1983
21. F. 20(10)/81-Pension Unit-GPF, dated 30-7-1983
22. F. 13(1)-Pen/84, dated 19-3-1984
23. F. 13/4/84-P.U. (GPF), dated 26-2-1985
24. F. 13(1)-Pen/85-GPF dated 19-5-1985
25. F. 13(2)-Pen/85-GPF, dated 24-9-1985.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1985

आयकर

का.आ. 463.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "इण्डो-अरब सोसाइटी" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली आयों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6450/का. सं. 197/15/84-आ.क. (नि-1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 9th October, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 463.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Indo-Arab Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6450/F. No. 197/15/84-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1985

का.आ. 464.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "हरिजन आश्रम ट्रस्ट, अहमदाबाद" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली आयों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6492/का. सं. 197/133/84-आ.क. (नि-1)]

New Delhi, the 8th November, 1985

S.O. 464.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Harijan Ashram Trust, Ahmedabad", for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6492/F. No. 197/133/85-IT(A-I)]

का.आ. 465.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "कादर मूलर्स चेरिटेबल ट्रस्टिड्यूशनस, मंगलौर" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली आयों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6493/का. सं. 197/55/85-आ.क. (नि-1)]

S.O. 465.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Father Muller's Charitable Institutions, Mangalore" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6493/F. No. 197/55/85-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1985

का.प्रा. 466.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "सेवा संघ समिति, हवाड़ा" को कर-निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6505/का.सं. 197/211/83-आ.क. (नि. I)]

New Delhi, the 26th November, 1985

S.O. 466.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seva Sangh Samiti, Howrah" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 6505/F. No. 197/211/83-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1985

का.प्रा. 467.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "कांग्रेशन आफ क्रिश्चियन ब्रदर्स इन इण्डिया" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6514/का.सं. 197-ए/134/82-आ.क. (नि.-1)]

New Delhi, the 29th November, 1985

S.O. 467.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Congregation of Christian Brothers in India" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6514/F. No. 197A/134/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1985

का.प्रा. 468.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "जवान कल्याण न्यास महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6540/का.सं. 197-ए/72/82-आ.क. (नि-I)]

New Delhi, the 19th December, 1985

S.O. 468.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jawan's Welfare Trust Maharashtra" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6540/F. No. 197A/72/82-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1985

का.प्रा. 469.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "गीता भवन ट्रस्ट सोसाइटी (रजि.) मोगा" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6547/का.सं. 197/82/84-आ.क. (नि-1)]

New Delhi, the 26th December, 1985

S.O. 469.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gita Bhawan Trust Society (Regd.) Moga" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6547/F. No. 197/82/84-IT(A-I)]

का.प्रा. 470.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "नीलगिरि डाइआसिसन सोसाइटी" को कर-निर्धारण-वर्ष 1980-81 से 1985-86 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6546/का.सं. 197/98/84-आ.क. (नि.-1)]

S.O. 470.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Nilgiri Diocesan Society, Ootacamund" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1980-81 to 1985-86.

[No. 6546/F. No. 197/98/84-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1986

का.प्रा. 470.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "राष्ट्रोत्थान परिषद् बंगलूर" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6565/का.सं. 1976-ए/158/82-आ.क. (नि.-1)]

New Delhi, the 8th January, 1986

S.O. 471.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rashtrouthana Parishat, Bangalore" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6565/F. No. 197A/158/82-IT(A-I)]

का.प्रा. 472.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "मुमुक्षु मेहरली सेन्टर, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6566/का.सं. 197-ए/174/82-आ.क. (नि.-1)]

S.O. 472.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Yusuf Meherally Centre, Bombay" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6566/F. No. 197A/174/82-IT(A-I)]

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1986

का. भा. 473.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त खंड के प्रयोजनार्थ, "यसुफ मेहराली बीमा योजना निधि" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6568/का. सं. 197क/97/82-आ. क. (नि. 1)]

New Delhi, the 13th January, 1986

S.O. 473.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Army Group Insurance Scheme Fund" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6568/F. No. 197A/97/82-IT(A-I)]

का. भा. 474.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त खंड के प्रयोजनार्थ, "भारतीय आदिम जाति सेवक संघ" को कर-निर्धारण-वर्ष 1983-84 से 1986-87 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6569/का. सं. 197/197/81-आ. क. (नि. 1)]

S.O. 474.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bhartiya Adimjati Sevak Sangh" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1986-87.

[No. 6569/F. No. 197/197/81-IT(A-I)]

का. भा. 475.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त खंड के प्रयोजनार्थ, "दी कैथोलिक डायोसिस ऑफ मेरठ" को कर-निर्धारण-वर्ष 1981-82 से 1987-88 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6570/का. सं. 197/82/81-आ. क. (नि. 1)]

आर. के. तिवारी, अवसर सचिव

S.O. 475.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Catholic Diocese of Meerut" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1981-82 to 1987-88.

[No. 6570/F. No. 197/82/81-IT(A-I)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1985

का. भा. 476.—इस कार्यालय की दिनांक 28-2-1984 की अधिसूचना सं. 5666/का. सं. 203/50/84—आ. क. (नि. II) के निम्नलिखित में, सूचनाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्—

- (i) यह कि बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, कलकत्ता, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पूरा खर्च लेखा रहेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों को वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्रकृष में प्रस्तुत करेगी, जो इस प्रयोजन के लिए अधि-रहित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संरक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों के वार्षिक विवरणों दर्शाते हुए पुनः-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगी।
- (iv) यह कि उक्त संस्था अनुमोदन की अवधि और आगे बढ़ाने के लिये उसकी समाप्ति से तीन मास पहले केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली को आवेदन करेगी। अनुमोदन की समाप्ति के बाद प्राप्त प्रार्थना-पत्र को नामंजूर किया जा सकता है।
- (v) यह कि उक्त संस्था विज्ञान तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली के वार्षिक अनुसंधान प्राग के क्रियाकलापों तथा किसी अन्य गैर-अनुसंधान उद्देश्यों के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए प्रयोग किए जाने हेतु कोई रकम प्राप्त नहीं करेगी। संस्था उपर्युक्त किया बलापों के लिए धारा 35(1)(ii) के अंतर्गत प्राप्त किसी रकम को भी खर्च नहीं करेगी।

संस्था

"द बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 78 सैयध अमीर अली एवेन्यू, कलकत्ता-700019"

यह अधिसूचना 1-4-1985 से 31-3-1986 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6536/का. सं. 203/171/85-आ. क. नि. (II)]

New Delhi, the 17th December, 1985

S.O. 476.—In continuation of the Office Notification No. 5666/F. No. 203/50/84-IT (A. II) dated 28-2-1984, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject of the following conditions :—

- (i) That the Birla Institute of Scientific Research, Calcutta will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.
- (v) That the said Institute will not receive any sums to be used for social science research towards the activities of the Economic Research Division of Department of Science & Industrial Research, Delhi and for any other non-research objectives. It will also not spend any sums received under section 35(1)(ii) towards the aforesaid activities.

## INSTITUTION

"The Birla Institute of Scientific Research, 78, Syed Amir Ali Avenue, Calcutta-700019."

This Notification is effective for a period from 1-4-1985 to 31-3-1986.

[No. 6536/F. No. 203/171/85-IT (A-II)]

का. भा. 477:—इस कार्यालय की दिनांक 11-11-85 की अधिसूचना सं. 4617/का. सं. 203/256/80-भा. क. नि. II के सिलसिले में, सर्व-साधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैरिस/एक/वो) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

(i) यह कि वि. डाबर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पूषक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना पत्र रह कर दिया जाएगा।

संस्था

"डाबर रिसर्च फाउंडेशन, 8/3, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।"

यह अधिसूचना 4-4-1985 से 31-3-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6534/का. सं. 203/56/85-भा. क. (नि-II)]

## INCOME-TAX

S.O. 477.—In continuation of this office Notification No. 4617 (F No. 203/256/80-IT(A. II) dated 11-11-1983, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science

and Tech., New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions:—

(i) That the Dabar Research Foundation, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

## INSTITUTION

"Dabar Research Foundation, 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi."

This Notification is effective for a period from 4-4-1985 to 31-3-1987.

[No. 6534/F. No. 203/56/85 IT(A-II)]

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1985

का. भा. 478:—सर्व-साधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

(i) यह कि कर्नाटक इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड एग्रीकल्चरल रिसर्च, समीरवाड़ी अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पूषक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(iii) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियां, दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना पत्र रह कर दिया जाएगा।

संस्था

"कर्नाटक इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड एग्रीकल्चरल रिसर्च समीरवाड़ी, जिला बीजापुर, कर्नाटक।"

यह अधिसूचना 10-9-1985 से 31-3-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6548/का. सं. 203/199/84-भा. क. (नि.-II)]



New Delhi, the 27th December, 1985

S.O. 478.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) That the Karnataka Institute of Applied Agricultural Research, Sameerwadi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets, liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION

"The Karnataka Institute of Applied Agricultural Research, Sameerwadi, Dist. : Bijapur, Karnataka.

This Notification is effective for a period from 10-9-1985 to 31-3-1987.

[No. 6548/F. No. 203/199/84-IT (A. II)]

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1986

का. प्रा. 479:—इस कार्यालय की दिनांक 23-4-1984 की अधिसूचना सं. 5763/(फा. सं. 203/80/84-प्रा.क. (नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रबंध के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है अर्थात् :—

- (i) यह कि बाला मंदिर रिसर्च फाउंडेशन, मद्रास अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकांकित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्था अपने कुल आय तथा व्यय वणति हुए अपने संपरिलिप्त वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियां वणति हुए तुलन पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रेषित करेगी तथा इन

वस्तुओं में से प्रत्येक का एक-एक प्रति संबंधित व्ययवार आयुक्त का भेजेगा।

- (iv) यह कि उक्त संस्था कोष्ठक प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन का समर्पण सत्तन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में कितना प्रकार का देरा हुन पर प्रार्थना पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"बाला मंदिर रिसर्च फाउंडेशन, 116, जे.एन.चेट्टी रोड, टी. नगर, मद्रास-600017।"

यह अधिसूचना 1-4-1985 से 31-3-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6554/फा. सं. 203/30/85-प्रा.क. (नि.-II)]  
गिरिश दवे, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd January, 1986

S.O. 479.—In continuation of this Office Notification No. 5763 /F. No. 203/80/84-IT (A. II) dated 23-4-1984, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by the Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) That Bala Mandir Research Foundation, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Foundation will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the Foundation will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Foundation will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

#### INSTITUTION

"Bala Mandir Research Foundation, 126, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-600017".

This Notification is effective for a period from 1-4-1985 to 31-3-1987.

[No. 6554/F. No. 203/30/85-IT (A. IV)]  
GIRISH DAVE, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1985

(आयकर)

का. प्रा. 480.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण-वर्ष 1985-86 से 1987-88 के अन्तर्गत अपने बाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6495/फा. सं. 197/21/84-प्रा.क. (नि.-I)]  
आर. के. तिवारी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 1985

S.O. 480.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India International Centre, New Delhi" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6495/F. No. 197/21/84-IT(AI)]

P. SAXENA, Dy. Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1985

का. प्रा. 481.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस समबंध में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि बोर्ड की विनॉक 26-7-1985 की अधिसूचना सं. 6345 (फा. सं. 261/2/85- प्रा. क. न्या.) में निम्नलिखित संशोधन कर दिया जाए :

(i) उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कालम 5 के नीचे धर्पीलीय सहायक आयुक्त, वाराणसी रेंज "ख" वाराणसी के क्षेत्राधिकार के सामने मब संख्या (4) के बाव निम्नलिखित को जोड़ा जाए।

(5) आयकर अधिकारी, ज-बाई, वाराणसी।

(ii) उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कालम 6 के नीचे धर्पीलीय सहायक आयुक्त, गोरखपुर रेंज, गोरखपुर के क्षेत्राधिकार के सामने मब (9) के बाव निम्नलिखित को जोड़ा जाए :

(10) आयकर अधिकारी, विशेष जांच परिसंजल गोरखपुर।

(11) आयकर अधिकारी, ज-बाई, गोरखपुर

यह अधिसूचना 15-10-1985 से लागू होगी।

[सं. 6462 (फा. सं. 261/2/85- प्रा. क. न्या.)]

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 16th October, 1985

S.O. 481.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that following amendment be made in the Board's notification No. 6345 (F. No. 261/2/85-ITJ) dated 26-7-1985.

(i) In the Schedule appended to the said notification under Column 5 against the jurisdiction of the A.A.C. Varanasi Range 'B' Varanasi, the following should be added after item (iv).

(v) I.T.O., H-Ward, Varanasi.

(ii) In the schedule appended to the said notification under column 6 against the jurisdiction of A.A.C., Gorakhpur Range, Gorakhpur, the following should be added after item (ix).

(x) I.T.O., S.I.C., Gorakhpur,

(xi) I.T.O., F-Ward, Gorakhpur.

This notification shall take effect from 15-10-1985.

[No. 6462 (F. No. 261/2/85-ITJ)]

मुख्यमंत्र

(आयकर)

का. प्रा. 482.—बोर्ड की विनॉक 30-5-85 को अधिसूचना सं. 6237 (फा. सं. 261/3/85-आयकर (न्या.) में, आयकर आयुक्त (धर्पीली), काशीकट के क्षेत्राधिकार के सम्मुख अनुसूची के स्तम्भ सं. 2 के प्रस्ताव मब सं. 9 के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :

"9. आयकर सर्वेक्षण परिसंजल, त्रिचुर"

[सं. 6461 (फा. सं. 261/3/85- आयकर (न्या.)]

## CORRIGENDUM

(INCOME-TAX)

S.O. 482.—In Board's notification No. 6237 (F. No. 261/3/85-ITJ) dated 30-5-85 against the jurisdiction of Commissioner of Income-tax (Appeals), Calicut under column No. 2 of the schedule the following shall be added as item No. 9 :

"9. I.T. Survey Circle, Trichur".

[No. 6461 (F. No. 261/3/85-ITJ)]

नई विनॉक, 11 नवम्बर, 1985

(आयकर)

का. प्रा. 483.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे अनुसूची के कालम सं. (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार-क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (धर्पीली) कालम (2) और (3) की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर बाई, परिसंजलों, जिलों और रेंजों में आयकर अथवा अधिकार या व्याजकर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में जो कंपनो (नाम) अधिकार अधिनियम 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) के खंड (क) से (ज) तथा व्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी भावना से व्यपित हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों की श्रेणियों की बाबत जो, उनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के के खंड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या अधिनियम में निदेश दें, कार्य निर्वहण करेंगे :

अनुसूची

धा. प्रा. क. (धर्पीली) अधिकार-क्षेत्र प्रधान कार्यालय सहित	आयकर बाई/परिसंजल/ निर्दिष्ट सहायक आय- जिले कर आयुक्तों के रेंज	
1	2	3
1. आयकर आयुक्त (धर्पीली) केन्द्रीय-1, बम्बई।	1. आ. क. प्रा. केन्द्रीय परिसंजल -1	1. नि. स. प्रा. के. रेंज-I
	2. -यथोपरि-2	2. नि. स. प्रा. के. रेंज-II
	3. -यथोपरि-3	3. नि. स. प्रा. के. रेंज-III
	4. -यथोपरि-4	
	5. -यथोपरि-5	
	6. -यथोपरि-6	
	7. -यथोपरि-7	
	8. -यथोपरि-8	
	9. -यथोपरि-9	
	10. -यथोपरि-10	
	11. -यथोपरि-11	
	12. -यथोपरि-12	
2. आयकर आयुक्त (धर्पीली) केन्द्रीय-II बम्बई।	1. प्रा. क. अधि. केन्द्रीय परिसंजल-19	1. नि. स. प्रा. के. रेंज -IV
	2. -यथोपरि-20	2. नि. स. प्रा. के. रेंज-V
	3. -यथोपरि-21	3. नि. स. प्रा. के. रेंज-6

1	2	3	SCHEDULE		
			CIT(A) Charges with H. Qrs.	Income-tax Wards/Circles/Districts	Range of Inspecting Asst. Commissioners of Income-tax
			1	2	3
4. -यथोपरि-22				1. ITO Central Cir. I	1. IAC, Cen. Range-I
5. -यथोपरि-23				2. ITO Central Cir. II	2. IAC, Cen. Range-II
6. -यथोपरि-24				3. ITO Central Cir. III	3. IAC, Cen. Range-III
7. -यथोपरि-25				4. ITO Central Cir.-IV	
8. -यथोपरि-26				5. ITO Central Cir.-V	
9. -यथोपरि-27				6. ITO Central Cir.-VI	
10. -यथोपरि-28				7. ITO Central Cir.-VII	
3. आयकर आयुक्त (अपील) केन्द्रिय-III, बम्बई।	1. आ. क. अधि. कें. -परि.-13	1. नि. स. आ. कें. रेंज-7	1. Commissioner of Income-tax (Appeals), Central-I, Bombay.	1. ITO Central Cir. XIX	1. IAC, Cen. Range-IV
	2. -यथोपरि-14	2. नि. स. आ. कें. रेंज-8		2. ITO Central Cir. XX	2. IAC, Cen. Range-V
	3. -यथोपरि-15			3. ITO Central Cir. XXI	3. IAC, Cen. Range-VI
	4. -यथोपरि-16			4. ITO Central Cir. XXII	
	5. -यथोपरि-17			5. ITO Central Cir. XXIII	
	6. -यथोपरि-18			6. ITO Central Cir. XXIV	
	7. -यथोपरि-19			7. ITO Central Cir. XXV	
	8. -यथोपरि-20			8. ITO Central Cir. XXVI	
	9. -यथोपरि-21			9. ITO Central Cir. XXVII	
	10. -यथोपरि-22			10. ITO Central Cir. XXVIII	
	11. -यथोपरि-23			3. Commissioner of Income-tax (Appeals), Central-III, Bombay.	1. IAC, Cen. Range-VII
	12. -यथोपरि-24			1. ITO Central Cir. XIII	2. IAC, Cen. Range-VIII
	13. -यथोपरि-25			2. ITO Central Cir. XIV	
	14. -यथोपरि-26			3. ITO Central Cir. XV	
	15. -यथोपरि-27			4. ITO Central Cir. XVI	
	16. -यथोपरि-28			5. ITO Central Cir. XVII	
				6. ITO Central Cir. XVIII	
				7. ITO Central Cir. XXIX	

यतः कोई आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अंतरित कर दिया जाता है, उस परिमंडल, वार्ड अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाले और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व रेंज के उस आयकर आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें जिनके अधिकार-क्षेत्र से उस परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस आयकर आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी, जिसके अधिकार-क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वार्ड अथवा जिला या उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो।

यह अधिसूचना 15-11-1985 से लागू होगी।

[सं. 6494(फा.सं. 261/19/85-आ. क. ग्या.)]  
ए. के. गर्ग, सचिव

New Delhi, the 11th November, 1985  
(INCOME TAX)

S. O. 483:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and, in supersession of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioners of Income-tax (Appeals) of the Charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or Interest tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in columns (2) & (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (1) of Section 11 of Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964) and sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of sub-section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961.

1	2	3
	8. ITO Central Cir. XXX	
	9. ITO Central Cir. XXXI	
	10. ITO Central Cir. XXXII	
	11. ITO Central Cir. XXXIII	
	12. ITO Central Cir. XXXIV	
	13. ITO Central Cir. XXXV	
	14. ITO Central Cir. XXXVI	
	15. ITO Central Cir. XXXVII	
	16. ITO Central Cir. XXXVIII	

Whereas an Income-tax Circle, Ward, District or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another charge appeals arising out of assessments made in that income-tax circle, ward or district or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from whom the income-tax ward, circle and district or range or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge to whom the said circle, ward or district or range or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 15-11-1985.

[No. 6494 (F. No. 261/18/85-ITJ)]

A. K. GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 1985

(आयकर)

शुद्धिपत्र

का. भा. 484—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा दिनांक 30-5-85 को अपनी अधिसूचना सं. 6400 (फा. सं. 26/12/85-आ.क.श्या.) के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है—

“के स्थान पर”

प्रधान कार्यालय सहित अधिसार क्षेत्र	आयकर वार्ड और परिमंडल	निरीक्षी सहायक आयुक्त का रेंज
1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील)-II, कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-III ख, घ, ङ, च और छ वार्ड 2. कम्पनी जिला-II क से छ वार्ड	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज-II 2. विशेष कर- निर्धारण रेंज-I 3. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर- निर्धारण रेंज-II

1	2	3
2. आयकर आयुक्त (अपील) -III, कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-IV क से छ वार्ड के अलावा 2. विशेष परिमंडल-I 3. विशेष परिमंडल-IV 4. विदेश अनुभाग 5. कम्पनी जिला-V (छ और ण वार्ड)	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-XII 2. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-XIIक 3. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर-निर्धारण रेंज-III 4. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर-निर्धारण रेंज-XIII 5. निरीक्षी आयकर आयुक्त, रेंज-I 6. निरीक्षी आयकर आयुक्त, रेंज-XXIV
3. आयकर आयुक्त (अपील) -IV, कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-IV क से छ वार्ड 2. सहकारी आवास परिमंडल 3. विशेष परिमंडल-II 4. जिला-II (i) 5. न्यास परिमंडल 6. सर्वेक्षण परिमंडल-I	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-II 2. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-XII 3. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-II 4. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-XXVI 5. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-IV 6. निरीक्षी सहायक आयुक्त-कर निर्धारण, रेंज-IV 7. निरीक्षी सहायक आयुक्त, सर्वेक्षण, रेंज-I 8. निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-V

“पक्षिण”

1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील) -II कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-III (ख, घ, ङ, च और छ वार्ड) 2. कम्पनी जिला-II (क से छ वार्ड) 3. कम्पनी जिला-III (क और ण वार्ड)	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-II 2. विशेष कर- निर्धारण, रेंज-I 3. निरीक्षी आयकर आयुक्त, कर-निर्धारण,

1	2	3
		रेंज-II
		4. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-XII
		5. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-VII
2. आयकर प्रायुक्त (अपील) -III, कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-IV (क से छ वार्ड से इनर) 2. विशेष परिमंडल-I 3. विशेष परिमंडल-IV 4. विशेष अनुभाग 5. कम्पनी जिला-V (छ और ज वार्ड)	1. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XII 2. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XIIक 3. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, कर-निर्धारण, रेंज- XIII 4. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-XIII 5. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, विशेष रेंज-I 6. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, विशेष रेंज-IV 7. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-I 8. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XXIV
3. आयकर प्रायुक्त (अपील) -IV, कलकत्ता	1. कम्पनी जिला-IV (क से छ वार्ड) 2. सहकारी आवास परिमंडल 3. विशेष परिमंडल-II 4. जिला-II 5. न्यास परिमंडल 6. सर्वेक्षण परिमंडल-I	1. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-II 2. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XII 3. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, विशेष रेंज-II 4. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XX 5. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-XXVI 6. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-IV 7. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, निर्धारण, रेंज- XV 8. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, सर्वेक्षण रेंज-I 9. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, रेंज-V 10. निरीक्षी सहायक प्रायुक्त, कर-निर्धारण, रेंज-XXV

New Delhi, the 16th October, 1985

## (INCOME TAX)

## CORRIGENDUM

S. O. 484:—In exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of section 121A of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby make the following amendments to the schedule appended to its notification No. 6400 (F. No. 261/12/85-ITJ) dated 30-8-85.

## "FOR"

Charges with Headquarters	Income-tax Wards and Circles	Range of I.A.C.
1	2	3
1. C, T(A)-II, Calcutta	1. Comp. Dist.-III B, D, E, F & G Wards 2. Comp. Dist.-II, A to G Ward	1. AIC, R-II 2. Spl. Asst. R-I 3. IAC, Asst. R-II 4. IAC, Asst. R-XII 5. IAC, R-VII
2. CIT(A)-III, Calcutta	1. Comp. Dist.-IV other than A to G Ward. 2. Spl. Circle-I 3. Spl. Circle-IV 4. Foreign Section 5. Comp. Dist.-V (G & H Ward)	1. IAC, R-XII 2. IAC, R-XIIA 3. IAC, Asst. R-III 4. IAC Asst. R-XIII 5. IAC, R-I 6. IAC, R-XXIV
3. CIT(A)-IV, Calcutta	1. Comp. Dist.-IV A to G Ward 2. Co-operative Ho- using Circle. 3. Spl. Circle-II 4. Dist.-II(1) 5. Trust Circle 6. Survey Circle-I	1. IAC, R-II 2. IAC, R-XII 3. IAC, Spl. R-II 4. IAC, R-XXVI 5. IAC, Asst. R-IV 6. IAC, Asst. R-XIV 7. IAC, Survey R-I 8. IAC, Asst. R-V

## "READ"

1	2	3
1. CIT(A)-II, Calcutta.	1. Comp. Dist.-III (B, D, E, F & G Ward) 2. Comp. Dist.-II (A to G Ward) 3. Comp. Dist.-III (A&C Ward)	1. IAC, R-II 2. Spl. Asst. R-I 3. IAC, Asst. R-II 4. IAC, Asst. R-XII 5. IAC, R-VII.
2. CIT(A)-III, Calcutta	1. Comp. Dist.-IV (other than A to G Wards). 2. Special Circle-I 3. Special Circle-IV 4. Foreign Section 5. Comp. Dist.-V (G & H Wards)	1. IAC, R-XII 2. IAC, R-XIIA 3. IAC, Asst. R-III 4. IAC, Asst. R-XIII 5. IAC, Spl. R-I 6. IAC, Spl. R-IV 7. IAC, R-I 8. IAC, R-XXIV

1	2	3
3. CIT(A)-IV, Calcutta	1. Comp. Dist.-IV (A to G Wards) 2. Co-operative Ho- using Circle. 3. Special Circle-II 4. Dist.-II(1) 5. Trust Circle 6. Survey Circle-I	1. IAC, R-II 2. IAC, R-XII 3. IAC, Spl. R-II 4. IAC, R-XX 5. IAC, R-XXVI 6. IAC, Asst. R-IV 7. IAC, Asst. R-XIV 8. IAC, Survey R-I 9. IAC, Asst. R-V 10. IAC, Asst. R-XV

[No. 6463 (F. No. 261/12/85-JTJ)]

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1985

(आयकर)

फा. भा. 485—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, आयकर से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़कर जिन पर क्षेत्राधिकार आयकर आयुक्त (प्रभाल) में निहित है, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमण्डलों, बोर्डों और जिलों में, आयकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय के संबंध में अपने कार्य करेंगे।

## अनुसूची

क्रम सं. रेंज	आयकर परिमण्डल/बाई और जिला
1	2
1. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज "क", जोधपुर।	1. केन्द्रीय परिमण्डल जोधपुर 2. विशेष जंज परिमण्डल, जोधपुर। 3. पाली, सुमेरपुर, बलोटरा और नारमेड के सभी बाई 4. भीलवाड़ा, नुसु और नागौर के सभी बाई।
2. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज "ख" जोधपुर।	1. भा. स. भा. आयुक्त, रेंज "क" जोधपुर के सामने उल्लिखित परिमण्डलों को छोड़कर जोधपुर के सभी बाई : 2. जालौर के सभी बाई। 3. सम्पदा शुल्क एवं आयकर परिमण्डल, जोधपुर।
3. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त उदयपुर रेंज, उदयपुर।	1. निम्नलिखित स्थानों के सभी बाई/ परिमण्डल : 1. उदयपुर 2. चित्तोड़गढ़ 3. सिरोही 4. बंसवाड़ा 5. सम्पदा शुल्क एवं आयकर परिमण्डल उदयपुर।

1	2	3
4. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त बीकानेर रेंज, बीकानेर।	निम्नलिखित स्थान के सभी बाई/ परिमण्डल : 1. बीकानेर 2. श्रीगंगानगर 3. हनुमानगढ़ 4. संपदा शुल्क एवं आयकर परिमण्डल, श्रीगंगानगर 5. सम्पदा शुल्क एवं आयकर परिमण्डल बीकानेर।	

यस: कोई आयकर परिमण्डल/बाई अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज के किसी अन्य रेंज में अंतरित कर दिया जाता है, उस परिमण्डल, बाई अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किए गए कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें, जिनके अधिकार क्षेत्र से उस परिमण्डल, बाई अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी, जिसके अधिकार-क्षेत्र में उक्त परिमण्डल, बाई अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो।

यह अधिसूचना दिनांक 1 नवम्बर, 1985 से लागू होंगी।

[सं. 6480 (फा. सं. 261/17/85-भा. क. खा.)]

New Delhi, the 31st October, 1985

## INCOME-TAX

S.O. 435—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications in this regard the central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioners of Income tax of the Ranges specified in Column 1 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income tax in the income tax Circle, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Column (2) thereof excluding all persons and income assessed to Income-Tax over which the jurisdiction vests in Commissioner of Income tax (Appeals).

## SCHEDULE

S. No.	Range	Income tax Circle/Wards and Districts.
1	2	3
1. Appellate Assistant Commissioner of Income tax, 'A' Range, Jodhpur.		1. Central Circle Jodhpur. 2. Special Investigation Circle, Jodhpur. 3. All wards at Pali Sumerpur Balotra, and Barmer. 4. All Ward at Bhilwara, Chura and Nagaur.
2. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, 'B' Range Jodhpur.		1. All Wards at Jodhpur except Circles mentioned against AAC A-Range Jodhpur. 2. All Wards at Jaloro. 3. Estate Duty-cum-Income-tax Circle Jodhpur.

1	2	3	(1)	(2)	(3)
3. Appellate Assistant Commissioner of Income tax, Udaipur Range, Udaipur.	All Wards/Circles at : 1. Udaipur. 2. Chittorgarh 3. Sirchi 4. Banswara 4. Estate Duty cum Income tax Circle at Udaipur.				4. माण्ड्या परिमंडल, माण्ड्या। 5. हसन परिमंडल, हसन। 6. टुमकर परिमंडल, टुमकर। 7. मेट्टल परिमंडल, बंगलौर। 8. जौघ परिमंडल, बंगलौर।
4. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Bikaner Range, Bikaner.	All wards & Circles at : 1. Bikaner. 2. Sriganaganagar. 3. Hanumangarh 4. Estate Duty cum Income-tax Circle at Sriganaganagar. 5. Estate Duty cum Income-tax Circle at Bikaner.		3. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-III, बंगलौर		1. परिमंडल-III, बंगलौर। 2. बेंतन परिमंडल, बंगलौर। 3. कोलार परिमंडल, बंगलौर। 4. चिकमंगलूर परिमंडल, चिकमंगलूर। 5. उदुपी परिमंडल, उदुपी। 6. कुर्ग परिमंडल, मारकारा। 7. मंगलौर परिमंडल, मंगलौर। 8. सं० गुल्क व घा०क० परिमंडल बंगलौर। (घा०क०/घा०क०/बान कर मामले)

Whereas the Income tax Circle/Wards of Circle or part thereof stands transferred by this notification from one range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Circle, Wards or Districts or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income tax Circle, ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st November, 1985  
[No. 6480/F.No. 261/17/85-ITJ]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1985

क्रा०सा० 486—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1), धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 9, बानकर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए, और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्वारा निर्देश देता है कि नीचे दी गयी अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, आयकर से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय/धन/बान को छोड़कर जिन पर क्षेत्राधिकार आयकर आयुक्त (अरील) में निहित है, अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमंडलों, बाडों तथा जिलों में आयकर/धनकर/दानकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों तथा आय/धन/बान के संबंध में अपने कार्य करेंगे :-

अनुसूची

क्रमसं०	मुख्यालय सहित रेंज	आयकर परिमंडल, बाडें तथा जिले
(1)	(2)	(3)
1. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-I, बंगलौर		1. परिमंडल-I, बंगलौर 2. विदेश अनुभाग, बंगलौर। 3. कंपनी परिमंडल-1 से 7 तक, बंगलौर। 4. न्यास परिमंडल, बंगलौर। 5. फिल्म परिमंडल, बंगलौर।
2. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-II, बंगलौर		1. परिमंडल-II, बंगलौर। 2. सर्वेक्षण परिमंडल, बंगलौर। 3. मैसूर परिमंडल, मैसूर।

4. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-IV, बंगलौर

1. परिमंडल-IV, बंगलौर।  
2. गुलबर्गा परिमंडल, गुलबर्गा।  
3. रायचूर परिमंडल, रायचूर।  
4. बलेरी परिमंडल, बलेरी।  
5. हास्तेट परिमंडल, हास्तेट।

5. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, धारवाड़ रेंज, हुबली

1. हुबली परिमंडल, हुबली।  
2. धारवाड़ परिमंडल धारवाड़।  
3. गडग परिमंडल, गडग।  
4. शिमोगा परिमंडल, शिमोगा।  
5. चिलकुर्ग परिमंडल, चिलकुर्ग।  
6. करवाड़ परिमंडल, करवाड़।  
7. देवगंर परिमंडल, देवगंर।  
8. बागलकोट परिमंडल, बागलकोट।

6. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, बेलगांव रेंज, बेलगांव

1. बेलगांव परिमंडल, बेलगांव।  
2. बीजापुर परिमंडल, बीजापुर।

7. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, पणजी रेंज, पणजी

1. पणजी परिमंडल, पणजी।  
2. मारगोआ परिमंडल, मारगोआ।

2. यतः कोई आयकर परिमंडल/बाडें अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अन्तर्गत कर दिया जाता है, उस परिमंडल बाडें अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किये गये कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचारार्थ पड़ी इपीलें, जिनके अधिकार क्षेत्र से उस परिमंडल, बाडें अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तर्गत किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अन्तर्गत की जायेंगी और उसके द्वारा निपटाई जायेंगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमंडल, बाडें अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तर्गत किया गया हो।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1985 से लागू होगी।

[सं० 6516(फा०सं० 279/143/84-घा०क० न्या०)]

टिप्पणी :—संपदा शूल्क 1953 (1953 का 34) की धारा 4 की उपधारा 2क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-III, बंगलौर को, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर

बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा जारी की गयी दिनांक 28-12-1982 की अधिसूचना सं० 59/82-फा० सं० 307/11/82-सं० शु० के अनुसार उन सम्पदा शुल्क अपीलों के सम्बन्ध में, जो सम्पदा-शुल्क : परिषद नियंत्रक (आयकर आयुक्त अपील) III—बंगलूर के क्षेत्राधिकार में नहीं आती, इस प्रकार सहायक सम्पदा शुल्क नियंत्रक, बंगलूर (अपीलीय सहायक आयुक्त रेंज-II, बंगलूर) के क्षेत्राधिकार में सम्पदा शुल्क की उन अपीलों के मलावा, जो आयकर आयुक्त (अपील) के क्षेत्राधिकार में आती हैं, सम्पदा शुल्क नियंत्रक बंगलूर के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी सहायक सम्पदाशुल्क नियंत्रकों द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ की गयी सम्पदा शुल्क अपीलें आयेंगी।

New Delhi, the 29th November, 1985

S. O. 486:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); section 9 of Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); section 8 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958) and in supersession of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges Specified in column (1) of the schedule below, shall perform their functions in respect of all the persons and the income/wealth/gift assessed to income-tax/wealth tax/gift-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column (2) thereof excluding all persons and income/wealth/gift assessed to Income-tax/Wealth-tax/Gift-tax over which the jurisdiction vests with the Commissioner of Income-tax (Appeals).

#### SCHEDULE

Sl. Ranges with Head No. Quarters	Income-tax, Circles, Wards & Districts
(1)	(2)
1. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I, Bangalore.	1. Circle-I, Bangalore. 2. Foreign Section, Bangalore. 3. Company Circles I to VII, Bangalore. 4. Trust Circle, Bangalore. 5. Film Circle, Bangalore.
2. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II, Bangalore.	1. Circle-II, Bangalore. 2. Survey Circles, Bangalore. 3. Mysore Circle, Mysore. 4. Mandya Circle, Mandya. 5. Hassan Circle, Hassan. 6. Tumkur Circle, Tumkur. 7. Central Circle, Bangalore 8. Investigation Circle, Bangalore.
3. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III, Bangalore	1. Circle-III, Bangalore 2. Salary Circle, Bangalore 3. Kolar Circle, Bangalore. 4. Chickmangalur Circle, Chikmangalur. 5. Udupi Circle, Udupi. 6. Coorg Circle, Maracara 7. Mangalore Circle, Mangalore 8. ED-cum-IT Circle, Bangalore (IT/WI/GT cases)
4. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV, Bangalore.	1. Circle-IV, Bangalore 2. Gulbarga Circle, Gulbarga. 3. Raichur Circle, Raichur. 4. Bellary Circle, Bellary. 5. Hospet Circle, Hospet.

(1)	(2)	(3)
5. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Dharwar Range, Hubli.	1. Hubli Circle, Hubli. 2. Dharwar Circle, Dharwar 3. Gadag Circle, Gadag 4. Shimoga Circle, Shimoga 5. Chitradurga Circle, Chitradurga. 6. Karwar Circle, Karwar. 7. Davangere Circle, Davangere 8. Bagalkot Circle, Bagalkot	
6. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax- Belgaum Range, Belgaum.	1. Belgaum Circle, Belgaum. 2. Bijapur Circle, Bijapur	
7. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Panaji Range, Panaji.	1. Panaji Circle, Panaji. 2. Margao Circle, Margao.	

2. Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one range to another range, as appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or district or part thereof and pending immediately before the date of this notification before Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred, shall from the date of this notification take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said Circles, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st December 1985.

[No. 6516 (F. No. 279/143/84-ITJ)]

Note: In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 4 of 1953 (34 of 1953), the Central Government has appointed the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III, Bangalore as the Appellate Controller of Estate Duty, Bangalore in respect of Estate Duty appeals over which the jurisdiction do not vest with the Appellate Controller of Estate Duty [Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, Bangalore] with effect from 3-1-1983 as per Notification No. 59/82/F. No. 307/11/82-ED dated 28-12-1982 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi. Hence the Appellate Controller of Estate Duty, Bangalore (A.A.C. Range-III), Bangalore will have jurisdiction over estate duty appeals against orders passed by all Assistant Controller of Estate Duty within the Jurisdiction of the Controller of Estate Duty, Bangalore other than the Estate Duty appeal in respect of which the jurisdiction vests with the Commissioner of Income-tax (Appeals).

का० आ० 487—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिलक्ष्य करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गयी अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीलीय सहायक आयुक्त, आयुक्त, आयुक्त से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़कर, जिन पर क्षेत्राधिकार आयुक्त आयुक्त (अपील) में निहित है, उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयुक्त परिमंडलों, बाडों और जिलों में, आयुक्त से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय के संबंध में अपने कार्य करेंगे।



## अनुसूची

1

2

3

क्र० सं०	रेंज	आयकर परिमंडल, वार्ड और जिले
1	2	3

आयकर आयुक्त, जबलपुर (म०प्र०)  
क्षेत्राधिकारी

1. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त,  
जबलपुर रेंज, जबलपुर।

1. आ०क० अधिकारी, केन्द्रीय परि-  
मंडल, जबलपुर।

2. आ०क० अधिकारी, विशेष सम्पदा  
शुल्क व आयकर परिमंडल,  
जबलपुर।

3. सहायक सम्पदा शुल्क निरीक्षक,  
जबलपुर।

4. आ०क० अधिकारी, विशेष जांच  
परिमंडल-I जबलपुर।

5. आ०क० अधिकारी, विशेष जांच  
परिमंडल-II जबलपुर।

6. आ०क० अधिकारी, क-I वार्ड,  
जबलपुर।

7. आ०क० अधिकारी, क-II वार्ड,  
जबलपुर।

8. आ०क० अधिकारी, क-वार्ड,  
जबलपुर।

9. आ०क० अधिकारी, ख-वार्ड,  
जबलपुर।

10. आ०क० अधिकारी, ग-वार्ड,  
जबलपुर।

11. आ०क० अधिकारी, घ-वार्ड,  
जबलपुर।

12. आ०क० अधिकारी, ङ-वार्ड,  
जबलपुर।

13. आ०क० अधिकारी, छ-वार्ड,  
जबलपुर।

14. आ०क० अधिकारी, ज-वार्ड,  
जबलपुर।

15. आयकर परिमंडल, छिन्वाड़ा।

16. आयकर परिमंडल, बालाघाट।

17. आयकर परिमंडल, सियोनी।

18. वे सभी अपीलें जो (पहले)  
विशेष जांच रेंज, जबलपुर के  
पास आयकर अधिकारी ख-वार्ड  
जबलपुर के प्रादेश के विरुद्ध  
लम्बित पड़ी हैं जो आ०क०  
म०प्र० की दिनांक 25-7-72 की  
अधिसूचना सं० 22/आ०क०/  
म०प्र०/72 के अन्तर्गत अब  
आयकर अधिकारी, ज-वार्ड,  
जबलपुर के क्षेत्राधिकार में आती  
हैं।

19. आ०क० अधिकारी, नरसंहपुर,  
जबलपुर।

2. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त,  
सतना रेंज, सतना।

3. अपीलीय सहायक आयुक्त, रायपुर  
रेंज, रायपुर।

1. आयकर परिमंडल, सतना।

2. आयकर परिमंडल, रीवा।

3. आयकर परिमंडल, कटनी।

4. आयकर परिमंडल, छत्तरपुर।

5. आयकर परिमंडल, मागर।

6. आयकर परिमंडल, बमोह।

1. आ.क. अधिकारी, विशेष जांच  
परिमंडल, रायपुर।

2. आ.क. अधिकारी, क-वार्ड,  
रायपुर।

3. आ.क. अधि., ख-वार्ड, रायपुर।

4. आ.क. अधि., ग-वार्ड, रायपुर।

5. आ.क. अधि., घ-वार्ड, रायपुर।

6. आयकर परिमंडल, भिलाई।

7. आयकर परिमंडल, धामतरी।

8. आयकर परिमंडल, जगदलपुर।

9. आयकर परिमंडल, राजनन्द-  
गांव।

10. आयकर परिमंडल, दुर्ग।

11. आयकर अधिकारी, ङ-वार्ड,  
रायपुर।

12. आ.क. अधि., च-वार्ड, रायपुर।

13. आ.क. अधि., छ-वार्ड, रायपुर।

14. आ.क. अधि., सर्वेक्षण परि-  
मंडल, रायपुर।

15. अतिरिक्त आ.क. अधि.,  
निर्धारण-III, रायपुर।

16. अतिरिक्त आ.क. अधि.,  
निर्धारण-5, रायपुर।

17. आयकर परिमंडल, बिलासपुर।

18. आयकर परिमंडल, रायगढ़।

19. आयकर अधिकारी, ज-वार्ड,  
रायपुर।

जहाँ कोई आयकर परिमंडल, वार्ड/अथवा जिला अथवा उसका कोई  
भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अन्तर्लि-  
कृत किया गया हो, वहाँ उस आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा  
उसके किसी भाग में किये गये निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस  
अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व, रेंज के उस अपीलीय सहायक  
आयुक्त के समक्ष विचारधीन पड़ी अपीलें, जिसके अधिकार-क्षेत्र में  
उक्त आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग  
अन्तर्लिप्त किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज  
के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अन्तर्लिप्त की जायेंगी और उनके  
द्वारा निपटायें जायेंगी जिसके अधिकार-क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वार्ड  
अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तर्लिप्त किया गया हो।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1985 से लागू होगी।

[सं 6517(फा.सं. 279/143/84-आ.क.न्या.)]

S. O. 487.—In exercise of the power conferred by sub-section  
(1) of Section 122 of the IT Act, 1961 (43 of 1961) and in super-  
session of all the previous notifications in this regard, the Central  
Board of Direct Taxes hereby directs that Appellate Assistant  
Commissioner of Income-tax of the Range specified in column  
(1) of the Schedule below, shall perform the functions in respect  
of all persons and income assessable to income-tax in the Income-  
tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding

entry in column (1) thereof excluding all persons and incomes assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests in Commissioner of Income-tax (Appeals).

## SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Circle, Wards and Districts.
1	2	3
1. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Jabalpur Range, Jabalpur	C.I.T. Jabalpur (M.P.) charge:	
	1. ITO, Central Circle, Jabalpur.	
	2. ITO, Special Estate Duty-cum Income-tax Circles, Jabalpur.	
	3. Asstt. Controller of Estate Duty, Jabalpur.	
	4. ITO, Special investigation Circle-I, Jabalpur.	
	5. Income-tax Officer, Special Investigation Circle-II, Jabalpur.	
	6. ITO A-I Ward, Jabalpur.	
	7. ITO A-II Ward, Jabalpur.	
	8. ITO A-Ward, Jabalpur.	
	9. ITO B-Ward, Jabalpur.	
	10. ITO C-Ward, Jabalpur.	
	11. ITO D-Ward, Jabalpur.	
	12. ITO E-Ward, Jabalpur.	
	13. ITO G-Ward, Jabalpur.	
	14. ITO H-Ward, Jabalpur.	
	15. Income-tax Circle, Chhindwara.	
	16. Income-tax Circle, Balaghat	
	17. Income-tax Circle, Sooni.	
	18. All appeals pending with Range, (erstwhile) Jabalpur against order of ITO, B-Ward, Jabalpur in cases in which the present jurisdiction is vested in ITO H-Ward vide CIT, M. P. Notification No. 22/IT MP/72, dated 25-7-72.	
	19. ITO Narsinghpur at Jabalpur	
2. Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, Satna Range, Satna	1. Income-tax Circle, Satna.	
	2. Income-tax Circle, Rewa.	
	3. Income-tax Circle, Katni.	
	4. Income-tax Circle, Chhatarpur.	
	5. Income-tax Circle, Sagar.	
	6. Income-tax Circle, Damoh.	
3. Appellate Asstt. Commissioner, Raipur Range, Raipur.	1. ITC, Special Investigation Circle, Raipur.	
	2. ITO, A-Ward, Raipur.	
	3. ITO, B-Ward, Raipur.	
	4. ITO, B-Ward, Raipur.	
	5. ITO, D-Ward, Raipur.	
	6. Income-tax Circle, Bhilai.	
	7. Income-tax Circle, Dhamtar.	
	8. Income-tax Circle, Jagdalpur.	

1	2	3
		9. Income-tax Circle, Rajnandgaon.
		10. Income-tax Circle, Durg.
		11. ITO, B-Ward, Raipur.
		12. ITO, F-Ward, Raipur.
		13. ITO, G-Ward, Raipur.
		14. ITO, Survey, Circle, Raipur.
		15. A dlt. ITO, Asstt. III, Raipur.
		16. A dlt. ITO, Asstt. V, Raipur
		17. Income-tax Circle, Bilaspur
		18. Income-tax Circle, Raigarh
		19. Income-tax Officer H-ward Raipur.

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that I.T. Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st December, 1985.

[F.No. 6517(F.No.279/143/84-ITJ)]

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1985

शुद्धि-पत्र

(आयकर)

का.भा. 488.—बोर्ड की दिनांक 20-9-1985 की अधिसूचना सं. 6434 (का.सं. 261/13/85-आ.क.पा.) में, आयकर आयुक्त (प्रवील)-III, बंगलूर के क्षेत्राधिकार के सामने कालम 2 के नीचे मद सं. 9 को इस प्रकार पढ़ा जाये,

"9. बल्लेरी परिमंडल, बल्लेरी।"

[सं. 6532(का.सं. 261/13/85-आ.क.पा.)]

सुरेन्द्र पाल, प्रवर सचिव

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 13th December, 1985

## CORRIGENDUM

## (INCOME-TAX)

S.O. 488.—In Board's Notification No. 6434 (F. No. 261/13/85-ITJ) dated 20-9-85, against the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax (Appeals) III, Bangalore, item No. 9 under column No. 2 shall be read as :

"9. Bellary Circle, Bellary."

[No. 6532 (F. No. 261/13/85-ITJ)]

SURENDER PAUL, Under Secy.

Central Board of Direct Taxes

(वार्धिक काम विभाग)

(वर्तमान प्रमाण)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1986

का. भा. 489.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 17(4ब) (ब) के उपबंधों के अधीन,

भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेने के प्रयोजन से, भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम द्वारा 16.70 करोड़ रुपये के मूल्य के जारी किए जाने वाले बांडों के संबंध में मूलधन की वापसी प्रदायगी और 10% (बस प्रतिशत) वार्षिक की दर से ब्याज की प्रदायगी की एतद्वारा गारंटी होती है, बशर्त कि यह गारंटी बांडों के जारी किए जाने की तारीख से 24 महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहे।

[एफ. सं. 6(2)-आई. एफ.-I/86]  
अमर सिंह, अधीक्षक

(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)  
New Delhi, the 20th January, 1986

S.O. 489.—The Central Government hereby guarantees the repayment of the principal and payment of interest at the rate of 10% (ten per cent) per annum in respect of bonds of the value of Rs. 16.70 crores to be issued by the Industrial Credit & Investment Corporation of India Ltd., for the purpose of borrowing from Reserve Bank of India in terms of Section 17 (4BB)(b) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), provided that the guarantee will remain in force for a period of 24 months from the date of issue of the bonds.

[F. No. 6(2)I.F.I./86]  
AMAR SINGH, Under Secy.

समाहृतलय, केन्द्रीय सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क  
कन्नवारिथोटा, 9 दिसम्बर, 1985  
सीमा शुल्क

भा. घा. 490.—केन्द्रीय सीमा शुल्क समाहर्ता को प्रनुभाग 8(बी) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए, मैं, भार. गोपाल नाथ, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क—सीमा-शुल्क क्षेत्र इनलाइ कन्टेनर डिपो के संबंध में गुंटूर रेल स्टेशन के रेडिपलेम माल गोदाम के पास विशिष्ट करते हुए, निम्न प्रकार बताया जाता है:

सीमा शुल्क क्षेत्र की सीमाएं निम्न सूचित हैं:—

पूर्व—मीजूवा सड़क—समतल पार से रेडिपलेम का पुराना माल गोदाम तक (इनलाइ कन्टेनर डिपो समाप्त) 210 मीटर (लगभग)

पश्चिम—मीजूवा समतल पार से रेडिपलेम के पुराने माघ गोदाम समतल तक (इनलाइ कन्टेनर डिपो) रेलवे लाइन को छोड़कर (2 और 3) 215 मी. (लगभग)।

दक्षिण—समतल पार सड़क लगभग 5 मीटर की प्रथम लेन को धाकड़ावित करती है।

उत्तर—पुराने रेडिपलेम मालगोदाम और रेल मार्ग नं.-1 लगभग 20 मीटर दूर तक।

[अधिसूचना नं. 1/85 (कस)]

[सि. नं. VIII/1/4/84 (कस-टेक)]  
भार. गोपाल नाथन, समाहर्ता

(Office of the Collector of Customs & Central Excise)

Kannavarithota, the 9th December, 1985

#### CUSTOMS

S.O. 490.—In exercise of the powers conferred upon the Collector of Customs Under Section 8(b) of the Customs Act, 1962, I, R. Gopalanathan, Collector of Customs & Central Excise, hereby specify the Customs Area in respect of Inland Container Depot at Reddipalem Goods Shed of Guntur Railway Station (Andhra Pradesh) as follows:

The boundaries of the Customs Area are as under:

EAST: Existing Road from level crossing to Reddipalem 210 Mtrs. (Approx.).

WEST: Existing level crossing to the level of Reddipalem Old Goods Shed (Inland Container Depot) excluding Railway line (2 and 3) 215 Mtrs. (Approx.).

SOUTH: Level crossing Road to the extent of 5 Mtrs. (Approx) which covers 1st line.

NORTH: Old Reddipalem Goods Shed and Railway line No. 1 to the extent of 20 Mtrs. (Approx).

R. GOPALANATHAN, Collector  
[Notification No. 1/85(Cus.)/C. No. VIII/1/4/84(Cus. Tech.)]

#### वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1986

भा. घा. 491.—श्री दिलबाग राज शर्मा, डी-19, साकेत, नई दिल्ली को टोयाटा कारोना 1600 सी सी पेट्रोल कार का आयात करने के लिए एक सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी./जे/3052294, दिनांक 29-8-85 जारी किया गया था। आवेदक ने उपर्युक्त सीमा शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी किए जाने का इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट भ्रष्टानस्व हो गया है/खो गया है। आगे यह कहा गया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट को किसी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था, इस प्रकार सीमा-शुल्क निकासी परमिट का मूल्य बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में, आवेदक ने उचित न्यायिक प्राधिकारी के समक्ष विधिवत शपथ लेकर एक शपथपत्र प्रस्तुत किया है मैं, संतुष्ट हूँ कि मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी./जे/3052294, दिनांक 29-8-85 आवेदक द्वारा खो गया है। समय-समय पर यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-85 की उपधारा 9 (सीसी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, श्री दिलबाग राज शर्मा को जारी किया गया उक्त मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी./जे/3052294, दिनांक 29-8-85 को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. पाटी को सीमा शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति को खाल से जारी किया जा रहा है।

[सि. सं. ए/एस/66/85-86/बी एल एस/2897]

एम. एम. कृष्णामूर्ति, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
हुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 17th January, 1986

#### ORDER

S.O. 491.—Mr. Dilbagh Raj Sharma D, 19 Saket, New Delhi was granted a Customs Clearance Permit No. P/J/3052294 dt. 29-8-85 for Rs. 72,200 only for import of Toyota Corona 1600cc Petrol Car. The applicant has applied for issue of Duplicate copy of the above mentioned Customs Clearance Permit on the ground that the original CCP has been misplaced/lost. It has further been stated that the original CCP was not registered with any Customs authority and such the value of the CCP has not been utilised at all.

2. In support of his contention, the licensee has filled an affidavit duly sworn, before appropriate judicial authority. I am accordingly satisfied that the original CCP No. P/J/3052294 dt. 29-8-85 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said original CCP No. P/J/3052294 dt. 29-8-85 issued to Shri Dilbagh Raj Sharma is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the Customs Clearance Permit is being issued to the party separately.

[F. No. A/S-66/85-86/BLS/2897]

N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller of Imports  
& Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

### खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1986

का.आ. 491.—केन्द्रीय सरकार, अधिनियम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन मेरठ एग्रीकोमोडिटीज एक्सचेंज कंपनी लि., मेरठ द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किये जावेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और जनहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त कंपनी को गुड की अधिनियम संविदाओं के बारे में 7 अप्रैल, 1986 से 6 अप्रैल, 1988 तक (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की दो वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त कंपनी ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएं।

[मिसिल सं. 12/4/आई. टी./85]

### MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 23rd January, 1986

S.O. 492.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Meerut Agro Commodities Exchange Co. Ltd., Meerut, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of two years from the 7th April, 1986 to the 6th April, 1988, (both days inclusive), in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/4/IT/85]

का.आ. 493.—केन्द्रीय सरकार, अधिनियम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सांगली ट्रेडर्स एसोसिएशन लि., सांगली द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किये जावेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और जनहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त कंपनी को गुड की अधिनियम संविदाओं के बारे में 7 अप्रैल, 1986 से 6 अप्रैल, 1988 तक (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की दो वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार द्वारा समय-समय पर दिये जाएं।

[मिसिल सं. 12/5/आई. टी./85]

पी. एन. कौल, आर्थिक सलाहकार

S.O. 493.—The Central Government in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Sangli Traders Association Limited, Sangli and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, here by grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 7th April, 1986 to the 6th April, 1988 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

The recognition hereby granted subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/4/IT/85]

P. N. KAUL, Economic Adviser.

### भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1986

का.आ. 494.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिमूर्चित किया जाता है कि जिन 426 साइसैलॉसों के ब्योरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, उनका फरवरी 1985 में नवीकरण किया गया है।

### अनुसूची

क्रम संख्या	सी एम/एल संख्या	वैध तक
(1)	(2)	(3)
1.	0005111	1986-01-31
2.	007822	1986-01-31
3.	0020614	1986-02-15
4.	0023616	1986-01-15
5.	0065020	1985-12-31
6.	0069844	1985-01-15
7.	0075233	1986-01-15
8.	0083434	1986-01-31
9.	0092739	1985-11-30
10.	0092839	1985-11-30
11.	0099750	1986-01-31
12.	0098952	1986-01-31
13.	0110916	1986-01-31
14.	0115219	1986-01-31
15.	0122322	1986-02-15
16.	0123117	1986-01-31
17.	0148840	1986-01-31
18.	0162733	1986-01-31
19.	0163336	1986-02-15
20.	0183347	1985-12-31
21.	0217429	1986-02-15
22.	0217732	1985-12-31
23.	0218229	1985-03-31
24.	0221925	1986-01-31
25.	0233828	1986-01-31
26.	0223929	1986-01-31
27.	0224931	1986-02-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
28.	0258342	1985-12-15	83.	0464345	1985-11-30
29.	0271132	1986-01-31	84.	0474146	1986-02-15
30.	0283543	1985-12-31	85.	0475249	1985-12-31
31.	0286145	1986-01-15	86.	0482952	1985-11-15
32.	0287854	1986-01-31	87.	0485757	1986-02-15
33.	0288755	1986-01-31	88.	0486355	1985-12-15
34.	0289555	1986-01-31	89.	0490351	1985-02-28
35.	0290338	1985-12-31	90.	0491853	1985-12-31
36.	0291441	1986-06-15	91.	0494253	1986-04-15
37.	0294245	1985-12-15	92.	0494354	1986-04-15
38.	0297049	1986-01-15	93.	0494455	1986-04-15
39.	0303927	1985-01-15	94.	0495558	1986-01-15
40.	0324228	1986-02-28	95.	0495659	1986-01-15
41.	0331023	1986-01-31	96.	0497057	1986-01-31
42.	0331326	1986-01-31	97.	0497865	1986-01-31
43.	0331932	1986-01-31	98.	0498160	1986-01-31
44.	0332126	1985-08-15	99.	0499667	1986-02-15
45.	0332530	1986-02-15	100.	0500121	1986-01-31
46.	0343131	1986-01-31	101.	0500222	1986-02-15
47.	0357041	1985-10-15	102.	0501224	1986-02-15
48.	0360535	1985-11-30	103.	0501931	1986-02-15
49.	0361234	1986-01-31	104.	0502024	1986-02-15
50.	0364341	1985-12-31	105.	0517946	1986-01-31
51.	0365040	1985-12-31	106.	0537851	1986-01-15
52.	0369854	1986-01-31	107.	0543341	1985-03-15
53.	0369654	1986-01-31	108.	0555449	1986-01-31
54.	0370235	1986-01-31	109.	0570748	1986-01-15
55.	0372845	1986-02-28	110.	0577156	1985-12-15
56.	0381543	1986-02-15	111.	0581753	1986-01-31
57.	0381644	1986-02-15	112.	0582048	1985-09-30
58.	0382949	1986-01-31	113.	0582755	1986-01-15
59.	0383042	1986-01-31	114.	0584153	1986-01-31
60.	0383749	1986-01-31	115.	0585362	1986-02-15
61.	0389357	1986-01-31	116.	0587159	1986-01-31
62.	0390140	1986-01-31	117.	0588565	1986-02-15
63.	0398358	1985-10-15	118.	0589062	1986-02-15
64.	0401321	1986-01-31	119.	0594357	1986-02-15
65.	0401725	1986-01-31	120.	0602129	1985-03-31
66.	0406028	1985-11-30	121.	0636247	1986-01-31
67.	0408739	1986-01-31	122.	0650039	1985-10-31
68.	0409943	1985-12-31	123.	0650948	1986-01-31
69.	0410019	1986-02-28	124.	0655049	1986-01-31
70.	0410623	1985-12-31	125.	0656960	1985-12-15
71.	0411122	1985-12-31	126.	0657053	1985-12-15
72.	0411324	1985-12-31	127.	0659562	1985-12-15
73.	0415231	1986-01-31	128.	0661953	1985-12-31
74.	0415332	1986-01-31	129.	0662349	1985-12-31
75.	0415534	1986-01-31	130.	0664252	1986-01-15
76.	0415736	1986-01-31	131.	0667864	1986-01-31
77.	0416435	1986-01-31	132.	0667965	1986-01-31
78.	0416536	1986-01-31	133.	0670045	1986-01-31
79.	0418742	1986-01-31	134.	0670247	1986-01-31
80.	0418944	1986-01-31	135.	0671653	1986-01-31
81.	0420123	1986-02-15	136.	0672352	1986-02-15
82.	0421226	1986-02-15	137.	0673051	1986-02-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
138.	0673354	1986-04-15			
139.	0674760	1986-02-15	192.	0896778	1985-09-30
140.	0675257	1986-06-13	193.	0906755	1985-10-31
141.	0675358	1986-02-15	194.	0917053	1985-11-30
142.	0677362	1986-01-31	195.	0920143	1985-12-15
143.	0677867	1986-02-28	196.	0920244	1985-12-15
144.	0680048	1986-02-28	197.	0920345	1985-12-15
145.	0680957	1986-02-28	198.	0921347	1985-12-15
146.	0682355	1986-02-28	199.	0922046	1985-12-15
147.	0682466	1986-02-28	200.	0925153	1985-12-31
148.	0684258	1986-02-15	201.	0926458	1986-01-15
149.	0684359	1985-12-31	202.	0927258	1986-01-15
150.	0684460	1985-12-31	203.	0929464	1986-01-15
151.	0684561	1985-12-31	204.	0929868	1986-07-15
152.	0687567	1985-12-31	205.	0930146	1986-01-15
153.	0708044	1985-07-31	206.	0931047	1986-01-15
154.	0715243	1986-01-31	207.	0931451	1986-01-31
155.	0715445	1986-01-31	208.	0932352	1986-01-31
156.	0733649	1985-11-15	209.	0933455	1986-01-31
157.	0737960	1985-01-15	210.	0933556	1986-01-31
158.	0738760	1985-11-30	211.	0933758	1986-01-31
159.	0741547	1985-12-15	212.	0934154	1986-01-31
160.	0745555	1986-01-15	213.	0935964	1986-02-15
161.	0745656	1986-01-15	214.	0936259	1986-02-15
162.	0748662	1986-01-31	215.	0936460	1986-02-15
163.	0753554	1986-02-28	216.	0936461	1986-02-15
164.	0756883	1986-02-28	217.	0936562	1986-02-15
165.	0783967	1985-09-30	218.	0936764	1986-02-15
166.	0802541	1985-09-30	219.	0936866	1986-02-15
167.	0803240	1986-01-31	220.	0937261	1986-02-15
168.	0814144	1985-11-15	221.	0937665	1986-01-31
169.	0815247	1985-11-30	222.	0937766	1986-01-31
170.	0816354	1985-11-30	223.	0937867	1986-02-15
171.	0827961	1986-01-15	224.	0938061	1986-02-15
172.	0828357	1986-01-15	225.	0938164	1986-02-15
173.	0828458	1986-01-15	226.	0940250	1986-02-15
174.	0828660	1986-01-15	227.	0941050	1986-02-15
175.	0828761	1986-01-15	228.	0944056	1986-02-28
176.	0828862	1986-01-15	229.	0946060	1986-02-28
177.	0830748	1986-01-15	230.	0946868	1986-02-28
178.	0831447	1986-01-15	231.	0947365	1986-02-28
179.	0833956	1986-01-31	232.	0961864	1985-04-15
180.	0834857	1986-01-31	233.	0989280	1985-08-31
181.	0834958	1986-02-15	234.	0991368	1986-01-31
182.	0835152	1986-01-31	235.	1004215	1985-11-15
183.	0835354	1986-01-31	236.	1006926	1985-11-15
184.	0836558	1986-02-15	237.	1007221	1985-11-15
185.	0837257	1986-02-28	238.	1007322	1985-11-15
186.	0838057	1986-02-28	239.	1011010	1985-11-30
187.	0847159	1986-03-31	240.	1012012	1985-11-30
188.	0847664	1985-11-30	241.	1012618	1985-12-15
189.	0875283	1985-04-30	242.	1013519	1985-12-15
190.	0883365	1986-01-15	243.	1014117	1985-12-15
191.	0889074	1985-08-31	244.	1014319	1985-12-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
245.	1015624	1985-11-30	299.	1086647	1985-06-15
246.	1016323	1985-11-30	300.	1087246	1985-06-15
247.	1017729	1986-12-15	301.	1113826	1985-09-15
248.	1018933	1986-01-31	302.	1115729	1985-09-15
249.	1021114	1985-12-31	303.	1117834	1985-09-30
250.	1021417	1985-12-31	304.	1131727	1985-11-15
251.	1023522	1986-03-31	305.	1133529	1985-11-30
252.	1023623	1986-01-15	306.	1140021	1986-01-31
253.	1023825	1986-01-15	307.	1140122	1985-12-31
254.	1024120	1986-01-15	308.	1140829	1985-12-31
255.	1024322	1986-01-15	309.	1141225	1985-12-31
256.	1024524	1986-01-15	310.	1142833	1985-12-31
257.	1025324	1986-01-15	311.	1145132	1985-12-31
258.	1025425	1986-01-15	312.	1145536	1985-12-31
259.	1025728	1986-01-15	313.	1146336	1986-01-15
260.	1026023	1986-01-15	314.	1147843	1986-01-15
261.	1026225	1986-01-15	315.	1148340	1986-01-15
262.	1026932	1986-01-15	316.	1148643	1986-01-15
263.	1027328	1986-01-15	317.	1149443	1986-01-15
264.	1027530	1986-01-31	318.	1149645	1986-01-15
265.	1027631	1986-01-31	319.	1149746	1986-01-31
266.	1027732	1986-01-31	320.	1150024	1986-12-31
267.	1027833	1986-01-31	321.	1150832	1986-01-31
268.	1028330	1986-01-31	322.	1151026	1986-01-31
269.	1028936	1986-02-15	323.	1153434	1986-01-31
270.	1029029	1986-02-15	324.	1153535	1986-01-31
271.	1029433	1986-02-15	325.	1153939	1986-01-31
272.	1029534	1986-02-15	326.	1154032	1986-01-31
273.	1030923	1986-01-15	327.	1154234	1986-01-31
274.	1031218	1986-02-15	328.	1154636	1986-02-15
275.	1031420	1986-01-31	329.	1154739	1986-02-15
276.	1032321	1986-02-15	330.	1154840	1986-02-15
277.	1032523	1986-02-15	331.	1154941	1986-02-15
278.	1032624	1986-02-15	332.	1155337	1986-01-15
279.	1032725	1986-02-15	333.	1158242	1986-02-15
280.	1033727	1986-01-31	334.	1159042	1986-02-15
281.	1034022	1986-01-31	335.	1159143	1986-02-15
282.	1034224	1986-02-28	336.	1159345	1986-02-15
283.	1034325	1986-02-15	337.	1159547	1986-02-15
284.	1034830	1986-01-31	338.	1159850	1986-02-15
285.	1035024	1986-02-15	339.	1159951	1986-02-15
286.	1035630	1986-02-15	340.	1160532	1986-02-15
287.	1036026	1986-02-15	341.	1161534	1986-02-15
288.	1036127	1986-02-15	342.	1161635	1986-02-15
289.	1037028	1986-02-15	343.	1163134	1986-02-15
290.	1037230	1986-02-15	344.	1163538	1986-02-28
291.	1038232	1986-01-31	345.	1165342	1985-02-28
292.	1038333	1985-10-15	346.	1166746	1986-02-28
293.	1038636	1986-02-28	347.	1169550	1986-03-15
294.	1038737	1986-01-15	348.	1169651	1986-02-28
295.	1044126	1985-11-30	349.	1174543	1985-03-31
296.	1069748	1985-04-15	350.	1188453	1985-05-31
297.	1070026	1985-04-15	351.	1199054	1985-05-31
298.	1070127	1985-04-15	352.	1210319	1985-12-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
353.	1231832	1985-09-15	407.	1270640	1986-01-31
354.	1242534	1985-10-15	408.	1270741	1986-01-31
355.	1242635	1985-10-15	409.	1270842	1986-01-31
356.	1242736	1985-10-15	410.	1270943	1986-01-31
357.	1242837	1985-10-15	411.	1271440	1986-01-31
358.	1243839	1985-11-15	412.	1271541	1986-01-41
359.	1248243	1985-11-30	413.	1271642	1986-01-31
360.	1249750	1985-11-30	414.	1271844	1986-01-31
361.	1250230	1985-11-15	415.	1271945	1986-01-31
362.	1251525	1985-11-30	416.	1272038	1986-01-31
363.	1252739	1985-11-30	417.	1272139	1986-01-31
364.	1254238	1985-12-15	418.	1275448	1986-02-15
365.	1254844	1985-12-15	419.	1275650	1986-02-15
366.	1256747	1985-12-15	420.	1275751	1986-02-15
367.	1256848	1985-12-15	421.	1275852	1986-03-15
368.	1257547	1985-12-31	422.	1276046	1986-02-15
369.	1257749	1985-12-31	423.	1277856	1986-04-15
370.	1257850	1985-12-31	424.	1282445	1986-02-28
371.	1258145	1985-12-31	425.	1282546	1986-02-28
372.	1258347	1985-12-31	426.	1283851	1986-02-28
373.	1258448	1985-12-31			
374.	1260839	1985-12-31			
375.	1261134	1985-12-31			
376.	1261336	1985-12-31			
377.	1262338	1985-12-31			
378.	1262540	1986-01-15			
379.	1263037	1986-01-15			
380.	1263441	1986-03-15			
381.	1263542	1986-01-15			
382.	1263845	1986-01-15			
383.	1264342	1986-01-15			
384.	1265142	1986-01-15			
385.	1265243	1986-01-15			
386.	1265344	1986-01-15			
387.	1265950	1986-01-15			
388.	1266043	1986-02-15			
389.	1266245	1986-01-15			
390.	1266346	1986-01-15			
391.	1266447	1986-01-15			
392.	1261538	1985-12-31			
393.	1266649	1986-01-15			
394.	1266750	1986-01-15			
395.	1266952	1986-01-15			
396.	1267045	1986-01-15			
397.	1267146	1986-01-15			
398.	1268047	1986-01-31			
399.	1268249	1986-01-31			
400.	1268350	1986-01-15			
401.	1268552	1986-01-31			
402.	1268956	1986-01-31			
403.	1269554	1986-01-31			
404.	1269655	1986-01-31			
405.	1269958	1986-01-31			
406.	1270438	1986-01-31			

[सं. सी.एस.सी. / 13 : 12]

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 20th January, 1986

S.O. 494.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby, notifies that 426 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February, 1985.

## SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid Upto
(1)	(2)	(3)
1.	0005111	1986-01-31
2.	0007822	1986-01-31
3.	0020814	1986-02-15
4.	0022616	1986-01-15
5.	0065028	1985-12-31
6.	0069844	1986-01-15
7.	0075233	1986-01-15
8.	0083434	1986-01-31
9.	0092738	1985-11-30



(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
10.	0092839	1985-11-30	64.	0401321	1986-01-31
11.	0098750	1986-01-31	65.	0401725	1986-01-31
12.	0098952	1986-01-31	66.	0406028	1985-11-30
13.	0110916	1986-01-31	67.	0408739	1986-01-31
14.	0115219	1986-01-31	68.	0409943	1985-12-31
15.	0122822	1986-02-15	69.	0410019	1986-02-28
16.	0123117	1986-01-31	70.	0410625	1985-12-31
17.	0148840	1986-01-31	71.	0411122	1985-12-31
18.	0162733	1986-01-31	72.	0411324	1985-12-31
19.	0163836	1986-02-15	73.	0415231	1986-01-31
20.	0188347	1985-12-31	74.	0415332	1986-01-31
21.	0217429	1986-02-15	75.	0415534	1986-01-31
22.	0217732	1985-12-31	76.	0415736	1986-01-31
23.	0218229	1985-03-31	77.	0416435	1986-01-31
24.	0221925	1986-01-31	78.	0416536	1986-01-31
25.	0223828	1986-01-31	79.	0418742	1986-01-31
26.	0223929	1986-01-31	80.	0418944	1986-01-31
27.	0224931	1986-02-15	81.	0420123	1986-02-15
28.	0258342	1985-12-15	82.	0421226	1986-02-15
29.	0271132	1986-01-31	83.	0464345	1985-11-30
30.	0283543	1985-12-31	84.	0474146	1986-02-15
31.	0286145	1986-01-15	85.	0475249	1985-12-31
32.	0287854	1986-01-31	86.	0482852	1985-11-15
33.	0288755	1986-01-31	87.	0485757	1986-02-15
34.	0289555	1986-01-31	88.	0486355	1985-12-15
35.	0290338	1985-12-31	89.	0490851	1985-02-28
36.	0291441	1986-06-15	90.	0491853	1985-12-31
37.	0294245	1985-12-15	91.	0494253	1986-04-15
38.	0297049	1986-01-15	92.	0494354	1986-04-15
39.	0303927	1985-10-15	93.	0494455	1986-04-15
40.	0324228	1986-02-28	94.	0495558	1986-01-15
41.	0331023	1986-01-31	95.	0495659	1986-01-15
42.	0331326	1986-01-31	96.	0497057	1986-01-31
43.	0331932	1986-01-31	97.	0497865	1986-01-31
44.	0332126	1985-08-15	98.	0498160	1986-01-31
45.	0332530	1986-02-15	99.	0499667	1986-02-15
46.	0343131	1986-01-31	100.	0500121	1986-01-31
47.	0357041	1985-10-15	101.	0500222	1986-02-15
48.	0360535	1985-11-30	102.	0501224	1986-02-15
49.	0361234	1986-01-31	103.	0501931	1986-02-15
50.	0364341	1985-12-31	104.	0502024	1986-02-15
51.	0365040	1985-12-31	105.	0517946	1986-01-31
52.	0368854	1986-01-31	106.	0537851	1986-01-15
53.	0369654	1986-01-31	107.	0543341	1985-08-15
54.	0370235	1986-01-31	108.	0555449	1986-01-31
55.	0372845	1986-02-28	109.	0570748	1986-01-15
56.	0381543	1986-02-15	110.	0577156	1985-12-15
57.	0381644	1986-02-15	111.	0581753	1986-01-31
58.	0382949	1986-01-31	112.	0582048	1985-09-30
59.	0383042	1986-01-31	113.	0582755	1986-01-15
60.	0383749	1986-01-31	114.	0584153	1986-01-31
61.	0389357	1986-01-31	115.	0585862	1986-02-15
62.	0390140	1986-01-31	116.	0587159	1986-01-31
63.	0398358	1985-10-15	117.	0588565	1986-02-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
118.	0589062	1986-02-15	173.	0828458	1986-01-15
119.	0594257	1986-02-15	174.	0828660	1986-01-15
120.	0602129	1985-03-31	175.	0828761	1986-01-15
121.	0636247	1986-01-31	176.	0828862	1986-01-15
122.	0650039	1985-10-31	177.	0830748	1986-01-15
123.	0650948	1986-01-31	178.	0831447	1986-01-15
124.	0655049	1986-01-31	179.	0833956	1986-01-31
125.	0656960	1985-12-15	180.	0834857	1986-01-31
126.	0657053	1985-12-15	181.	0834958	1986-02-15
127.	0659562	1985-12-15	182.	0835152	1986-01-31
128.	0661953	1985-12-31	183.	0835354	1986-01-31
129.	0662349	1985-12-31	184.	0836558	1986-02-15
130.	0664252	1986-01-15	185.	0837257	1986-02-28
131.	0667864	1986-01-31	186.	0838057	1986-02-28
132.	0667965	1986-01-31	187.	0847159	1986-03-31
133.	0670045	1986-01-31	188.	0847664	1985-11-30
134.	0670247	1986-01-31	189.	0875265	1985-04-30
135.	0671653	1986-01-31	190.	0883365	1986-01-15
136.	0672352	1986-02-15	191.	0889074	1985-08-31
137.	0673051	1986-02-15	192.	0896778	1985-09-30
138.	0673354	1986-04-15	193.	0906755	1985-10-31
139.	0674760	1986-02-15	194.	0917053	1985-11-30
140.	0675257	1986-06-15	195.	0920143	1985-12-15
141.	0675358	1986-02-15	196.	0920244	1985-12-15
142.	0677362	1986-01-31	197.	0920345	1985-12-15
143.	0677867	1986-02-28	198.	0921347	1985-12-15
144.	0680048	1986-02-28	199.	0922046	1985-12-15
145.	0680957	1986-02-28	200.	0925153	1985-12-31
146.	0682355	1986-02-28	201.	0926458	1986-01-15
147.	0682456	1986-02-28	202.	0927258	1986-01-15
148.	0684258	1986-02-15	203.	0929464	1986-01-15
149.	0684359	1985-12-31	204.	0929868	1986-07-15
150.	0684460	1985-12-31	205.	0930146	1986-01-15
151.	0684561	1985-12-31	206.	0931047	1986-01-15
152.	0687567	1985-12-31	207.	0931451	1986-01-31
153.	0708044	1985-07-31	208.	0932352	1986-01-31
154.	0715243	1986-01-31	209.	0933455	1986-01-31
155.	0715445	1986-01-31	210.	0933556	1986-01-31
156.	0733649	1985-11-15	211.	0933758	1986-01-31
157.	0737960	1985-01-15	212.	0934154	1986-01-31
158.	0738760	1985-11-30	213.	0935964	1986-02-15
159.	0741547	1985-12-15	214.	0936259	1986-02-15
160.	0745555	1986-01-15	215.	0936360	1986-02-15
161.	0745656	1986-01-15	216.	0936461	1986-02-15
162.	0748662	1986-01-31	217.	0936562	1986-02-15
163.	0753554	1986-02-28	218.	0936764	1986-02-15
164.	0756863	1986-02-28	219.	0936966	1986-02-15
165.	0783967	1985-09-30	220.	0937261	1986-02-15
166.	0802541	1985-09-30	221.	0937665	1986-01-31
167.	0803240	1986-01-31	222.	0937766	1986-01-31
168.	0814144	1985-11-15	223.	0937867	1986-02-15
169.	0815247	1985-11-30	224.	0938061	1986-02-15
170.	0818354	1985-11-30	225.	0939164	1986-02-15
171.	0827961	1986-01-15	226.	0940250	1986-02-15
172.	0828357	1986-01-15			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
227.	0941050	1986-02-15	281.	1034022	1986-01-31
228.	0944056	1986-02-28	282.	1034224	1986-02-28
229.	0946060	1986-02-28	283.	1034325	1986-02-15
230.	0946868	1986-02-28	284.	1034830	1986-01-31
231.	0947365	1986-02-28	285.	1035024	1986-02-15
232.	0961864	1985-04-15	286.	1035630	1986-02-15
233.	0989289	1985-08-31	287.	1036026	1986-02-15
234.	0991368	1986-01-31	288.	1036127	1986-02-15
235.	1004215	1985-11-15	289.	1037028	1986-02-15
236.	1006926	1985-11-15	290.	1037230	1986-02-15
237.	1007221	1985-11-15	291.	1038232	1986-01-31
238.	1007322	1985-11-15	292.	1038333	1985-10-15
239.	1011010	1985-11-30	293.	1038636	1986-02-28
240.	1012012	1985-11-30	294.	1038737	1986-01-15
241.	1012618	1985-12-15	295.	1044126	1985-11-30
242.	1013519	1985-12-15	296.	1069748	1985-04-15
243.	1014117	1985-12-15	297.	1070026	1985-04-15
244.	1014319	1985-12-15	298.	1070127	1985-04-15
245.	1015624	1985-11-30	299.	1086647	1985-06-15
246.	1016323	1985-11-30	300.	1087245	1985-06-15
247.	1017729	1985-12-15	301.	1113826	1985-09-15
248.	1018933	1986-01-31	302.	1115729	1985-09-15
249.	1021114	1985-12-31	303.	1117834	1985-09-30
250.	1021417	1985-12-31	304.	1131727	1985-11-15
251.	1023522	1986-03-31	305.	1133529	1985-11-30
252.	1023623	1986-01-15	306.	1140021	1986-01-31
253.	1023825	1986-01-15	307.	1140122	1985-12-31
254.	1024120	1986-01-15	308.	1140829	1985-12-31
255.	1024322	1986-01-15	309.	1141225	1985-12-31
256.	1024524	1986-01-15	310.	1142833	1985-12-31
257.	1025324	1986-01-15	311.	1145132	1985-12-31
258.	1025425	1986-01-15	312.	1145536	1985-12-31
259.	1025728	1986-01-15	313.	1146336	1986-01-15
260.	1026023	1986-01-15	314.	1147843	1986-01-15
261.	1026225	1986-01-15	315.	1148340	1986-01-15
262.	1026932	1986-01-15	316.	1148643	1986-01-15
263.	1027328	1986-01-15	317.	1149443	1986-01-15
264.	1027530	1986-01-31	318.	1149645	1986-01-15
265.	1027631	1986-01-31	319.	1149746	1986-01-31
266.	1027732	1986-01-31	320.	1150024	1985-12-31
267.	1027833	1986-01-31	321.	1150832	1986-01-31
268.	1028330	1986-01-31	322.	1151026	1986-01-31
269.	1028936	1986-02-15	323.	1153434	1986-01-31
270.	1029029	1986-02-15	324.	1153535	1986-01-31
271.	1029433	1986-02-15	325.	1153939	1986-01-31
272.	1029534	1986-02-15	326.	1154032	1986-01-31
273.	1030923	1986-01-15	327.	1154234	1986-01-31
274.	1031218	1986-02-15	328.	1154638	1986-02-15
275.	1031420	1986-01-31	329.	1154739	1986-02-15
276.	1032321	1986-02-15	330.	1154840	1986-02-15
277.	1032523	1986-02-15	331.	1154941	1986-02-15
278.	1032624	1986-02-15	332.	1155337	1986-02-15
279.	1032725	1986-02-15	333.	1158242	1986-02-15
280.	1033727	1986-01-31	334.	1159042	1986-02-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
335.	1159143	1986-02-15	382.	1263845	1986-01-15
336.	1159345	1986-02-15	383.	1264342	1986-01-15
337.	1159547	1986-02-15	384.	1265142	1986-01-15
338.	1159850	1986-02-15	385.	1265243	1986-01-15
339.	1159951	1986-02-15	386.	1265344	1986-01-15
340.	1160532	1986-02-15	387.	1265950	1986-01-15
341.	1161534	1986-02-15	388.	1266043	1986-02-15
342.	1161635	1986-02-15	389.	1266245	1986-01-15
343.	1163134	1986-02-15	390.	1266346	1986-01-15
344.	1163538	1986-02-28	391.	1266447	1986-01-15
345.	1165542	1985-02-28	392.	1261538	1985-12-31
346.	1166746	1986-02-28	393.	1266649	1986-01-15
347.	1169550	1986-03-15	394.	1266750	1986-01-15
348.	1169651	1986-02-28	395.	1266952	1986-01-15
349.	1174543	1985-03-31	396.	1267045	1986-01-15
350.	1188453	1985-05-31	397.	1267146	1986-01-15
351.	1199054	1985-05-31	398.	1268047	1986-01-31
352.	1210319	1985-12-15	399.	1268249	1986-01-31
353.	1231832	1985-09-15	400.	1268350	1986-01-15
354.	1242534	1985-10-15	401.	1268552	1986-01-31
355.	1242635	1985-10-15	402.	1268956	1986-01-31
356.	1242736	1985-10-15	403.	1269554	1986-01-31
357.	1242837	1985-10-15	404.	1269655	1986-01-31
358.	1243839	1985-11-15	405.	1269958	1986-01-31
359.	1248243	1985-11-30	406.	1270438	1986-01-31
360.	1249750	1985-11-30	407.	1270640	1986-01-31
361.	1250230	1985-11-15	408.	1270741	1986-01-31
362.	1251525	1985-11-30	409.	1270842	1986-01-31
363.	1252739	1985-11-30	410.	1270943	1986-01-31
364.	1254238	1985-12-15	411.	1271440	1986-01-31
365.	1254844	1985-12-15	412.	1271541	1986-01-31
366.	1256747	1985-12-15	413.	1271642	1986-01-31
367.	1256848	1985-12-15	414.	1271844	1986-01-31
368.	1257547	1985-12-31	415.	1271945	1986-01-31
369.	1257749	1985-12-31	416.	1272038	1986-01-31
370.	1257850	1985-12-31	417.	1272139	1986-01-31
371.	1258145	1985-12-31	418.	1275448	1986-02-15
372.	1258347	1985-12-31	419.	1275650	1986-02-15
373.	1258448	1985-12-31	420.	1275751	1986-02-15
374.	1260839	1985-12-31	421.	1275852	1986-03-15
375.	1261134	1985-12-31	422.	1276046	1986-02-15
376.	1261336	1985-12-31	423.	1277856	1986-04-15
377.	1262338	1985-12-31	424.	1282445	1986-02-28
378.	1262540	1986-01-15	425.	1282546	1986-02-28
379.	1263037	1986-01-15	426.	1283851	1986-02-28
380.	1263441	1986-03-15			
381.	1263542	1986-01-15			

का.आ. 495:—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विहन) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 81 लाइसेंसों के म्योरे दिये गये हैं वे लाइसेंसधारी को मानक मुहर लगाने का अधिकार देते हुए अक्टूबर, 1982 में स्वीकृत किए गए हैं।

## अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल-)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन यस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सी एम/एल-1121926 1982-10-01	82-10-01	83-09-30	परफेक्ट इंजीनियरिंग कम्पनी, 67-महिला कालोनी, गांधी नगर, दिल्ली-110031	द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त दो बर्नरों वाले धरेलू चूल्हे- IS: 4246-1978
2.	सी एम/एल-1122019 1982-10-01	82-10-01	83-09-30	मैसीवस पाइप फिटिंग इंडस्ट्रीज, 307, सूरज कुंड, अपोजिट सरस्वती मंदिर, मेरठ (उ.प्र.)	आघातवर्धक डनबां मोहा की पाइप फिटिंग : (1) समान और लघुकारी एलबो (2) 3/4 साइज तक की साकेट और टी IS: 1879(भाग 1 से 10) 1975
3.	सी एम/एल-1122120 1982-10-01	82-10-01	83-09-30	हिन्दुस्तान विनायल केमिकल इंडस्ट्रीज, जे. एल. एन. उद्योगपुरी, उदयपुर-जोधपुर लिंक रोड, व्यावर.	पेय जल-पूर्ति के लिए अनम्यकृत पीपीसी पाइप श्रेणी 3 आकार 40 से 100 मिमी- IS: 4985-1981
4.	सी एम/एल-1122221 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	तिरुपुर टेक्स्टाइल्स प्राइवेट लि., (यूनिट सं. 3) नं. 15, बेलपालायम विलेज, अनुप्पारापल्लयम तिरुपुर	होजरी के लिए धूरे रंग का सूती घागा काउन्ट 60 एस कम्बड IS: 834-1975
5.	सी एम/एल-1122322 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	पी. जी. कार्पोरेशन, 12-ए, श्रीराम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कावक रोड, बडाला, बंबई-400031 (कार्यालय : 140/5, जसवंत निवास, सीयान (वेस्ट) कमरा सं. 24, बम्बई-22)	द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त दो बर्नरों वाले धरेलू चूल्हे- IS: 4246-1978
6.	सी एम/एल-1122423 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	मालव कृषि उद्योग प्लांट, सं. 17-बी, इंडस्ट्रियल इस्टेट, रतलाम-457001	बांतेदार सिलिंडर टाइप के ढकी नाल द्वारा भरण प्रणाली वाले पावर धौनरों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं, रेटिंग 2.24 किवा से 7.45 किवा- IS: 9020-1979
7.	सी एम/एल-1122524 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	बिष्णु केबल इंडस्ट्रीज, एफ-77, इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाड़ी, जिला अलवर (राज.) (कार्यालय : 56, चांदनी चौक, दिल्ली-6)	वाह्य/निम्न ताप अवस्था में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर 1100 वोल्ट तक की कार्य-कारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम नालकों वाले पालिगथाइलीन रोधित केबल - IS: 1596-1977
8.	सी एम/एल-1122625 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	महाबोर स्टील रोलिंग मिल्स, 658 कबूल नगर जी. टी. रोड., ग्राहवरा, दिल्ली-110032 (कार्यालय : 32 हनुमान रोड, नई दिल्ली)	दरवाजों, बिड़कियों और रोशनदानों के लिए तप्त बेलित इस्पात के सेक्शन (एफ 7 बी सेक्शन) IS: 7452-1974)
9.	सी एम/एल-1122726 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	अग्रवाल इलेक्ट्रिकल्स, डी-46/1, एम. आई. डी. सी., एरिया, जलगांव	वाह्य/निम्न ताप अवस्था में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर 1100 वोल्ट तक की कार्य-कारी वोल्टता के लिए तांबा नालकों वाले पीपीसी रोधित बिजली के अनावरित केबल- IS: 694-1977
10.	सी एम/एल-1122827 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	साबरी फाउंड्री, मेटलप्लायम रोड, श्री अन्नानीलिंगम हौम साईस कासेज, डाकघर कोयम्बटूर-641043	कृषि प्रयोग के लिए अपकेन्द्री पम्पों की/के लिए 3.7 किलोवाट और, श्रेणी शोधन तीन फेजी स्क्रिबल केज प्रेरण-मोटर्स : IS: 7538-1975

1	2	3	4	5	6
11.	सी एम/एल-1122928 1982-10-01	82-10-16	82-10-15	वी जैम इंडस्ट्रीज, नावा इंडिया रोड, कृष्णार्थपुरम पोस्ट, कोयम्बटूर-641006	4.5 वोल्ट, श्रेणी 3 एसी के लिए एच आर सी फ्यूज लिंक : (क) 32 तक /टाइप एन ए (ख) 32 से 63 तक/टाइप डी ए और डी बी- IS: 2208-1962
12.	सी एम/एल-1123021 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	वेल्डेक्स (प्रा.) लि., वी-186,187 और 188 पोन्वा इंडस्ट्रियल इस्टेट, II स्टेज, बंगलोर-560048	संरचना इस्पात के धातु आर्क वेल्डन के लिए आवृत्त इलेक्ट्रोड (चादरों को छोड़ कर अन्य उत्पादों की वेल्डिंग के लिए) ब्रांड कोड (1) स्टीलेक्स 6012 ई 313411 (2) स्टीलेक्स 6013 ई 313412 (3) स्टीलेक्स 6013 ई 313412 अतिरिक्त IS: 418 (भाग 1)- 1974
13.	सी एम/एल-1123122 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	बृन्दावन कंडक्टर प्रा. लि., 131 बेलगोला, इंडस्ट्रियल इस्टेट, के. आर. एस. रोड, मेट्टागली, मैसूर- 570016	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलुमिनियम के लड़दार चालक - IS: 398 (भाग-1)-1976
14.	सी एम/एल-1123223 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	" "	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिये एलुमिनियम के जस्तीकृत इस्पात प्रबलित चालक IS: 398 (भाग 2)- 1976
15.	सी एम/एल-1123324 1982-10-06	82-10-06	83-10-15	नारको इंडस्ट्रीज, 272, वाग कड़े खां, दिल्ली-110007	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम चालकों वाले कवचित तथा अकवचित पीवीसी रोधित केबल वाह्य/निम्न ताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों सहित- IS: 694-1977
16.	सी एम/एल-1123425 1982-10-06	82-10-01	83-09-30	हीरा केबल वर्क्स (यूनिट आफ आईडीसी आफ उड़ीसा लि.) डाकघर हीराकुंड जिला सम्बलपुर (उड़ीसा)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए लड़दार एलुमिनियम चालक- IS: 398 (भाग 1)- 1976
17.	सी एम/एल-1123526 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	वी एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि., डाकघर हीराकुंड- 768010, जिला सम्बलपुर (उड़ीसा)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए लड़दार एलुमिनियम चालक- IS: 398 (भाग 1)-1976
18.	सी एम/एल-1123627 1982-10-07	82-10-01	84-09-30	लार्सर्विन एलायंस प्रा. लि., लक्स-1, इंडस्ट्रियल इस्टेट, सनाथनगर, हैदराबाद- 500018 (आ. प्र.)	33.3 लीटर पानी की समाई वाले एल. पी. जी. सिलिंडर- IS: 3196-1974
19.	सी एम/एल-1123728 1982-10-06	82-10-01	83-09-30	शक्तिमान इंडस्ट्रीज, डी-3/4 इंडस्ट्रियल इस्टेट, रत्नलाम- 457001 (म. प्र.)	दातेदार सिलिंडर टाइप के डको नाल द्वारा भरण प्रणाली वाले पावर श्रृंखरों के लिए सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं रेटिंग 2.24 किवा से 7.46 किवा- IS: 9020-1979
20.	सी एम/एल-1123829 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	असोसिएटिड अरोमैटिक्स, 7, तात्याटोपे मार्ग, माधोनगर, उज्जैन- 456001	औद्योगिक प्रयोजनों के लिए संश्लिष्ट प्रक्षालक, टाइप 3- IS: 4956-1977
21.	सी एम/एल- 1123930 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	ज्वाय कूड प्राइवेट, आर एस सं. 447/2ए, प्लॉट सं. 6, 7, और 8 एक्सटेंशन, गादग 582101 (कर्नाटक)	ग्लूकोज और कीम बिस्कुट- IS: 1011-1981

1	2	3	4	5	6															
22.	सी एम/एल-11240 23 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	दी पैरियार डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव स्पनिंग मिलज लि., कोलाटुपलयम विलेज, धारापुरम्-638656 (तमिलनाडू)	निम्नलिखित काउन्ट और ग्रेडों का भूरे रंग का सूती धागा :  <table><tr><th>काउन्ट</th><th>ग्रेड</th><th>धुना हुआ अथवा कॉम्ब्ड</th></tr><tr><td>34 एस</td><td>ए</td><td>धुना हुआ</td></tr><tr><td>40 एस</td><td>ए</td><td>धुना हुआ</td></tr><tr><td>60 एस</td><td>बी</td><td>धुना आ</td></tr><tr><td>80 एस</td><td>बी</td><td>धुना हुआ</td></tr></table> IS : 171--1973	काउन्ट	ग्रेड	धुना हुआ अथवा कॉम्ब्ड	34 एस	ए	धुना हुआ	40 एस	ए	धुना हुआ	60 एस	बी	धुना आ	80 एस	बी	धुना हुआ
काउन्ट	ग्रेड	धुना हुआ अथवा कॉम्ब्ड																		
34 एस	ए	धुना हुआ																		
40 एस	ए	धुना हुआ																		
60 एस	बी	धुना आ																		
80 एस	बी	धुना हुआ																		
23.	सी एम/एल-11241 24 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	वैस्टर्न इंडिया पेन्ट एण्ड कं. प्रा. लि., 33, मेन रोड, बेलाचेरी, मद्रास-600042 (त. ना.) कार्यालय : मुरुगंज रोड टी. नगर, मद्रास-600017 (तमिलनाडु)	दोहरे डिब्बों में सामान्य प्रयोजनों के लिए एलुमीनियम का रोगन — IS : 2339--1963															
24.	सी एम/एल-11242 25 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	” ”	ब्रश से करने का मिला-मिलाया काला रोगन, सीसा रहित अम्ल, क्षार व ऊष्मा रोधी IS : 158--1981															
25.	सी एम/एल-11243 26 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	गोआ सुपर इलैक्ट्रोडस प्रा. लि., एस ए-10 सांकोल इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुआरी नगर, गोआ-403726	संरचना इस्पात की धातुआर्क वैल्डन के लिए आवृत्त इलैक्ट्रोड केवल चद्रों की वैल्डिंग के लिए <table><tr><th>ब्रांड</th><th>कोड</th></tr><tr><td>सुपर राँड I और II</td><td>ई-307</td></tr></table> IS : 814 (भाग 2)--1974	ब्रांड	कोड	सुपर राँड I और II	ई-307											
ब्रांड	कोड																			
सुपर राँड I और II	ई-307																			
26.	सी एम/एल-11244 27 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	विकांत कमिको इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., 49 इंडस्ट्रियल इस्टेट, कानपुर-208012	रोगाणुनाशी काला द्रव— श्रेणी 'ए' ग्रेड 2 टाइप : नारमल— IS : 2834--1964															
27.	सी एम/एल-11246 29 1982-10-08	82-10-16	83-10-15	काँजको डीजल इंजन्स, फाउन्डी नगर, हाथरस रोड, आगरा-282006 (उ.प्र.)	निम्नलिखित प्रकार के उर्ध्व एक सिलिंडर चार स्ट्रोक वाले जलशीतित डीजल इंजन : <table><tr><th>क्रम सं.</th><th>निर्गत</th><th>चक्कर प्रति मिनट</th></tr><tr><td>1.</td><td>5.89 कि. वा. (8 बी एच पी)</td><td>1600</td></tr><tr><td>2.</td><td>(3.68 कि. वा.) (5 बी एच पी)</td><td>1500</td></tr></table> नियमन श्रेणी एस एफ सी <table><tr><td>“बी”</td><td>255 ग्राम/कि. वा.</td><td>घंटा</td></tr><tr><td>“बी”</td><td>255 ग्राम/कि. वा.</td><td>घंटा</td></tr></table> IS : 1601-1981	क्रम सं.	निर्गत	चक्कर प्रति मिनट	1.	5.89 कि. वा. (8 बी एच पी)	1600	2.	(3.68 कि. वा.) (5 बी एच पी)	1500	“बी”	255 ग्राम/कि. वा.	घंटा	“बी”	255 ग्राम/कि. वा.	घंटा
क्रम सं.	निर्गत	चक्कर प्रति मिनट																		
1.	5.89 कि. वा. (8 बी एच पी)	1600																		
2.	(3.68 कि. वा.) (5 बी एच पी)	1500																		
“बी”	255 ग्राम/कि. वा.	घंटा																		
“बी”	255 ग्राम/कि. वा.	घंटा																		
28.	सी एम/एल-11245 28 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	आर.सी. इलैक्ट्रॉनिक्स लि., 45, मेटलगर्ली, के. आर. एस. रोड, मैसूर (कार्यालय : दी बंगलोर पैलेस कम्पाउण्ड पोस्ट बाक्स 183, बंगलोर-560052)	पावर प्रणाली में तापक्रम श्रेणी 50° सेमी स्वयं तापमान प्रकार 4 कै बी ए आर 415 वोल्टता 50 एच जैड के लिए पार्श्व संघारित IS : 2834--1964															

1	2	3	4	5	6
29. सी एम/एल-11247 30 1982-10-08	82-10-16	83-10-15	हिमाचलन पैस्टीमोइड एण्ड केमिकल्स, 1, 13, 20 और 24 इंडस्ट्रियल इस्टेट, बडोलीवाला, जिला सोनन, हिमाचल प्रदेश (कार्यालय : 107-117, सैक्टर 17-बी, चंडीगढ़)	मैपाथीयान, तकनीकी— IS : 1832-1978	
30. सी एम/एल-11248 31 1982-10-11	82-10-16	83-10-15	नीग्रो प्लेस सिस्टम्स, 35, ए. गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल इस्टेट, चारकोप, कैडीबली (वैस्ट), बम्बई-400067 (कार्यालय : 12, शामभाट स्ट्रीट, बम्बई-2)	द्व्योक्तन पैट्रोलीयम गैस से प्रयुक्त दो बर्तनों वाले धरेलू बूल्हे— IS : 4246-1978	
31. सी एम/एल-1129 32 1982-10-11	82-11-01	83-10-31	डी इंडियन लिक् चैन मैयुफैक्चरिंग लि., लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडूप, बम्बई-400078	खानों में उपयोगी चैन, संवाहकों कोयला कुचालों के लिए अंशकित उच्च तनन इस्पात चैन (गोल कड़ी वाली), बी और सी ग्रेड IS : 3948-1981	
32. सी एम/ए-11250 25 1982-10-13	82-10-16	83-10-15	राज केमोप्लास्ट इंडस्ट्रीज, ई-8, एम आई डी बी, अमरावती रोड, नागपुर (कार्यालय : पापुलर मार्केट, गांधी बाग, नागपुर).	पेय जल प्रति के लिए अनम्यकृत पी बी सी पाइप 4 किया बल/सेमी 2 की 110 मिमी साइज तक के IS : 4985-1981	
33. सी एम/एल-11251 26 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	लूणि इंटरप्राइजेज, महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरा तल, यूनिट सं. 15 ड्रेनेज नैनल रोड, गांधी नगर लोवर परेल, बम्बई-400013 (कार्यालय : रोक्सी पैम्बर्स, न्यू स्क्वायर रोड बम्बई-400004)	पिटवां एलुमीनियम के वर्तन, ग्रेड 19000— IS : 1660-1967	
34. सी एम/एल-11252 27 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	राज आयरन फाउन्ड्री, मुस्तानगंज, आगरा-282004 (म.प्र.)		
35. सी एम/एल-11253 28 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	विमाल मैसीबल लि., 85/2, जी. आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, मंकलेश्वर-393002, जिला मंडी	आघातवर्धक क्लवां लोहा की पाइप फिटिंग— साइज नाम 2 की एलबी— IS : 1879 (भाग 2)-1975	
36. सी एम/एल-11254 29 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	"	आघातवर्धक क्लवां लोहा की पाइप फिटिंगें— साइज नाम 2 डी बी-1 IS : 1879 (भाग 3)-1975	
37. सी एम/एल-11255 30 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	हुमाव इंडस्ट्रीज, आगरा-बम्बई रोड, मिपड़ा, देवास	स्वल्प निलम्बन के लिए पत्ती कमानियां— IS : 1135-1973	
38. सी एम/एल-11256 31 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	फार्मको केमिकल्स (इंडिया) प्रा. लि., 103 और 104, तीसरा मेन रोड, पीन्या इंडस्ट्रियल एरिया, सेकिड स्टेज, बंगलोर कार्यालय : 3/11 कावेरीयाप्पा ले आउट (मिलर्ज टैंक बंद रोड, बंगलोर)	1. जय अपचायक अधिमिश्रण (कम्प्लैस्ट 211,337)* 2. त्वरण अधिमिश्रण (कम्प्लैस्ट एन सी)* 3. वायु समाविष्ट अधिमिश्रण (कम्प्लैस्ट एई 21)* 4. मदन अधिमिश्रण (कम्प्लैस्ट आर पी 264)* *केवल व्यवसाय नामों को बताता है। IS : 9103-1979	
39. सी एम/एल-11257 32 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	एम. के इंजीनियरिंग कं. मुरादाबाद रोड, चंदौसी-202412	पानी, गैस और मलजल के लिए श्रेतिज ठले लोहे के दो कोरों वाले पाइप, श्रेणी ए— IS : 7181-1974	



1	2	3	4	5	6
40. सी एम/एल-11258 33 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	स्टील इंगेट्स लि., हुकमाखेड़ा, राजेन्द्र नगर, इंदौर (म. प्र.) (कार्यालय : त्रिवेदी नैम्बर्स, 2 महाराजी रोड, इंदौर (म. प्र.))	संरचना इस्पात (सातक किस्म)  IS : 226—1975	
41. सी एम/एल-11259 34 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	स्टील इंगेट्स प्रा. लि., हुकमाखेड़ी, राजेन्द्र नगर, इंदौर (म. प्र.) (कार्यालय : त्रिवेदी नैम्बर्स, 2 महाराजी, रोड इंदौर (म. प्र.))	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)  IS : 1977—1975	
42. सी एम/एल-11260 27 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	प्रकाश पन्थर्गाजग मिल्स, 1, ग्रोन्ड इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर-301003 (राजस्थान)	डी डी टी, डलन वर्ण—  IS : 564—1975	
43. सी एम/एल-11261 28 1982-10-19	82-11-01	83-10-31	मार्टिंगर वूड क्रफ्ट, डाकघर—मार्टिंगर, जिला दार्जिलिंग	प्लार्डवुड की चाब की बेटियों के बैनल—  IS : 10 (भाग 2)—1976	
44. सी एम/एल-11262 29 1982-10-19	82-11-01	83-01-31	आर. के. अथवाय एण्ड कं., 1, मित्रला मनघड़ा रोड, एक्स्पोजन, डाकघर— प्रवासनगर रिसर्ग, जिला-हुगली- 712201 (कार्यालय 104, काटन स्ट्रीट-700004)	प्लार्डवुड की चाब की बेटियों पर धातु की फिटिंग—  IS : 10 (भाग 4)—1976	
45. सी एम/एल-11268 30 1982-10-19	82-11-01	83-10-31	श्री कृष्ण रियोलिंग मिल्स, 37, इंडस्ट्रियल एरिया, माटवाड़ा, जयपुर-302012	संरचना इस्पात (सातक किस्म)  IS : 226—1975	
46. सी एम/एल-11264 31 1982-10-21	82-11-01	83-10-31	रजनीकान्त फाउन्डेशन, एस एफ 179, विन्सकिनार राड, जी. एन. मिल्स पोस्ट, कायम्बटूर-29 (कार्यालय : 6 बी पोस्ट क्रॉफिस रोड, कृष्णा स्वामी नगर, कायम्बटूर-641018)	भूरे रंग के लोहे की इलाइयां ग्रेड एफ की 260 तक  IS : 210—1978	
47. सी एम/एल-11265 32 1982-10-21	82-11-01	83-10-31	राजस्थान इजिन एण्ड पम्पस इंडस्ट्रीज, एफ-60 आर आई एस डी सी इंडस्ट्रियल, एरिया, भरतपुर (राजस्थान)  निर्गत गति तक मि.	निम्नलिखित रेटियों के ऊर्ध्व, एक बिलिडर के चार स्ट्रोक वाले जल सीलित डीजल इंजन  निबन्धन श्रेणी एक एक की	
			6.5 एच पी 1500	बी 269.4 बाय/किबा पंटा  IS : 1601—1960	
48. सी एम/एल-11266 33 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	हरियाणा केमिकल्स एंड, पेस्टिसाइड्स, टी/6 इंडस्ट्रियल एरिया, बहुरुरगढ़, (हरियाणा) कार्यालय : 4/5-बी, सखदेवा मैदान, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002	मैलाबिधान, पायबनीज सांद्र-50%  IS : 2667—1978	
49. सी एम/एल-11267 34 1982-10-22	82-10-16	83-10-15	श्री शंकर इंडस्ट्रीज, 310, नया कबाड़ खाना, बेरागिया रोड, भोपाल (म. प्र.) (कार्यालय : 40, हमिदिया रोड, भोपाल-462001) (म. प्र.)	दातेदार बिलिडर टाइप के डकी ताल द्वारा भरण प्रणाली वाले पावर धौलरों की सामान्य जोर बुरखा प्रवेक्षण, रेटिव 3.7 किबा से 7.5 किबा तक (5 अंश से 10 अंश)  IS : 9020—1979	
50. सी एम/एल-11268 35 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	भरत निटर्स, 6/4, गंगा नगर, फर्स्ट स्ट्रीट, तिरुपुर 638602 (त. त. त.)	निर्वाह करने के सुती धागे (बिरजिल स्फेड) किस्म म. 5  IS : 1740—1978	

1	2	3	4	5	6
51. सी एम/एल-11269 36 1983-10-21	82-11-01	83-10-31	कबल कंडक्टर प्राइवेट लि., 16-17, इबिरा गांधी इंडस्ट्रियल एरिया, सजमेर रोड, ब्यावर—305901 (राजस्थान)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलुमि- नियम के जस्तीकृत इस्पात प्रबलित चालक— IS 398 (भाग 2)—1976	
52. सी एम/एल-11270 29 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	शंकर केमिकल इंडस्ट्रीज, के-3, एल आई डेपॉसिओ इंडस्ट्रियल इस्टेट कोनम, नागरकोइल,—629002 (त. ना.) (कार्यालय 58/सी, बल्लार नगर, सेंट हिन्दु कॉलेज के पीछे, नागरकोइल—629002, तमिलनाडु)	सिस्टिका जल, टाइप नॉर्मल— IS : 3401-1979	
53. सी एम/एल-11271 30 1992-10-22	81-11-01	83-10-31	बपुर इंज. वर्क्स, बी-6 और बी 41, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-7, नई दिल्ली—110064	द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त दो बर्नरों वाले बरेल्यू चूल्हे --  IS : 4246—1978	
54. सी एम/एल-11272 31 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	ग्रान्डले इलेक्ट्रिकल्स, 426/428, डाका धोरपुर, निरकारी कालोनी, किंगडो कैम्प, दिल्ली— (कार्यालय 3/4 आसक श्री रोड, नई दिल्ली-110002)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलुमि- नियम के जस्तीकृत इस्पात प्रबलित चालक IS : 398 (भाग 2)—1976	
55. सी एम/एल-11273 32 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	विजय कैबल्स इंडस्ट्रीज, 8-बी, 9 बी, सेक्टर 1, एम ओ आई डी ए, जिला गजियाबाद, (कार्यालय 31, गोलडन प्लेस, कम्प्यूनिटी सेक्टर, अशोक विहार, दिल्ली-110052)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम के चालकों वाले पी बी सी रोधित खोलदार और खोल रहित केबल, बहिरंग अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों सहित और अल्पताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़ कर-- IS : 694—1977	
56. सी एम/एल-11274 33 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	एलुमिनियम केबल इंडस्ट्रीज, बसई रोड, ग्राम और डाक घर बसई, गुडगांव (हरियाणा)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम चालकों वाले कवचित तथा अकवचित पी बी सी रोधित केबल वाह्य निम्न ताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर-- IS : 694—1977	
57. सी एम/एल-11275 34 1982-10-22	82-10-01	83-09-30	मोहता एंड हैकेल लि., छापोली, जिला रायगढ़, (एडारान्ट)	खानों में वाइडिंग और सवारी हवाई के लिए इस्पात के तार के रस्से-- IS : 1855—1977	
58. सी एम/एल-11276 35 1982-10-22	82-07-01	83-06-30	जे. के. स्टील, रिजरा, हुगली (प. नं.)	हुलाई कार्य के लिए इस्पात के तार रस्से - IS : 1856—1977	
59. सी एम/एल-11277 36 1982-10-22	83-11-01	83-10-31	मदन इंजी. डल प्राइवेट, बी-26, श्रीखला इंड. इस्टेट, दिल्ली-110020	डोर क्लोजर (द्रव्यगत) साईज केबल-2 IS : 3554—1975	
60. सी एम/एल-11278 37 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	देवरा-पुकेवतकोन मैनु. के. प्रा. लि., 17-18, पोखोयाउन्ड, हन्दीर	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलु- मिनियम के लइदार चालक IS : 398 (भाग 1)—1976	
61. सी एम/एल-11279 28 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	मापर केबल्स एण्ड कंडक्टर, 18, आई. जी. थार; इंडस्ट्रियल इस्टेट, सजमेर रोड, ब्यावर-305901 (ब्यावर)	शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलुमि- नियम के जस्तीकृत इस्पात प्रबलित चालक IS : 398 (भाग 2)—1976	
62. सी एम/एल-11280 31 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	हिमाचल इंडस्ट्रीज, पावर हाउस रोड, खोल्ता (हिमाचल प्रदेश)—173212	एलुमिनियम चालकों वाले पी बी सी रोधित खोलदार और खोल रहित केबल, अल्प ताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों सहित और बाहिरंग अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर-- IS : 694—1977	

1	2	3	4	5	6
63. सी.एम./एल-11231 32 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	गुरु इलेक्ट्रो केबल, को-347, पॉलिवा इंड. इस्टेट-बंगलौर-560058	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता वाले एलुमिनियम के चालकों वाले पा. वी. सी. रोधित डोलफार और खोलरहित केबल तथा तांबा चालकों वाले खोलरहित केबल, बहिरंग/अल्पताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर— IS: 694—1977	
64. सी.एम./एल-11232 33 1982-10-23	82-11-16	83-11-15	डी. कोरन्जुर इज प्रोडक्ट्स, 125, मेट्टू- पावनाय रोड, कोयम्बतूर-641043	कृषि प्रयोग के लिए अफकेन्द्र पम्पों के लिए 3.7 किलोवाट और "ए" श्रेणी रोधन तीन फेजों स्विचरल केज प्रेरण मोटरें : IS: 7533—1975	
65. सी.एम./एल-11233 34 1982-10-23	82-11-16	83-11-15	भारत फाउन्ड्री, अमानकुलम रोड, पम्पानाई- केना पल्लम, कोयम्बतूर-641037	कृषि प्रयोग के अफकेन्द्र पम्पों के लिए तीन फेजों स्विचरल केज प्रेरण मोटरें, विजली निर्गत 5.5 कि. वा. तक, श्रेणी ई रोधन, IS: 7533—1975	
66. सी.एम./एल-11234 35 1982-10-23	82-11-16	83-11-15	अशोक इंडस्ट्रिज, जयपुरिया टेक्स्टाइल कम्पाउंड, ओटावाड़ा, जयपुर-302017	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए तांबा चालकों वाले पा. वी. सी. रोधित (भारी काम) विजली के केबलित और अकवचित केबल, अल्पताप अवस्थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़ कर— IS: 1554 (भाग 1)—1976	
67. सी.एम./एल-11235 36 1982-10-23	82-11-16	83-11-15	वोरेन मैन्वु कं. (केबल) प्रा. लि., 10, आनन्द इंडस्ट्रियल इस्टेट, मोहन नगर, ताजिदाबाद (उ.प्र.) (कार्यालय: 7, दरियागंज, नई दिल्ली 110002)	हुवाक मोटरों के लिए पा. वी. सी. के टाइप 2 विद्युत् रोधन वाले वाईडिंग तार— IS: 8783—1973	
68. सी.एम./एल-11236 37 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	पायनियर मेटल इंडस्ट्रिज, सी-4 और सी-5, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डाकघर झारसुडुडा- 768205 (उड़ीसा)	विरोधित प्रेरण प्रयोजनों के लिए एलुमिनियम के जस्तोक्त इस्पात प्रवर्धित चालक— IS: 398 (भाग 2)—1976	
69. सी.एम./एल-11237 38 1982-10-25	82-11-16	83-11-15	मोराखी होरमान स्मिथ प्रा. लि., आनन्द निवास्त, 1/110, डा. इ. मॉसेज रोड, बोली, बंबई-400018	छोटे ए.सी. एयर ब्रेक सर्किट ब्रेकर, 415 वी., 30 ए. तक, सेवा संवर्ध-एम 3 IS: 8828—1973	
70. सी.एम./एल-11238 39 1982-10-25	82-11-16	83-11-15	मोराखी होरमान स्मिथ प्रा. लि., 2, डी. ए., एन. आई. डी. सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, अजमेर-435001	" " "	
71. सी.एम./एल-11239 40 1982-10-29	82-11-01	83-10-31	फरीदाबाद घाटो इंडस्ट्रिज प्रा. लि., प्लॉट सं. 63, सेक्टर-8, फरीदाबाद- 121006 (हरियाणा)	द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त दो बर्नरों वाले घरेलू चूल्हे — IS: 4246—1973	
72. सी.एम./एल-11290 33 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	ऊमा रेजिस्टापर कार्पो. इंडिया (पी) लि., 11/2, दिल्ली-मथुरा रोड, फरीदाबाद- 121003 (हरियाणा) (कार्यालय: जीवन तारा, 5, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1)	पेयजल पूति के लिए अनुम्यक्त पा. वी. सी. पाइप- श्रेणी 2 साईज 125 मिमी से 315 मिमी तक, श्रेणी 3 साईज 125 मिमी से 180 मिमी तक IS: 4935—1981	
73. सी.एम./एल-11291 34 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	अशोक मैन्वु एंड सप्लायर्स, 100, जी. टी. रोड (वेस्ट) रियासा, (हुगली) (पं. बं.) (कार्यालय: 1, मेन्नों लेन, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-700001) (पं. बं.)	407 ग्रा/मी०, 935X93 त्रिखली कपड़े से निर्मित उर्वरक बस्ती के लिए पटसन के परतदार बोरे— IS: 7406 (भाग 1)—1974	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. CM/L-11220 19 1982-10-01	82-10-01	83-09-30	Malleable Pipe Fitting Industries 307, Suraj Kund, Opposite Sa- raswati Mandir, Meerut (U.P.)	Malleable Cast Iron pipes fittings (i) Equal & reducing elbow ; (ii) Sockets & tea upto size designation 3/4- IS:1879 (Pt 1 to X)—1975.	
3. CM/L-11221 20 1982-10-01	82-10-01	83-09-30	Hindustan Vinyal & Chemical Industries, J.L.N. Udyogpuri, Udaipur-Jodhpur Link Road, Beawar	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies class 3 sizes 40 to 110 mm -- IS:4985-1981	
4. CM/L-11222 21 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Tirupur Textiles Pvt. Ltd. (Unit No. 3), No. 15, Velmpalayam Village, Annupparapalayam, Tirupur.	Cotton yarn grey for hosiery, count 60s combed IS:834-1975	
5. CM/L-11223 22 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	P.G. Corporation, 12-A, Shreeram Industrial Estate, Katrak Road Wadalia, Bombay-400031 [Off:140/5 Jaswant Niwas, Sion (West) Room No. 24, Bombay-22].	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with double burners -- IS:4246-1978	
6. CM/L-11224 23 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Malaw Krishi Udyog, Plot No. 17-B Industrial Estate. Rat- lam-457001	General & Safety requirements for power thresher, spike tooth cylinder type with feeding system covered chute rating 2.24 kw to 7.46 kw -- IS : 9020—1979	
7. CM/L-11225 24 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Vidyut Cables Industries, F-77, Indl Area, Bhiwadi, Distt Al- war (Rajasthan) (Off: 56, Chan- dani Chowk, Delhi-110006.)	Polyethylene insulated cables with alumium conductors for working voltages upto and including 1100 volts ex- cluding cables for use under outdoor low temperature con- ditions— IS:1596-1977	
8. CM/L-11226 25 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Mahabir Steel Rolling Mills, 658 Kabool Nagar, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110032 (Off. 32 Hanuman Road, New Delhi.	Hot rolled steel Section for doors, windows and ventilators (F7B Section)— IS:7452-1974	
9. CM/L-11227 26 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Agarwal Electricals, D-46/1, M.I.D.C. Area, Jalgaon	PVC insulated unsheathed cables with copper conductors for working voltages upto 1100 volts excluding cables for use under outdoor/low tempera- ture conditions— IS : 694-1977	
10. CM/L-11228 27 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Sabari Foundry, Mettupalayam Road, Sri Avanashilingam, Home Science College, P. O. Coimbatore -641043	Three phase squirrel cage in- duction motors for centri- fugal pumps for agricultural applications having power upto and including 3.7 kw and class A insulation -- IS:7538—1975.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)							
11. CM/L-11229 28 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	The GEM Industries, Nava Indian Road, Krishnarayapuram Post, Coimbatore -641006	HRC fuse links for 415 V, Class 3 ac : (a) Type N.A. upto and including 32 A (b) Type DA & DB from 32 A upto and including 63A— IS:2208-1962								
12. CM/L-11230 21 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Weldex (Pvt) Ltd, B-186, 187 & 188, Pecnya Indl. Estate, II Stage, Bangalore -560048	Covered electrodes for metal arc welding structural steel (for welding products other than sheets) <table><tr><th>Brand</th><th>Code</th></tr><tr><td>(i) Rutilex 6012</td><td>E 313411</td></tr><tr><td>(ii) Rutilex 6013</td><td>E 313412</td></tr><tr><td>(iii) Rutilex 6013 Extra</td><td>E 313412</td></tr></table> IS:814(Pt I)—1974	Brand	Code	(i) Rutilex 6012	E 313411	(ii) Rutilex 6013	E 313412	(iii) Rutilex 6013 Extra	E 313412
Brand	Code											
(i) Rutilex 6012	E 313411											
(ii) Rutilex 6013	E 313412											
(iii) Rutilex 6013 Extra	E 313412											
13. CM/L-11231 22 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	Brindavan Conductors Pvt. Ltd. 131, Belagola Indl. Estate, K.R.S. Road, Mettagalli, Mysore—570016	Aluminium sanded conductors for overhead transmission purposes— IS:398(Pt I)—1976								
14. CM/L-11232 23 1982-10-01	82-10-16	83-10-15	-do-	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398(Pt II)—1976								
15. CM/L-11233 24 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	Norce Industries, 272, Bagh Kare Khan, Delhi-110007	PVC insulated, sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts including cables for use under outdoor/low temperture conditions. IS : 694—1977								
16. CM/L-11234 25 1982-10-06	82-10-01	83-09-30	Hira Cable Works. (Unit of IDC of Orissa Ltd) P.O. Hirakud Distt. Sambalpur (Orissa).	Aluminium stranded conductors for overhead trasmission purposss — IS : 398(Pt I)—1976.								
17. CM/L-11235 26 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	The Aluminium Industries, Ltd. P.O. Hirakud—758016 Distt. Sambalpur (Orissa)	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes— IS:398 (Pt I)—1976								
18. CM/L-11236 27 1982-10-07	82-10-01	83-09-30	Larsvin Appliances Pvt. Ltd. LUX-I, Indl. Estate Sanathnagar, Hyderabad -500018 (A.P.)	LPG Cylinders of 33.3 litres water capacity— IS:3196—1974								
19. CM/L-11237 28 1982-10-06	82-10-01	83-09-30	Saktiman Industries, D-3/4 Indl. Estate, Ratlam -457001(M.P.)	General and safety requirements for power thresher, spike toot cylinder type with feeding system covered chute rating 2.24 kw to 7.46 kw— IS:9020—1979								

1	2	3	4	5	6														
20. CM/L-11238 29 1982-10-06	82-10-16	83-10-16	Associated Aromatics, 7, Tatya Tope Marg, Mado Nagar, Ujjain—456001	Synthetic detergents for industrial purposes, type—3, IS : 4956—1977															
21. CM/L-11239 30 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	Joy Food Products, R.S. No. 447/2, A, Plot No. 6, 7 and 8 Extn, Gadag—582101 (Karnataka)	Biscuits -Glucose & Cream variety. - IS : 1011—1981															
22. CM/L-11240 23 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	The Periyar Distt. Co-op. Spinning Mills Ltd., Kolathupalam Village, Dharampuram, Pin 638656 (T.N.)	Grey cotton yarn of the following counts and grades : <table><tr><td>Count</td><td>Grades</td><td>Carded or Combed</td></tr><tr><td>34s</td><td>A</td><td>Carded</td></tr><tr><td>40s</td><td>A</td><td>Carded</td></tr><tr><td>60s</td><td>B</td><td>Carded</td></tr><tr><td>80s</td><td>B</td><td>Carded</td></tr></table> IS:171—1973	Count	Grades	Carded or Combed	34s	A	Carded	40s	A	Carded	60s	B	Carded	80s	B	Carded
Count	Grades	Carded or Combed																	
34s	A	Carded																	
40s	A	Carded																	
60s	B	Carded																	
80s	B	Carded																	
23. CM/L-11241 24 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	Western India Paint & Colour Co. Pvt. Ltd. 33 Main Road, Valachery, Madras—600042 (TN) [Off : 1 Murugesan Rd. T. Nagar, Madras—600017 (TN)]	Aluminium paint for general purposes, in dual container— IS:2339—1963															
24. CM/L-11242 25 1982-10-06	82-10-16	83-10-15	Western Indian Paint & Colour Co. Pvt. Ltd., 33 Main Road, Valachery, Madras-600042(TN) [Off: 1 Murugesan Road, T. Nagar, Madras—600017(T.N.)]	Ready mixed paint, brushing bituminous, black lead free, acid alkali and heat resisting— IS : 158—1981															
25. CM/L-11243 26 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	Goa Super Electrodes Pvt Ltd., SA-10, Sancoale Indl. Estate, Surainagar, Goa—403726	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel welding sheets only <table><tr><td>Brand</td><td>Code</td></tr><tr><td>Super rod I &amp; II</td><td>E 307</td></tr></table> IS : 814 (Pt II)—1974	Brand	Code	Super rod I & II	E 307											
Brand	Code																		
Super rod I & II	E 307																		
26. CM/L-11244 27 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	Vikrant Chemico Industries (P) Ltd. 49 Industrial Estate, Kanpur —208021	Disinfectant fluid black Class A, Grade 2, Type : Normal— IS:1061—1975															
27. CM/L-11245 28 1982-10-07	82-10-16	83-10-15	Orr Cee Electronics Ltd, 45, Metalgalli, K.R.S. Road., Mysore (Off: The Bangalore Palace Compound, P.B. 183, Bangalore —560052)	Shunt capacitors for power system, 4 KVAR, 415 V. 50 HZ for temperature category 50°C, self heating type— IS:2834—1964.															

1	2	3	4	5	6																					
28.	CM/L-11246 29 1982-10-08	82-10-16	83-10-15	Kajeco Diesel Engines, Foundry Nagar, Hathras Road, Agra 282006(U.P.)	Vertical, single cylinder water cooled, four stroke, diesel engines of the following rating : <table><tr><th>Sl. No.</th><th>Output</th><th>Speed</th></tr><tr><td>1.</td><td>5.89 kw (8bhp)</td><td>1600</td></tr><tr><td>2.</td><td>3.68 kw (5 bhp)</td><td>1500</td></tr><tr><th colspan="2">Governing</th><th>SFC</th></tr><tr><td colspan="2">Class B</td><td>225g/kwh</td></tr><tr><td colspan="2">-do-</td><td>-do-</td></tr><tr><td colspan="3">IS : 1601—1981</td></tr></table>	Sl. No.	Output	Speed	1.	5.89 kw (8bhp)	1600	2.	3.68 kw (5 bhp)	1500	Governing		SFC	Class B		225g/kwh	-do-		-do-	IS : 1601—1981		
Sl. No.	Output	Speed																								
1.	5.89 kw (8bhp)	1600																								
2.	3.68 kw (5 bhp)	1500																								
Governing		SFC																								
Class B		225g/kwh																								
-do-		-do-																								
IS : 1601—1981																										
29.	CM/L-11247 30 1982-10-08	82-10-16	83-10-15	Himachal Pesticides & Chemicals, 12, 13, 20 & 24 Indl. Estate Barotiwala, Dist. Solan, Himachal Pradesh (Off: 107-117 Sector 17-B, Chandigarh).	Malathion, technical— IS : 1832-1972																					
30.	CM/L-11248 31 1982-10-11	82-10-16	83-10-15	Nee Flame System, 35-A, Govt. Indl. Estate, Charkop, Kandivli (W) Bombay—400067 (Off : 12 Shamshet Street, Bombay-2)	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with two burners— IS : 4246—1978																					
31.	CM/L-11249 32 1982-10-11	82-11-01	83-10-31	The Indian Link Chain Mfrs. Ltd. Lal Bahadur Shastri Marg, Bhandup, Bombay—400078	Calibrated high tensile steel chain (round link) for chain conveyors and coal ploughs used in mines, B & C grades— IS : 3948—1967																					
32.	CM/L-11250 25 1982-10-13	82-10-16	83-10-15	Raj Chemo Plast Inds. E-8, MID C Amraoti Road, Nagpur (Off Popular Market, Gandhibagh Nagpur)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies 4 kgf/cm <sup>2</sup> Sizes upto 110 mm— IS : 4985—1981																					
33.	CM/L-11251 26 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	Trupti Enterprises, Mahalaxmi Indl. Estate, 2nd floor, Unit No. 15, Drainage Channel Road, Gandhinagar Lower Parel, Bombay—400013 (Off : Roxy Chambers, New Queen's Road, Bombay—400004)	Wrought aluminium utensils, grade 19000— IS : 1660—1967																					
34.	CM/L-11252 27 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	Raj Iron Foundry, Sultanganj, Agra-282004 (U.P.)	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes fittings and accessories IS : 1729 -1979																					
35.	CM/L-11253 28 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	Vishal Malleable Ltd., 85/2, GIDC Indl. Area, Ankleshwar-393002, Distt Bharuch	Malleable cast iron pipe fittings Elbows upto and including size designation 2— IS : 1879 (Pt II)-1975																					
36.	CM/L-11254 29 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	-do-	Malleable cast iron pipe fittings Tees B-1 upto and including size designation 2— IS : 1879 (Pt III)-1975																					



1	2	3	4	5	6
37. CM/L-11255 30 1982-10-13	82-11-01	83-10-31	Dusad Industries Agra-Bombay Road, Kshipra, Dewas	Leaf springs for Automobile suspension— IS : 1135-1973	
38. CM/L-11256 31 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	Forsco Chemicals (India) Pvt. Ltd, 103 & 104, 3rd Main Road, Peenya Indl. Area, 2nd stage, Bangalore (Off: 3/11, Kaveriappa Layout Millers, Tank Bund Road, Bangalore)	1. Water reducing Admixture (Complast 211,337)* 2. Accelerating Admixture (Complast NC)* 3. Air Entraining Admixture (Complast AE 21)* 4. Retarding Admixture (Complast RP 264)*	
*Refer to trade designations only. IS : 9103-1979					
39. CM/L-11257 32 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	M.K. Engineering Co., Mora- dabad Road, Chandausi- 202412	Horizontally cast iron double flanged pipes for water, gas and sewage Class 'A'— IS : 7181-1974	
40. CM/L-11258 33 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	Steel Ingots Pvt. Ltd., Hukama- khedi, Rajendra Nagar (S) Indore (M.P.) [Off : Trivedi Chambers, 2 Maharani Road, Indore (M.P.)]	Structural steel (Standard quality)— IS : 226-1975	
41. CM/L-11259 34 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	-do-	Structural steel (Ordinary quality)— IS : 1977-1975	
42. CM/L-11260 27 1982-10-18	82-11-01	83-10-31	Prakash Pulverising Mills, 1, Old Indl. Area, Alwar- 301001 (Rajasthan)	DDT DP— IS : 564-1975	
43. CM/L-11261 28 1982-10-19	82-11-01	83-10-31	Matigara Wood Craft, P. O. Matigara, Distt Darjeeling	Plywood tea, chest panels— IS : 10— (Pt II)-1976	
44. CM/L-11262 29 1982-10-19	82-11-01	83-10-31	R.K. Agarwala & Co., 1, Simla Satghara Rd. Extension, P.O. Pravas Nagar, Rishra, Distt. Hooghly-712201 (Off: 108, Cotton Street, Calcutta- 700007)	Plywood tea-chest metal fitt- ings— IS : 10 (Pt IV)-1976	
45. CM/L-11263 30 1982-10-19	82-11-01	83-10-31	Shree Krishna Reolling Mills, 37, Industrial Area, Jhotwara, Jaipur-302012	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975	
46. CM/L-11264 31 1982-10-21	82-11-01	83-10-31	Rajnikanth Foundation, SF 179, Villakkinar Road, G.N. Mills Post, Coimbatore-29 (Off : 6- B Post Office Road, Kirshna Swamy Nagar, Coimbatore- 641018)	Grey iron castings Grade : Upto and including FG 260— IS : 210-1978	
47. CM/L-11265 32 1982-10-21	82-11-01	83-10-31	Rajasthan Engine & Pumps Industries, F-60 RIMDC Indl. Area, Bhagatpur (Rajasthan)	Verticle single, cylinder, water cooled, four stroke, diesel engines of the following ratings: Output Speed Cover- SFC CRPM ing 6.5 hp 1500 Class B 269.4g <sup>3</sup> Kwh IS : 1601-1960	

1	2	3	4	5	6
48. CM/L-11266 33 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Haryana Chemicals Pesticides, T/6 Indl. Area, Bahadurgarh (Haryana) (Off: 4/5-B, Sachdeva Mansion, Asaf Ali Road, New Delhi-110002)	Malathion EC 50 % IS : 2567-1978	
49. CM/L-11267 34 1982-10-22	82-10-16	83-10-15	Shri Shakar Industries, 310, Naya Kabad Khana, Berasia Road, Bhopal (M.P.) [Off : 40, Hamidia Road, Bhopal-462001 (M.P.)]	General and safety requirements for power thresher, spike tooth cylinder type with feeding system covered chute rating 3.7 kw to 7.5 kw (5 hp to 10 hp)— IS : 9020-1979	
50. CM/L-11268 35 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Arun Knitters, 6/4, Ganga Nagar, Ist Street, Tirupur-638602 (Tamil Nadu)	Cotton Sewing Thread (Bleached white) Variety No. 5— IS : 1720-1978	
51. CM/L-11269 36 1982-10-21	82-11-01	83-10-31	Kewal Conductors Pvt. Ltd., 16-17 Indira Gandhi Indl. Area, Ajmer Road, Beawar-305901 (Rajasthan)	Aluminium conductors, galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt II)-1976	
52. CM/L-11270 29 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Shankar Chemical Inds. K-3, SIDCO Indl. Estate, Konam, Nagarcoil-629002 (TN) (Off : 58/G, Vallalar Nagar, Behind St. Hindu College, Nagercoil-629002, Tamil Nadu)	Silica gel, type normal— IS : 3401-1979	
53. CM/L-11271 30 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Kapoor Engg. Works, B-56 & B-41, Mayapuri Indl. Area, Phase-I, New Delhi-110064	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with double burners— IS : 4246-1978	
54. CM/L-11272 31 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Grandlay Electricals, 426/428, Dhaka Dhirpur, Nirankari Colony, Kingsway Camp, Delhi (Off : 3/4, Asaf Ali Road, New Delhi-110002)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt II)-1976	
55. CM/L-11273 32 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Vijay Cable Industries, 8-B, 9-B, Sector I, NOIDA, Distt Ghaziabad (Off : 31, Golden Parace, Community Centre, Ashok Vihar, Delhi-110052)	PVC insulated, sheated and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts including cables for use under outdoor conditions & excluding cables for use under low temperature conditions— IS : 694-1977	
56. CM/L-11274 33 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Aluminium Cable Industries, Basai Road, Village & P.O. Basai, Gurgaon (Haryana)	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including volts excluding cables for use under outdoor/low temperature conditions— IS : 694-1977	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
57. CM/L-11275 34 1982-10-22	82-10-01	83-09-30	Mohatta & Hackel Ltd, Kho- pali, Distt. Raigadh, (Maha- rashtra)	Steel wire ropes for winding and manriding haulages in mines— IS : 1855-1977	
58. CM/L-11276 35 1982-10-22	82-07-01	83-06-30	J.K. Steel, Rishra, Hooghly (W.B.)	Steel wire ropes for haulage purposes IS : 1856-1977	
59. CM/L-11277 36 1982-10-22	82-11-01	83-10-31	Madan Engg. Tool Products, B-26, Okhla Indl. Estate, Delhi-110020	Door closer (hydraulically ope- rated) size 2 only— IS : 3564-1975	
60. CM/L-11278 37 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	Deera-pu Cabncon Mfg Co. Pvt Ltd., 17-18, Pologround, Indore	Aluminium stranded conduc- tors for overhead transmis- sion purposes— IS : 398 (Pt I)-1976	
61. CM/L-11279 38 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	Sayar Cables & Conductors, 18, I.G.R. Indl. Estate, Ajmer Road, Bewar-305901, Bewar	Aluminium conductors gal- vanized steel reinforced for overhead transmission pur- poses— IS : 398 (Pt II)-1976	
62. CM/L-11280 31 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	Himachal Industries, Power House Road, Solan (H.P.)- 173212	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with alu- minium conductors including cables for use under low tem- perature conditions and ex- cluding cables for use under outdoor conditions— IS : 694-1977	
63. CM/L-11281 32 1982-10-22	82-11-16	83-11-15	Guru Electro Cables, B-387, Peenya Indl. Estate, Ban- galore-560058	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with alu- minium conductors and un- sheathed cables with copper conductors for working vol- tages upto and including 1100 volts excluding cables for use under outdoor/low tempera- ture conditions— IS : 694-1977	
64. CM/L-11282 33 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	The Coimbatore Engg. Products, 125, Mettupalayam Road, Coimbatore-641043	Three phase squirrel cage in- duction motors for centri- fugal pumps for agricultural applications, power output upto and including 3.7 kw, Class A insulation— IS : 7538-1975	
65. CM/L-11283 34 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Bharat Foundry, Ammanku- lam Road, Pappanaicken Palayam, Coimbatore-641037	Three phase squirrel cage in- duction motors for centri- fugal pumps for agricultural applications, upto and inclu- ding 5.5 kw Class E insula- tion— IS : 7538-1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
66. CM/L-11284 35 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Ashoka Industries, Jaipuria Textile Compound, Jhotwara, Jaipur-302012	PVC insulated (heavy duty) electric cables armoured and unarmoured with copper conductors for working voltages upto and including 1100 volts excluding cables for use under low temperature condition— IS : 1554 (Pt I)-1976	
67. CM/L-11285 36 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Biren Mfg. Co. (Cables) Pvt. Ltd. 10, Anand Indl Estate, Mohan Nagar, Ghaziabad (U.P.) (Off : 7, Daryaganj, New Delhi-110002)	PVC insulated winding wires with Type 2 insulation for submersible motors— IS : 8783-1978	
68. CM/L-11286 37 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Pioneer Metal Industries, C-4 & C-5, Indl Estate, P.O. Jharsuguda-768205 (Orissa)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt II)-1976	
69. CM/L-11287 38 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Morarji Dorman Smith Pvt. Ltd., Anand Niwas., 1/110, Dr. E. Mosses Road, Worli, Bombay-400018	Miniature, A.C. Air break circuit breakers 415 V, upto and including 30A, category of duty M 3 — IS : 8828-1978	
70. CM/L-11288 39 1982-10-28	82-11-16	83-11-15	Morarji Dorman Smith Pvt. Ltd., 2, D.A., MIDC Indl Estate, Jalgaon-425001	-do-	
71. CM/L-11289 40 1982-10-29	82-11-01	83-10-31	Faridabad Auto Inds. Pvt Ltd., Plot No. 63, Sector-6, Faridabad-121006 (Haryana)	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with double burners— IS : 4246-1978	
72. CM/L-11290 33 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	Usha Rectifier Corpn. India (P) Ltd., 11/2, Delhi-Mathura Road, Faridabad- 121003 (Haryana) (Off : Jeevan Tara, 5, Parliament Street, New Delhi-1)	Unplasticized PVC pipes for potable water Class 2 Size 125 mm to 315 mm Class 3 Size 125 mm to 180 mm— IS : 4985-1981	
73. CM/L-11291 34 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	Ashoka Mfg. & Suppliers, 100, G.T. Road (West) Rishra (Hooghly) (W.B.) (Off : 1, Mango Lane, 2nd floor, Calcutta-700001) (W.B.)	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 407 g/m <sup>2</sup> ; 85× 39 tarpaulin fabric— IS : 7406 (Pt. I)-1974	
74. CM/L-11292 35 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	-do-	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m <sup>2</sup> ; 68×39 tarpaulin fabric— IS : 7406 (Pt II)-1980	

(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
75. CM/L-11293 36 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	Acetylene & Indl. Gas Cylinders Ltd., Plot No. 4 D (8 & 9); IIIrd Main Road, South Phase, Indl. Estate, Ambattur Madras-600058	Dissolved Acetylene gas cylinder, 41 litres, 3-piece construction with Monolythic calcium silicate as porous mass to contain 6.8 kg of $C_2H_2$ at 16 kgf/cm <sup>2</sup> — IS : 7312-1974
76. CM/L-11294 37 1982-10-29	82-09-01	83-08-31	Shalimar Group (P) Ltd, 1, Swarnamoyee Road, Shalimar, Howrah-711103 (WB)	Shuttles for automatic Cop changing jute Looms— IS : 2784-1971
77. CM/L-11294 38 1982-10-29	82-09-01	83-08-31	-do-	Shuttles for Jute Broad Looms— IS : 2910-1971
78. CM/L-11296 39 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	Sushma Metal Inds., F-379, Road No. 4 F, Vishwakarma Indl. Area, Jaipur-302013	Cast iron flushing cistern 12.5 litre (high level)— IS : 774-1971
79. CM/L-11297 40 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	Orissa Metal Inds. Panposh, Rourkela-769004 (Off : 25, Strand Road, 5th floor, Room No. 559, Marshal House, Calcutta-700001)	Cast iron manhole covers & frames for heavy duty circular type— IS : 1726 (Pt II)-1974
80. CM/L-11298 41 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	-do-	Cast iron manhole covers & frames for medium duty circular type— IS : 1726 (Pt IV)-1974
81. CM/L-11299 42 1982-10-29	82-11-16	83-11-15	-do-	Cast iron Manhole covers and frames, Medium duty rectangular type— IS : 1726 (Pt V)-1974

[No. CMD/13 : 11]

B. N. SINGH, Addl. Director General

## ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1985

का.प्र. 496—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के पैरा 12 क के अनुसरण में यह निवेश देता है कि तारीख 31 मार्च, 1984 को यथा विद्यमान कुटुम्ब पेंशन भोगियों को 1 अप्रैल, 1985 से नीचे विनिर्दिष्ट दरों से अनुपूरक परिवर्धन मंजूर किए जायेंगे—

- (1) वे पेंशनभोगी जो 100 रु. 60 रु. प्रतिमास की वृद्धि प्रतिमास तक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं
- (2) वे पेंशनभोगी जो 100 रु. 75 रु. प्रतिमास की वृद्धि प्रतिमास से अधिक किन्तु 200 रु. प्रतिमास से अधिक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।
- (3) वे पेंशनभोगी जो 200 रु. 90 रु. प्रतिमास की वृद्धि प्रतिमास से अधिक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

2. अनुपूरक परिवर्धनों की दर, कुटुम्ब पेंशन से सम्बन्धित होगी क्योंकि यह कोयला खान कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के पैरा 12(1) के निबन्धनों के अनुसार इस शर्त के अधीन संवेद्य होगी कि पेंशन को कुल रकम (जितने संशर्गत अनुपूरक परिवर्धन भी हैं) किसी भी वशा में अंतिम प्राप्त वेतन से अधिक नहीं होगी।

3. उपरोक्त अनुपूरक परिवर्धन, का.प्र. सं. 32 दिनांक 20 दिसम्बर, 1985 द्वारा पूर्व में मंजूर किए गए अनुपूरक परिवर्धनों के अतिरिक्त होंगे।

[सं. 8(7)/80-प्रश्ना. 1 (पी.एफ) जि. II(ii)]

रमेश कुमार, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 20th December, 1985

S.O. 496.—In pursuance of paragraph 12A of the Coal Mines Family Pension Scheme, 1971, the Central Government hereby directs that the Family Pensioners as on 31st March, 1984 shall be granted

supplementary additions at the rates specified below with effect from the 1st day of April 1985:—

(i) Pensioners who are drawing pension upto Rs. 100/- per month.	An increase of Rs. 60/- per month.
(ii) Pensioners who are drawing pension above Rs. 100/- per month but not above Rs. 200/- per month.	An increase of Rs. 75/- per month.
(iii) Pensioners who are drawing pension above Rs. 200/- per month.	An increase of Rs. 90/- per month.

2. The rate of supplementary additions will be related to the Family Pension as would be payable in terms of paragraph 12(1) of the Coal Mines Pension Scheme, 1971 subject to the condition that the total amount of pension (including supplementary additions) shall in no case exceed the last pay drawn.

3. The above supplementary additions will be in addition to the supplementary additions sanctioned earlier vide S.O. 32 dated the 20th December, 1985.

[No. 8(7)/80-Adm. I(PF)(iii) (Vol. II)]

RAMERH KUMAR, Director

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1986

का. भा. 497:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राष्ट्रपति, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) तारीख 11 फरवरी, 1984 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. भा. 445, तारीख 28 जनवरी, 1984 द्वारा उससे संलग्न अनुसूची में जो इस अधिसूचना के साथ भी संलग्न है, विनिर्दिष्ट परिच्छेद की भूमियों में (लगभग) 5971.33 हेक्टर या 14755.76 एकड़ (लगभग) भाषवाली भूमि में कोयले का पूर्वावकाश करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमियों के बारे में उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 11 फरवरी, 1986 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमियों को या ऐसी भूमियों में या उनके ऊपर कोई अधिकार अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची "क"

मुनगोली विद्युत खान परियोजना ब्लॉक-1

बर्धा घाटी क्षेत्र

जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)

क्रम ग्राम पटवारी ग्राम तहसील जिला क्षेत्र हेक्टर में टिप्पणियाँ सं. का नाम सकल सं. सं.

1	2	3	4	5	6	7	8
1. जुगदी	108	121	बानी	यवतमाल	182.00	पूर्ण	
2. मणोली	108	275	"	"	196.99	"	
3. मुनगोली	108	289	"	"	413.30	"	

1	2	3	4	5	6	7	8
4. साखरा	108	372	बानी	यवतमाल	544.98	"	
5. कोलगांव	108	58	"	"	489.91	"	
6. साकली	109	133	"	"	283.36	"	
7. बिबाली	109	107	"	"	405.64	"	
8. परमबोह	109	192	"	"	398.50	भाग	
9. एनाक	107	306	"	"	238.30	"	

कुल क्षेत्र : 3150.98 हेक्टर (लगभग)

या 7786.39 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन —ब्लॉक—I

- क—ख रेखा तहसील चन्द्रपुर (जिला चन्द्रपुर), तहसील राजुरा (जिला चन्द्रपुर) और तहसील बानी (जिला यवतमाल) की तहसील की सीमाओं के त्रिसंगम पर नदी बर्धा और मनगंगा के संगम पर बिन्दु "क" से प्रारम्भ होती है और तहसील राजुरा, जिला चन्द्रपुर और तहसील बानी, जिला यवतमाल की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ नदी मनगंगा के साथ-साथ जाती है और उसी सीमा पर बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख—ग रेखा मनगंगा के साथ तहसील राजुरा (जिला चन्द्रपुर) और तहसील बानी (जिला यवतमाल) की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और उसी सीमा पर बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग—घ रेखा तहसील बानी जिला यवतमाल ग्राम परमबोह से होकर जाती है और उसके पश्चात् ग्राम बिबाली और बानखा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और उसके बाद ग्राम एनाक से होकर जाती है और ग्राम एनाक, बिबाली और एनाक की सीमा के त्रिसंगम और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ—ङ रेखा भागत : ग्राम एनाक और बिबाली की भागत : सम्मिलित सीमा के साथ-साथ और ग्राम कोलगांव और बिबाली की भागत : सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और ग्राम कोलगांव, साखरा, मुनगोली और बिबाली की सीमाओं के संगम पर बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
- ङ—च रेखा ग्राम मुनगोली और बिबाली और भागत : ग्राम मुनगोली और बानखोली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और जिला चन्द्रपुर और यवतमाल की सम्मिलित जिला सीमा पर नदी बर्धा में बिन्दु "च" पर मिलती है।
- च—क रेखा नदी बर्धा के साथ-साथ जिला चन्द्रपुर और यवतमाल की सम्मिलित जिला सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

मुनगोली विद्युत खान परियोजना ब्लॉक-II

बर्धा घाटी क्षेत्र

जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

क्रम ग्राम का पटवारी ग्राम तहसील जिला क्षेत्र हेक्टर टिप्पणियाँ सं. नाम साक्षा सकल

1	2	3	4	5	6	7	8
1. संगोवा	बिकर	चन्द्रपुर	राजुरा	चन्द्रपुर	282.00	पूर्ण	
2. कारवाई	(गडगांव)	"	"	"	173.69	"	

New Delhi, the 30th January, 1986

1	2	3	4	5	6	7	8
3.	सोना रली	बिरुर	बंदूर	राजपुरा	बन्धपुर	160.42	पूर्ण
4.	गडेगांव	"	"	"	"	625.04	भाग
5.	बिरुर	"	"	"	"	624.83	पूर्ण
6.	होरापुर	"	"	"	"	323.65	भाग
7.	अंतरगांव (बुजर्क)	अंतरगांव	शेराज	"	"	630.72	भाग
कुल क्षेत्र		2820.35	हैक्टर (लगभग)				
या		6969.37	एकड़ (लगभग)				

## सीमा वर्णन ब्लॉक II

- क-ख- रेखा जिला बन्धपुर और यवतमाल की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "क" से आरम्भ होता है और जिला बन्धपुर में ग्राम बिरुर और डालोडा गडेगांव और औरगांव और ग्राम गडेगांव और कावट गांव की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग- रेखा भागत : ग्राम गडेगांव और भागत : ग्राम होरापुर के साथ-साथ जाती है और ग्राम अंतरगांव (बुजर्क) और होरापुर की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ- रेखा ग्राम अंतरगांव (बुजर्क) और होरापुर के साथ ग्राम अंतर गांव (बुजर्क) और काडोली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और उसके पश्चात ग्राम अंतरगांव (बुजर्क) से होकर जाती है और जिला बन्धपुर और यवतमाल की सम्मिलित जिला सीमा पर नदी वनगंगा में बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-क- रेखा जिला बन्धपुर और यवतमाल की सम्मिलित जिला सीमा के साथ-साथ नदी वनगंगा में होकर जाती है और उसी सीमा पर आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 19/47/83-सी एल./सी. ए]  
समय सिंह, प्रवर सचिव

S. O. 497.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) Number S.O. 445 dated the 28th January, 1984, under sub-section (i) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 11th February, 1984, the Central Government gave notice of its intention to prospect for Coal in lands measuring 5971.33 hectares (approximately) or 14755.76 acres (approximately) in the locality specified in the schedule appended thereto as also in the schedule hereto annexed;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (i) of section 7 of the said Act has been given.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 11th February, 1986 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

THE SCHEDULE 'A'  
MUNGOLI OPENCAST PROJECT BLOCK-1  
WARDHA VALLEY AREA  
DISTRICT YAVATMAL (MAHARASHTRA)

Sl. No.	Name of Village	Patwari Circle No.	Village No.	Tahsil	District	Area in hectares.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Jugadi	108	121	Wani	Yavatmal	182.00	Full
2.	Matholi	108	275	Wani	Yavatmal	196.99	Full
3.	Mungoli	108	289	Wani	Yavatmal	413.30	Full
4.	Sakhara	108	372	Wani	Yavatmal	544.98	Full
5.	Kolgaon	108	58	Wani	Yavatmal	489.91	Full
6.	Takali	109	133	Wani	Yavatmal	283.36	Full
7.	Chikhali	109	107	Wani	Yavatmal	405.64	Full
8.	Paramdoh	109	192	Wani	Yavatmal	398.50	Part
9.	Enak	107	306	Wani	Yavatmal	236.30	Part

Total Area : 3150.98 Hectares (Approximately)

OR

7786.39 Acres (Approximately)

**BOUNDARY DESCRIPTION-BLOCK-1.**

A—B Line starts from point 'A' on the confluence of rivers Wardha and Penganga at the trijunction of tehsil boundaries of tehsil Chandrapur (District Chandrapur), tehsil Rajura (District Chandrapur) and tehsil Wani (District Yavatmal) and proceeds along the common boundary of tehsil Rajura, District Chandrapur and tehsil Wani, District Yavatmal along river Penganga and meets on the same boundary at point 'B'.

B—C Line passes along the common boundary of tehsil Rajura (District Chandrapur) and tehsil Wani (District Yavatmal) along river Penganga and meets on the same boundary at point 'C'.

C—D Line passes in Tehsil Wani, District Yavatmal through village Paramdok, then proceeds along the common boundary of villages Chikhali and Chanakha and then through

village Enak and meets on the trijunction of boundary of villages Enak, Siwani and Enad at point 'D'.

D—E Line passes partly along the common boundary of villages Enak and Siawni and partly along the common boundary of villages Kolagaon and Siwani and meets on the junction of boundaries of villages Kolgaon, Sakhara, Mungoli and Siwani at point 'E'.

E—F Line passes along the common boundary of villages Mungoli and Siwani and partly of villages Mungoli and Chincholi and meets in River Wardha on the common district boundary of Districts Chandrapur and Yavatmal at point 'F'.

F—A Line passes along the common district boundary of Districts Chandrapur and Yavatmal along river Wardha and meets at the starting point 'A'.

**THE SCHEDULE 'B'.****MUNGOLI OPENCAST PROJECT BLOCK-II,****WARDHA VALLEY AREA****DISTRICT - CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)**

Sl. No.	Name of village	Patwari Saza	Revenue Inspector Circle	Tehsil	District	Area in Hectares.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Sangoda	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	282.00	Full
		(Gadegaon)					
2.	Karwai	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	173.69	Full
3.	Sonarli	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	160.42	Full
4.	Gadegaon	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	625.04	Part
5.	Virur	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	624.83	Full
6.	Hirapur	Virur	Chandur	Rajura	Chandrapur	323.65	Part
7.	Antargaon (Bujruk)	Antargaon	Sheraj	Rajura	Chandrapur	630.72	Part

Total Area = 2820.35 Hectares (Approximately)

OR

6969.37 Acres (Approximately)

**BOUNDARY DESCRIPTION—BLOCK-II.**

A—B Line starts from point 'A' on the common boundary of districts Chandrapur and Yavatmal and passes in District Chandrapur along the common village boundary of

villages Virur and Danoda, villages Gadegaon and Khairgaon and Kawatgaon and meets at point 'B'.

B—C Line passes partly along village Gadegaon and partly along village Hirapur and meets



on the common boundary of villages Antargaon (Bujruk) and Hirapur at point 'C'.

C—D Line passes along the common boundary of villages Antargaon (Bujruk) and Hirapur villages Antargaon (Buiruk) and Kadoli and then proceeds through village Antargaon (Bujruk) and meets in river Penganga on the common district boundary of Districts Chandrapur and Yavatmal at point 'D'.

D—A Line passes in river Penganga along the common district boundary of Districts Chandrapur and Yavatmal and meets on the same boundary at the starting point 'A'.

[No. 19/47/83-CL/CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

### इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1986

का. आ. 498.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (समूह के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम-10 के उप-नियम (1) के अनुसरण में मोह्रा तथा इस्पात निर्यातक के सम्बन्धी स्थित क्षेत्रीय मोह्रा तथा इस्पात निर्यातक के कार्यालय को, जिसके कार्यकारीबुन्द ने हिन्दी का कार्य माध्यक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई.-11011(3)/85-हिन्दी]

प्रदेश बेजल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Deptt. of Steel)

New Delhi, the 20th January, 1986

S.O. 498. In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Office of the Regional Iron and Steel Control, Bombay of the Iron and Steel Control Organisation, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E.11011/3/85-Hindi]

PRADIP BANAL, Jr. Secy.

### कृषि मंत्रालय

(कृषि तथा सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1985

का. आ. 499.—गो. मो. एस. (प्रस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार, मै. बी. सी. दुआ, कृषि और प्राणी विकास प्रबन्धन के कृषि और सहकारिता विभाग में अधर सचिव, श्री चरणवीर सिंह, अधर सचिव, को सूचित करता है कि इस सूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से एक माह की अवधि समाप्त होने की तिथि से अगले सेवाओं का सम्पन्न समझा जायेगा।

[संख्या 7-743/83-स्थापना-6]

वी. सी. दुआ, अधर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi the 11th October, 1985

S.O. 499.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the C.C.S. (Temporary Service) Rules 1965, I, B.C. Dua, [454GI 85—7.

Under Secretary in the Ministry of Agriculture & Rural Development (Department of Agriculture & Cooperation) hereby give notice to Shri Charamjit Singh, Peon, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Official Gazette.

[No. 7-743/83-E. VII]

B. C. DUA, Under Secy.

पर्यावरण, वन एवं अन्य प्राणी विभाग

(वन्य प्राणी प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1986

का. आ. 500.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बन्ना, पी. दोराईराज के स्थान पर श्री प्रमोद कान्त को वन्य प्राणी परिरक्षण का उप निदेशक नियुक्त करती है।

उन्हें वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 47, 48 तथा 50 के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

[सं. 1-18/85-इस्यू. एस.-1]

रणजीत सिंह, निदेशक, वन्य प्राणी संरक्षण

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND

WILDLIFE

(Wildlife Division)

New Delhi, the 17th January, 1986

S.O. 500.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby appoint Shri Pramod Kant as Deputy Director of Wildlife Preservation in place of Shri W. P. Dorairaj.

He is hereby authorised to exercise powers under Sections 47, 48 and 50 of the Wildlife (Protection) Act, 1972 (53 of 1972).

[No. 1-18/85-WL-1]

RANJITSINH, Director, Wildlife Preservation

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1986

का. आ. 501.—वसचित (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 6 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कुमार ए. एम. नटराज को श्री विक्रम सिंह की 6-1-86 से 27-1-86 तक अवकाश पर अनुपस्थिति के दौरान केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष के पद के तान्त्रिकत्वों को देखने के लिए नियुक्त करती है।

[का. इल.सं. 801/32/85-एफ(सी)]

भार. डॉ. जोशा, उप सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Culture)

New Delhi, the 10th January, 1986

S.O. 501.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Cinematograph Act, 1952 read with rule 6 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government hereby appoints Kum. A. M. Nadkarni to look after the current duties of the post of the Chairman, Central Board of Film Certification during

the absence on leave of Shri Bikram Singh from 6-1-86 to 27-1-86.

[File No. 801/32/85-F(C)]  
R. D. JOSHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1986

का. भा. 502.—केंद्रीय सरकार एतद्वारा राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में संस्कृति विभाग के निम्नलिखित दो अधोस्थ कार्यालयों को, जिनके कर्मचारी वृत्त ने हिन्दी का कार्यमाध्यम ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिकृत करता है :—

(1) राष्ट्रीय प्रादुर्गित कला संग्रहालय,

जापुर हाउस, इंडिया गेट,

नई दिल्ली—110003

(2) केंद्रीय सम्मर्ग पुस्तकालय,

रेलवेवेयर,

कलकत्ता-700027

[संख्या एक 26-24/85-सामान्य (हिन्दी)]  
मदन शर्मा, निदेशक (हिन्दी)

New Delhi, the 23rd January, 1986

S.O. 502.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following two Subordinate Offices of the Department of Culture, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. National Gallery of Modern Art,  
Jaipur House, India Gate,  
New Delhi-110003.

2. Central Reference Library,

Railvedere,

Calcutta-700027.

[No. F. 26-24/85-Genl(Hindi)]

MADAN SHARMA, Director (Hindi)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1986

का. भा. 503.—जब कि भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) की अधिसूचना सं. एच. ओ. 798 (ई) दिनांक 24 दिसम्बर, 1985 द्वारा ओरोविल (आपत् प्रावधानों) अधिनियम, 1980 (1980 का 59) (इसके बावजूद अधिनियम में कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में जारी किया गया ओरोविल का प्रबन्ध 10 नवम्बर, 1985 से प्रगली एक वर्ष की अवधि के लिए केंद्रीय सरकार में स्थित था।

2. और जब कि प्रशासक, ओरोविल ने केंद्रीय सरकार से अनुरोध किया है कि ओरोविल से सम्बन्धित विवाद (निम्न तालिका में उल्लिखित उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अर्न्तगत न्यायाधिकरण को भेजा जाए।

3. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ओ. एस. डी. अग्रवाल को एक सदस्य न्यायाधिकरण के रूप में नियुक्त करती है और ओरोविल से संबंधित उक्त विवाद, उक्त न्यायाधिकरण को भेजती है।

तालिका

1. एस्पिरेशन, ओरोविल से स्थित ओरो प्रेस से सम्बन्धित विवाद।  
2. श्री भरविन्द सोसायटी के नाम स्टेट बैंक, पोंडिचेरी में 9 लाख रुपये की संख्या अर्थात् राशि से सम्बन्धित विवाद।

3. श्री भरविन्द सोसायटी द्वारा ओरो स्वाम को समय-समय पर स्थानांतरित विभिन्न वाणिज्यिक एकाकों से सम्बन्धित ऋण संबंधी करार के अर्न्तगत बिक्री, ब्याज और क्षति के भुगतान से सम्बन्धित विवाद।

[म. एक. 43-22/83-यू. यू.]

बलदेव महाजन, निदेशक

New Delhi, the 13th January, 1986

S.O. 503.—Whereas by notification of the Government of India, Ministry of Human Resource Development (Department of Education) No. S.O. 798(E) dated 24th October, 1985 issued in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the Auroville (Emergency Provisions) Act, 1980 (59 of 1980) (hereinafter referred to as the said Act), the management of Auroville was vested in the Central Government for a further period of one year from the 10th November, 1985;

2. And whereas the Administrator, Auroville has requested the Central Government that certain disputes relating to Auroville (specified in the Table below) be referred to the Tribunal under sub-section (1) of section 9 of the said Act;

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby appoints Justice S. D. Agarwal, Judge, Allahabad High Court as one-member Tribunal and refers to the said Tribunal the said disputes relating to Auroville.

#### TABLE

1. Dispute relating to the Auro Press situated in Aspiration, Auroville.
2. Dispute relating to the Fixed Deposit amount of Rs. 9 lakhs with the State Bank of India, Pondicherry in the name of Sri Aurobindo Society.
3. Dispute about payment of sale consideration interest and rent by Auro Trust as agreed to under the purchase agreements relating to various commercial units transferred by the Sri Aurobindo Society to Auro Trust from time to time.

[No. F. 43-22/83-UU]

BALDEV MAHAJAN, Director

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1986

आदेश

का. भा. 504.—ओरोविल (आपात उपबंध) अधिनियम 1980 (1980 का 59) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केंद्रीय सरकार, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के आदेश संख्या एक. 8-5/80 पी; एन. 1 दिनांक 14 नवम्बर 1980, सं. एक. 43-24/82 आई. एन. सी. (यू. यू.) (ए. य. आर.) दिनांक 18 मई 1983, सं. एक. 43-24/82 आई. एन. सी. (ए. य. आर.) (यू. यू.) दिनांक 3 नवम्बर, 1983 तथा सं. एक. 43/24/82 आई. एन. सी. (ए. यू. आर.)/यू. यू. दिनांक 31 दिसम्बर, 1984 के त्रय में केंद्रीय सरकार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस. पी. निराम को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए प्रशासक के रूप में नियुक्ति की अवधि को 9 नवम्बर 1986 तक बढ़ाती है।

[सं. एक. 43-24/82-आई. एन. सी. (ए. यू. आर.) (यू. यू.)]

(Department of Education)

New Delhi, the 24th January, 1986

## ORDER

S.O. 504.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Auroville (Emergency Provisions) Act, 1980 (59 of 1980) and in continuation of the order of the Central Government in the Ministry of Education and Culture (Deptt. of Education) No. F. 8-5/80-PHI dt. 14th November, 1980, No. F. 43-24/82-INC(UU)(AUR) dt. 18th May, 1983, No. F. 43-24/82-INC(AUR)(UU) dt. 3rd November, 1983 and No. F. 43-24/82-INC(AUR)(UU) dated 31st October, 1984 the Central Government hereby extends the term of appointment of Justice L. P. Nigam retired judge of the Allahabad High Court as the Administrator for the purpose of the said Act upto 9th November, 1986.

[F. No. 43-24/82-INC(AUR)(UU)]

का. आ. 505.—प्रारोविश अन्तर्राष्ट्रीय महाहकार परिषद् नियमावली, 1981 के साथ पठित प्रारोविश (प्राप्त उपबन्ध) अधिनियम, 1980 (1980 का 59) की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित

व्यक्तियों को प्रारोविश अन्तर्राष्ट्रीय महाहकार परिषद् के सदस्य के रूप में भ्रमणे आदेशों तक नियुक्त करती है:—

1. श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
2. श्री अमावउ—महतार, एम बो
3. श्री जे. आर. टी. टाटा

[सं. एफ. 27-15/85-यू.यू.]

बलदेव महाजन, निदेशक

S.O. 505.—In exercise of the powers conferred by sub-section and Culture (Deptt. of Education) No. F. 8-5/80-PHI Act, 1980 (No. 59 of 1980) read with rule 2 of the Auroville International Advisory Council Rules, 1981, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Auroville International Advisory Council till further orders:

1. Shri P. V. Narasimha Rao
2. Shri Amadou-Mahtar M'Bow
3. Shri J.R.D. Tata.

[F. No. 27-15/85-UU]  
BALDEV MAHAJAN, Director

## संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1986

(पुरातत्व)

का. आ. 506.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसमें उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट संस्मारक के पार्श्वस्थ क्षेत्र को, सम्मिलित के प्रयोजन के लिए विनियमित क्षेत्र घोषित किया जाए.

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वाय स्थल और श्रमशेष नियम, 1959 की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त क्षेत्र को विनियमित क्षेत्र घोषित करते के अपने आशय की सूचना देती है।

ऐसे किसी आशय पर, जो इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर, उक्त क्षेत्र में हितवन्त किसी व्यक्ति ने किया है, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	विनियमित घोषित क्षेत्र संरक्षण के क्षेत्र सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्यांक
1	2	3	4	5	6
उत्तर प्रदेश	देहरादून	देहरा	गहस धारा झरक पर अठोई बाणा गांव	बालीगा संस्मारक	74/4 0.21 एकड़
7	8	9	10	11	12
समाप्ति		आधुनिक संरचना का ब्योरा यदि कोई हो		दिप्पन	
निजी		सूना भट्टी			

## DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 29th January, 1986

## (ARCHAEOLOGY)

S.O. 506.—Whereas the Central Government is of opinion that the area adjoining the monument specified in the Schedule attached hereto be declared to be a regulated area for purpose of construction;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Rule 31 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said area as regulated area;

Any objection made within one month of the date of issue of this notification by any person interested in the said area will be considered by the Central Government.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of the monument	Revenue plot number to be declared regulated	Area	Ownership	Details of modern structures, if any, in the area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Uttar Pradesh	Dehradun	Dehra	Village Adhoiwala on Sahesradhara Road,	Kalanga monuments	74/4	0.21 Acres	Private	Lime Kiln	—

[No. 2 B/3/81-M]

का. प्रा. 507 —केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (i) द्वारा उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय को दो मास की सूचना देती है,

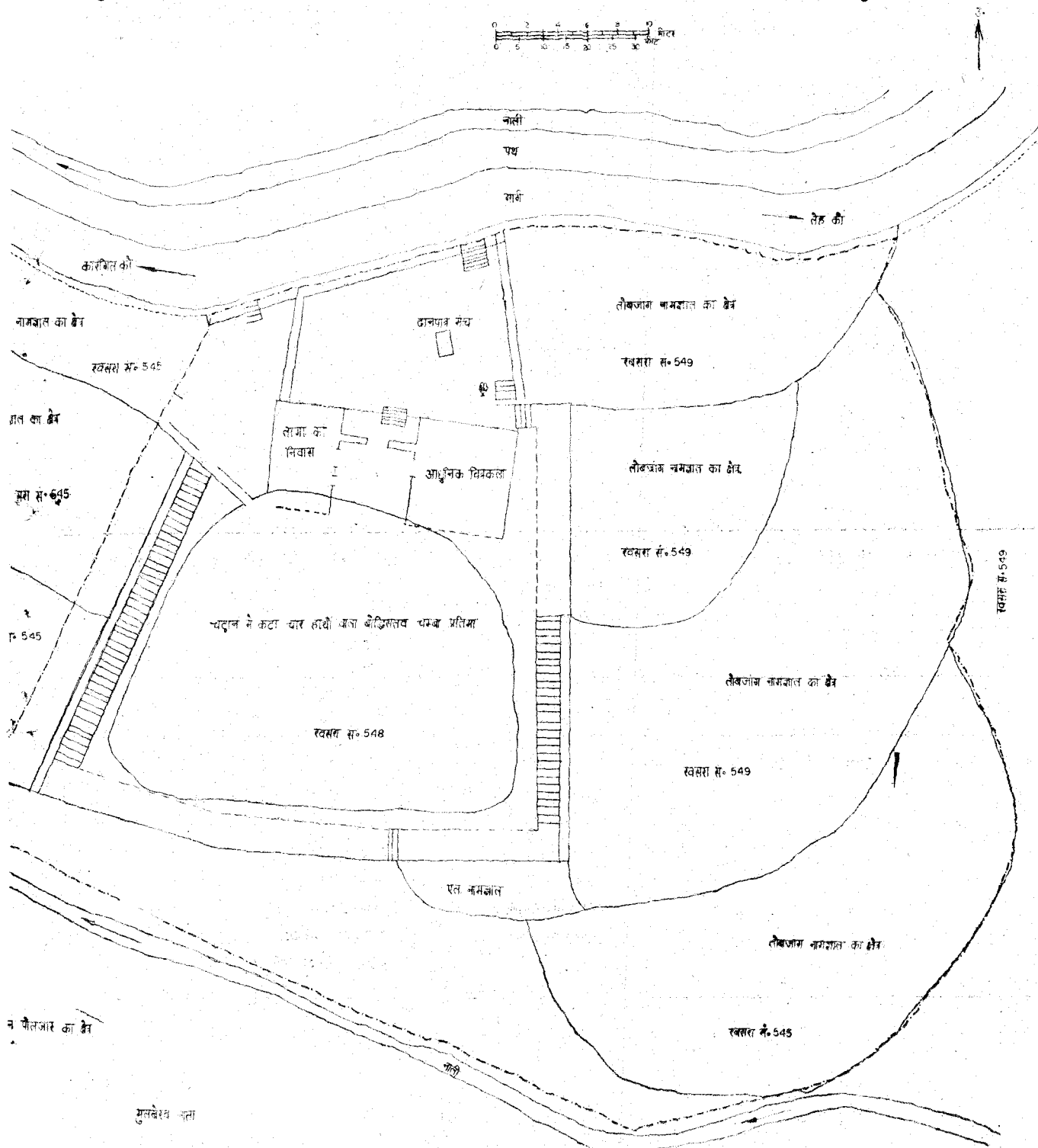
ऐसे आक्षेप पर, जो इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर, उक्त प्राचीन संस्मारक में हितवद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त हों, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्यांक	क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7
जम्मू कश्मीर	कारगिल	कारगिल	मलबेख	चट्टान से तराशा हुआ चतुर्भुज बोधिसत्व	नीचे प्रस्तुत स्थल रेखांकन में दर्शित खसरा सं. 545 और खसरा 549 के भाग।	7 कनाले 14.5 मरला
सीमाएं			स्वामित्व		टिप्पण	
8			9		10	
उत्तर —सड़क I			निजी		धार्मिक उपयोग के अधीन	
पूर्व—खसरा सं. 549 का शेष भाग।						
दक्षिण—नाला						
पश्चिम—खसरा सं. 549 का शेष भाग						

# मुलबेरव जिला कारगिल (तदारव) में प्राचीन शैल-निर्मित चार मुजाओं वाला बौद्धस्तव

0 5 10 15 20 25 30 मीटर



सुरक्षित सीमाओं के लिए प्रस्तावित क्षेत्र

S.O. 507.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of

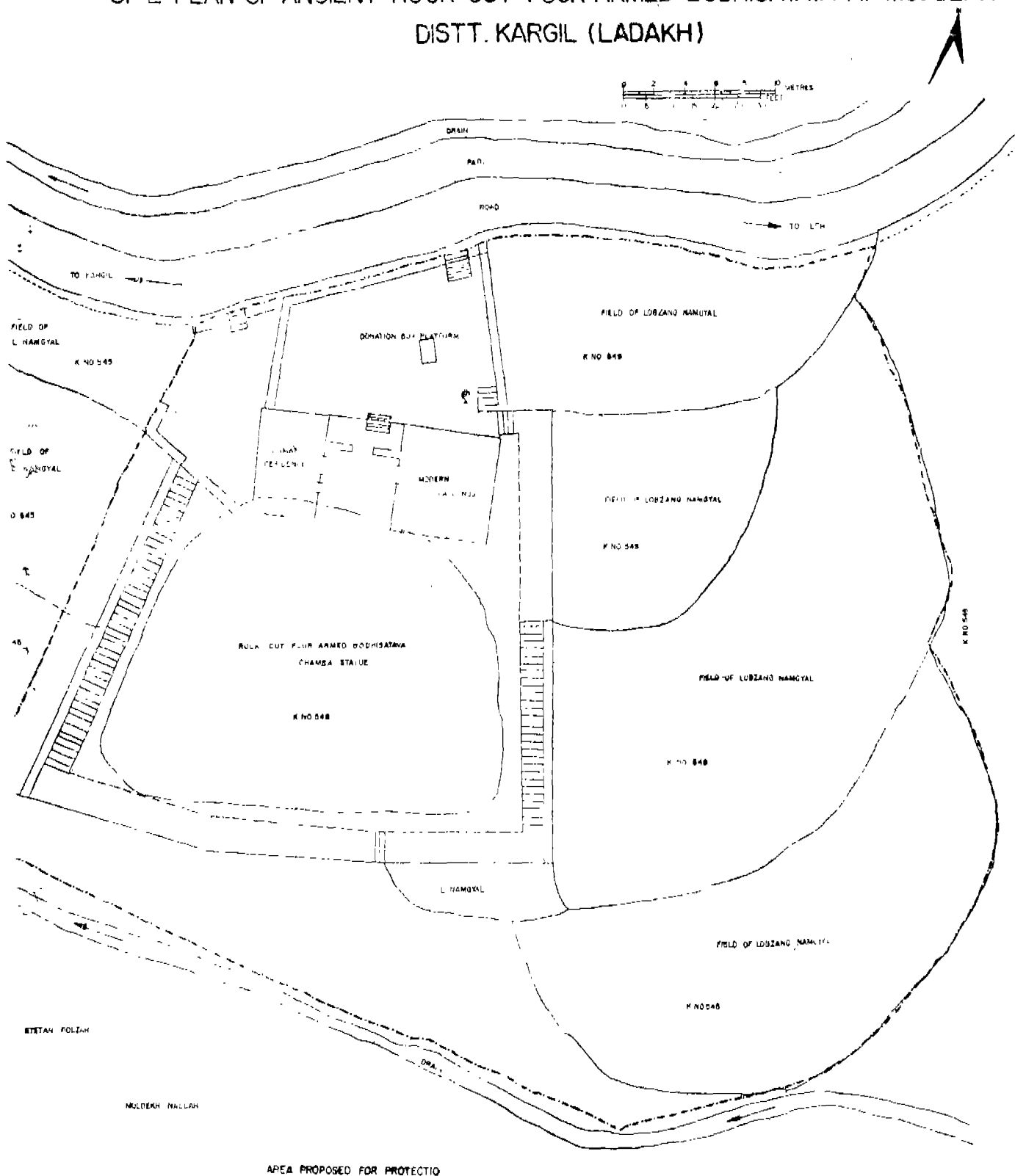
its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

#### SCHEDULE

State	District	Tehsill	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Jammu and Kashmir	Kargil	Kargil	Mulbokh	Rock cut four Armed Bodhi Satava	Khasra No. 548 and part of Khasra nos. 545 and 549 as shown in the site plan reproduced below	7 Kanals 14.5 Marla	North.—Road East.—Remain- ing portion of Khasra No. 549 South.—Nallah West.—Remain- ing portion of Khasra No. 549	Private	Under religious use

# SITE PLAN OF ANCIENT ROCK CUT FOUR ARMED BODHISATAVA AT MULBEKH DISTT. KARGIL (LADAKH)



AREA PROPOSED FOR PROTECTION

का. आ. 508:—केन्द्रीय सरकार ने, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वाय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1955 का 24) के धारा 4 की उपधारा (i) के अधीन अपेक्षित के अनुसार, भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की एक अधिसूचना सं. का. आ. 2081 तारीख 27 अप्रैल, 1985 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 11 मई, 1985 के गृह पर प्रकाशित की गई थी, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के समीप एक सहजदृश्य स्थान पर लगा दी गई थी;

और उक्त राजपत्र जनता की 13 मई, 1985 को उपलब्ध करा दिया गया था,

और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आशय प्राप्त नहीं हुआ है,

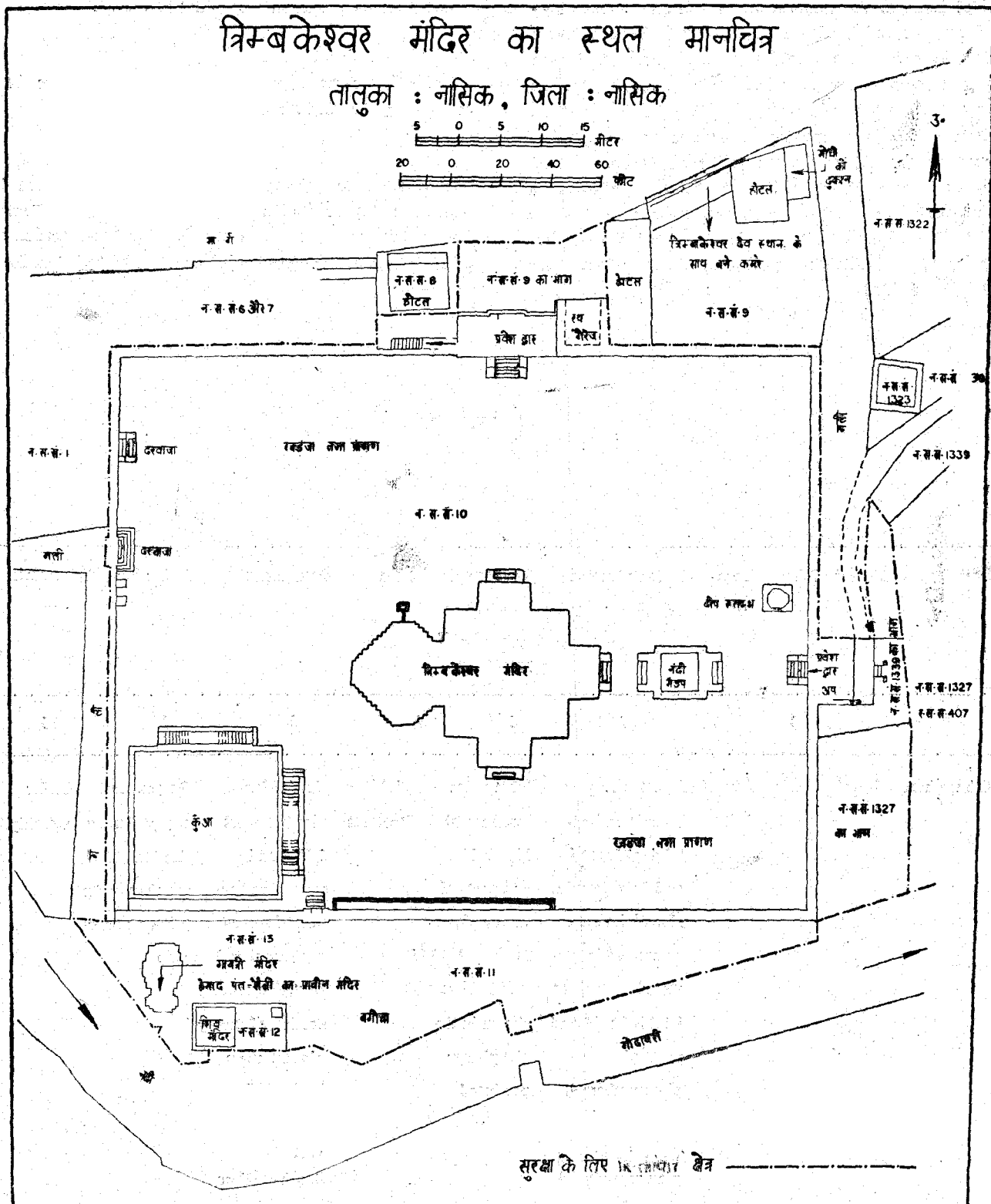
अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

#### अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्याएं	क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7
महाराष्ट्र	नासिक	नासिक	त्रियम्बक	त्रियम्बकेश्वर मंदिर और उससे लगी गायत्री और शिव मंदिर और नीचे प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाये गए अनुसार सर्वेक्षण प्लॉट सं. 10, 11, 12, 13, 1339 के समेत और सर्वेक्षण प्लॉट सं. 9, 1327 और 1339 के भागों में समाविष्ट क्षेत्र	सर्वेक्षण प्लॉट सं. 10, 11-12, 13 और नीचे प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाये गए अनुसार सर्वेक्षण प्लॉट सं. 9, 1327 और 1339 के समेत और सर्वेक्षण प्लॉट सं. 9, 1327 और 1339 के भागों में समाविष्ट क्षेत्र	7306 हेक्टर

सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
8	9	10
उत्तर सर्वेक्षण प्लॉट सं. 6, 7, 8, और सर्वेक्षण प्लॉट सं. 9 के शेष भाग	सरकारी सर्वेक्षण प्लॉट सं. 1327 को छोड़कर जो पूजा के जाते हैं। निजी स्वामित्वाधीन है।	
पूर्व सर्वेक्षण प्लॉट सं. 1339, 1327 और पब्लिक सिन का शेष भाग		
दक्षिण: गोदावरी नदी		
पश्चिम: सर्वेक्षण प्लॉट सं. 1 लोक भूमि और गोदावरी नदी		





S.O. 508.—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S. 2081, dated the 27th April 1985, published in the Gazette of India, Part II, Section 3 (ii), at pages 2500-2501, dated the 11th May, 1985, the Central Government two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule annexed to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument, as required by sub-section (1) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

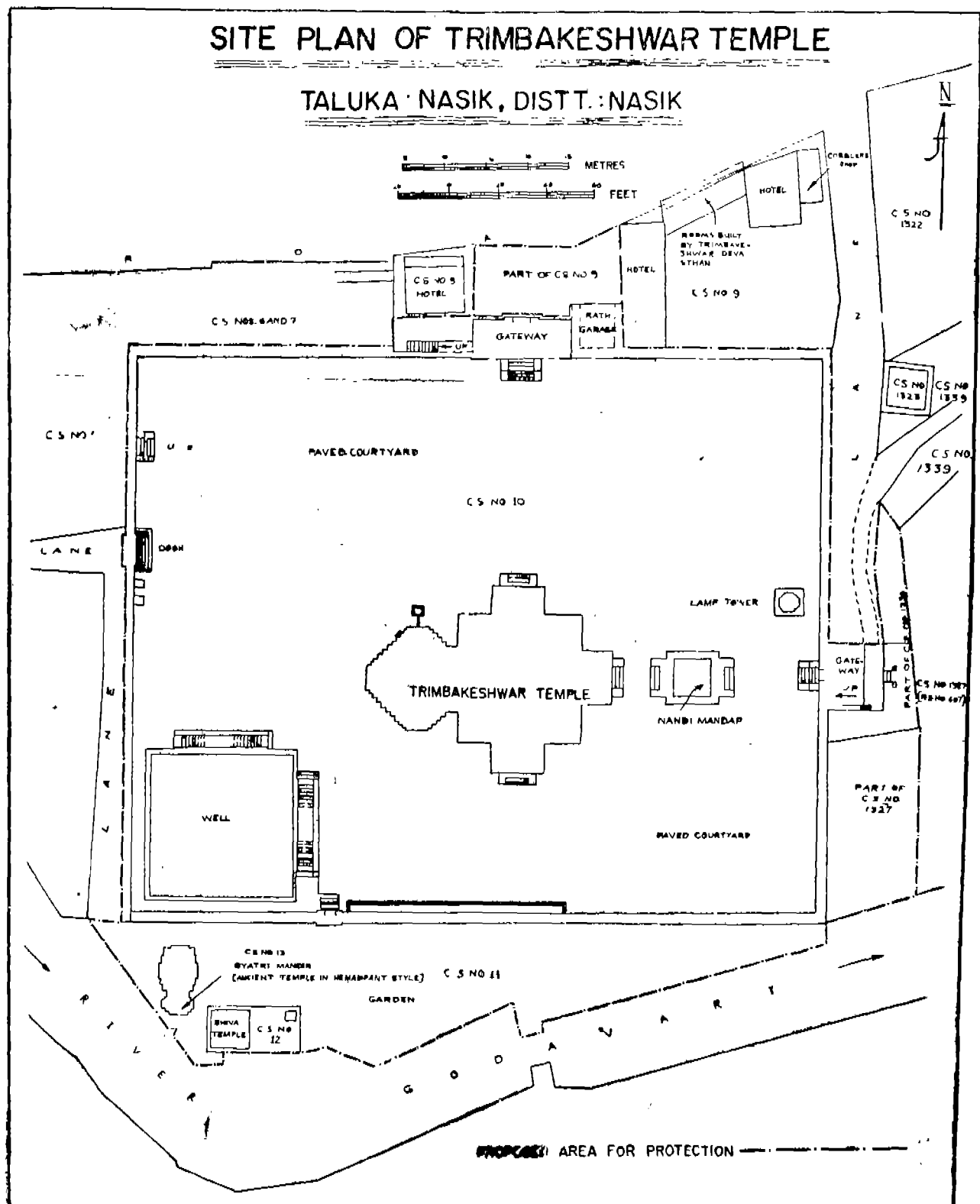
And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th May, 1985;

And whereas no objection from the public have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Schedule hereto annexed to be of national importance.

#### SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monuments	Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Maharashtra	Nasik	Nasik	Tryambak	Tryambakeshwar Temple and adjoining Gayatri and Shiv Temples along with area comprised in survey plot numbers 10, 11, 12, 13 and parts of survey plot numbers 9, 1327 and 1339 as shown in the site plan reproduced below	Survey plot numbers 10, 11, 12, 13 and parts of survey plot numbers 9, 1327 and 1339 as shown in the site plan reproduced below	.7306 Hectares	North.—Survey plot Numbers 6, 7, 8 and remaining portion of survey plot number 9 East.—Remaining portion of survey plot numbers 1339, 1327 and public lane South.—River Godavari West.—Survey plot numbers 1, public lane and river Godavari	Government except Survey plot No. 1327 which is under private ownership	Under worship



का. प्रा. 509.—केन्द्रीय सरकार ने, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और भवशेष नियम, 1959 के नियम 31 के उपनियम (1) के अधीन प्रेषित के अनुसार भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की एक अधिसूचना सं. का. प्रा. 1821 तारीख 15 अप्रैल, 1985 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट किले के भीतर के सभी निजी भूमियों का सन्निर्माण के प्रयोजनों के लिए प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित करने के अपने आशय की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रति उस क्षेत्र के समीप एक सहृदय स्थान पर लगा दी गई थी,

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 29 अप्रैल, 1985 को उपलब्ध करा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त नियमों के नियम 32 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त क्षेत्रों को सन्निर्माण प्रयोजनों के लिए प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित करती है।

#### अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	भवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन क्षेत्र सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लॉट संख्यांक	क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7
आंध्र प्रदेश	हैदराबाद	गोलकुंडा	गोलकुंडा	गोलकुंडा किला	किले के भीतर सभी प्राईवेट भूमि	

[सं. 8 / 1 / 85 -एम.]

एम. एस. नागराज राव, महानिदेशक एवं  
पदेन संयुक्त सचिव

S.O. 509.—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O. 1821, dated the 15th April, 1985, the Central Government gave notice of its intention to declare all private land within the fort specified in the Schedule annexed hereto to be prohibited areas for purpose of constructions and a copy of the said notification was affixed on a conspicuous place near the area as required under sub-rule (1) of rule 31 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 29th April, 1985;

And whereas no objection have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 32 of the said rules, the Central Government hereby declares the said areas to be prohibited areas for purpose of constructions.

#### SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Details of the area declared prohibited	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Andhra Pradesh	Hyderabad	Golconda	Golconda	Golconda Fort	All private land within the fort	—

[No. 8/1/85—M]

M.S. NAGARAJA RAO, Director General and  
Ex-Officio Jt. Secy.

## अंतरिक्ष विभाग

बंगलौर, 2 जनवरी, 1986

का. अ. 510.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) द्वितीय, संशोधन नियम, 1986 है।
- (ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 में :—

- (i) नियम 11 के उप-नियम 8 के (ख) खण्ड में मद (ii) और (iii) को छोड़ा जायेगा और मद (iii) को मद (ii) के रूप में पुनः अंकित किया जायेगा।

[सं. 2/9(1)/85-1(-)]

टिप्पण : अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 तारीख 1-4-1976 को का. अ. सं. 270(ई) द्वारा भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 1-4-76 में प्रकाशित किया गया था। और तत्पश्चात् निम्न प्रकार संशोधन किए गए :—

क्रम सं.	अधिसूचना सं.	दिनांक
1.	2/10(32)/76-I	10-02-1977
2.	2/10(32)/76-I	16-05-1977
3.	2/10(27)/76-I	01-08-1977
4.	2/7(5)/77-I	15-02-1978
5.	2/7(5)/77-I	27-05-1978
6.	2/9(12)/74-III(I)	16-03-1979
7.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
8.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
9.	9/4(1)/80-III	05-09-1980
10.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
11.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
12.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
13.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
14.	2/8(1)/81-I	28-08-1981
15.	2/8(1)/81-I	16-07-1982
16.	2/9(1)/83-I(V)	29-07-1985

## DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore, the 2nd January, 1986

S. O. 510:—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely :—

1. (i) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Second Amendment Rules, 1986.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

## 2. In the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976:—

- (i) in Clause (b) of sub rule 8 of rule 11, items (ii) and (iv) shall be omitted and item (iii) shall be renumbered as item (ii).

[No. 2/9(1)/83-I(V)]

Note : The Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, were published vide S. O. 270 (E), dated 1-4-1976 in the Gazette of India (Extraordinary), Part-II, Section 3, Sub-section(ii), dated 1-4-1976 and have been subsequently amended by:—

Sl. No.	Notification No.	Dated
1.	2/10(32)/76-I	10-02-1977
2.	2/10(32)/76-I	16-05-1977
3.	2/10(27)/76-I	01-08-1977
4.	2/7(5)/77-I	15-02-1978
5.	2/7(5)/77-I	27-05-1978
6.	2/9(12)/74-III(I)	16-03-1979
7.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
8.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
9.	9/4(1)/80-III	05-09-1980
10.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
11.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
12.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
13.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
14.	2/8(1)/81-I	28-08-1981
15.	2/8(1)/81-I	16-07-1982
16.	2/9(1)/83-I(V)	29-07-1985

का. अ. 511.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) प्रथम संशोधन नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 की सूची में, "शार केन्द्र" शीर्षक और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित शीर्षक और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएँगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
"इसरो दूरमिति, अनवर्तन और आवेग जाल (इस्ट्रेक)				
समूह "ख"				
वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद प्रशासनिक अन्य पद	निदेशक इस्ट्रेक	निदेशक इस्ट्रेक	सभी	अध्यक्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

1	2	3	4	5
समूह "न"	उप	उप	तभी	निर्देशक
श्री	निदेशक	निदेशक		इस्टैक।"
समूह "ब"	इस्टैक	इस्टैक		

[सं. 2/5(1)/85-V]

टी. एस. वेंकटरामन, अधीन सचिव

टिप्पण: प्रधान नियमों को दिनांक 1-4-1974 के अधिसूचना सं. 2/9(12)/74-III(i) द्वारा भारत के राजपत्र (प्रसाधारण), भाग-II, खण्ड 3, उप खण्ड (ii) में दिनांक 1-4-76 में प्रकाशित किया गया और तत्पश्चात् निम्न प्रकार संशोधन किये गये :—

क्र. सं.	अधिसूचना सं.	दिनांक
1.	2/10(32)/76-I	10-02-1977
2.	2/10(32)/76-I	16-05-1977
3.	2/10(27)/76-I	01-08-1977
4.	2/7(5)/77-I	15-02-1978
5.	2/7(5)/77-I	27-05-1978
6.	2/9(12)/74-III (1)	16-03-1979
7.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
8.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
9.	9/4(1)/80-III	05-09-1980
10.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
11.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
12.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
13.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
14.	2/8(1)/81-I	28-08-1981
15.	2/8(1)/81-I	16-07-1982
16.	2/9(1)/83-I(V)	29-07-1985

S. O. 511 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) First Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, after the heading "SHAR Centre" and the entries relating thereto, the following heading and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5
"ISRO TELEMETRY, TRACKING AND COMMAND NETWORK (ISTRAC)"				
Group B				
Scientific and Technical Posts	Director	Director	All	Chairman, Indian Space Research Organisation.
Administrative/other posts				
	ISTRAC	ISTRAC		

1	2	3	4	5
Group C and Group D	Deputy Director	Deputy Director	All	Director ISTRAC."
	ISTRAC	ISTRAC		

[No. 2/5(1)/85-V]

T. S. VENKATARAMAN, Under Secy.

Notes:—Principal rules were published vide Notification No. 2/9(12)/74-III(I) dated 1-4-1976 in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 1-4-1976 and have been subsequently amended by :—

Sl.	Notification No.	Dated
1.	2/10(32)/76-I	10-02-1977
2.	2/10(32)/76-I	16-05-1977
3.	2/10(27)/76-I	01-08-1977
4.	2/7(5)/77-I	15-02-1978
5.	2/7(5)/77-I	27-05-1978
6.	2/9(12)/74-III(I)	16-03-1979
7.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
8.	9/4(1)/80-III	26-05-1980
9.	9/4(1)/80-III	05-09-1980
10.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
11.	9/4(1)/80-III	13-10-1980
12.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
13.	9/4(1)/80-III	20-12-1980
14.	2/8(1)/81-I	28-08-1981
15.	2/8(1)/81-I	16-07-1982
16.	2/9(1)/83-I (V)	29-07-1985

## परिवहन मंत्रालय

(सतह परिवहन विभाग)

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1986

का. प्रा. 512.—कोचीन डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1959 का और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्राकर, जिसे केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाया चाहती है, उक्त उपधारा की धाराओंनुसार ऐसे सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिसके उसके प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राकर पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर; जो उक्त अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रकर की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्राकर स्कीम

1. इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कोचीन डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) (संशोधन) स्कीम, 1986 है।

2. कोचीन डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1959 की अनुसूची में, मद (छ) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतर्स्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"(ज) मिसान/टैबल पर्यवेक्षक"

[सं. एनडीएस/18/82-एन. 1V]

बी. शंकरलिंगम, उप सचिव,

पाव टिप्पण :—मूल स्कीम अम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 1310, तारीख 6 जून, 1969 के द्वारा प्रकाशित की गई थी, और बाद में उसका अम और रोजगार मंत्रालय की निम्नलिखित अधिसूचनाओं सं. द्वारा संशोधित किया गया :

1. 65/10/68-कारखाना II तारीख 11-10-1968
2. 63/14/19-कारखाना II तारीख 25-9-1969
3. 522/27/65-कारखाना II तारीख 8-2-1971
4. 528/181/65-कारखाना II पोएंडडी तारीख 21-4-1971
5. 6/9/69-कारखाना II तारीख 22-6-1971
6. 65/15/68-कारखाना II तारीख 2-7-1971
7. 54/8/70-पोएंडडी तारीख 27-8-1971
8. 54/13/70-पोएंडडी तारीख 17-11-1971
9. 54/11/70-पोएंडडी तारीख 31-1-1972
10. एस. 68018/1/71-पोएंडडी (vii) तारीख 29-7-1972
11. V/12025/2/72-पोएंडडी तारीख 27-3-1973
12. एस-68018/1/71 पोएंडडी (vii) तारीख 11-6-1973
13. 54/11/72-पोएंडडी तारीख 25-6-1973
14. V-12015/2/72-पोएंडडी तारीख 21-11-1973
15. एस 70025/9/74 एल डी तारीख 25-3-75
16. एस.-70025/1/74 vii तारीख 19-12-1975
17. एस-11013/3/74-पोएंडडी (V) तारीख 13-2-1975

और नौवहन और परिवहन मंत्रालय की निम्नलिखित अधिसूचना सं. द्वारा संशोधन किया गया :—

1. एलडीएक्स/5/67 तारीख 23-11-1976
2. एलडीएक्स/6/77 तारीख 2-1-1978
3. एलडीएक्स/14/79 तारीख 23-5-1979
4. एलडीओ/183/77-डीआई तारीख 4-8-1980
5. एलडीओ 107/84-एल.-II तारीख 8-10-1985

MINISTRY OF TRANSPORT  
(Department of Surface Transport)  
New Delhi, the 21st January, 1986.

S.O. 512.—The following draft of a Scheme further to amend the Cochin Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1959, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is hereby published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected hereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be considered by the Central Government.

#### DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Cochin Dock Workers (Regulation of Employment) (Amendment) Scheme, 1986.

2. In the Cochin Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1959, in the Schedule after item (g) the following item shall be inserted, namely :—

“(h) Tally/Table Supervisor”.

[F. No. LDX/18/82-L.IV]  
V. SANKARALINGAM, Dy. Secy.

Foot Note :—

The original scheme was published with the Ministry of Labour and Employment Notification No. S.O. 1310 dated the 6th June, 1959 and has subsequently been amended with the Ministry of Labour and Employment Notification Nos. :

1. 65/10/68-Fac. II dated 11-10-1968
2. 63/14/69-Fac. dated 25-9-1969.
3. 522/27/65-Fac. II dated 8-2-1971
4. 528/183/65-Fac. II dated 21-4-1971
5. 63/9/69-Fac. II dated 22-6-1971
6. 65/15/68-Fac. II dated 2-7-1971
7. 54/8/70-P&D dated 27-8-1971
8. 54/13/70-P&D dated 17-11-1971
9. 54/11/70-P&D dated 31-1-1972
10. S.68018/1/71-P&D(VII) dated 29-7-1972
11. V/12025/2/72-P&D dated 27-3-1973
12. S.68018/1/71-P&D(VII) dated 11-6-1973.
13. 54/11/72-P&D dated 25-6-1973.
14. V.12025/2/72-P&D dated 21-11-1973
15. S-70025/9/74/LD dated 25-3-75
16. S.70025/1/74/VII-P&D/LD/VII dated 19-12-1975
17. H.11013/3/74-P&D(V) dated 14-2-1975 and Ministry of Shipping and Transport Notification Nos. :
1. LDX/5/76 dated 23-11-1976
2. LDX/6/77 dated 2-1-1978
3. LDX/14/79 dated 23-5-1979
4. LDO/183/77-D.I dated 4-8-1980.
5. LDO/107/84-L.II dated 8-10-1985.

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1986

का. भा. 513—केंद्रीय सरकार, राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड नियम, 1960 के साथ पठित बाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित सदस्यों के साथ राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड का गठन करती है और श्री सुभाषचंद्र बोस अल्लुरी को उक्त बोर्ड का अध्यक्ष नामित करती है, अर्थातः—

- |   |                               |
|---|-------------------------------|
| 1. श्री सुभाष चन्द्र बोस अल्लुरी—   | अध्यक्ष                       |
| 2. श्री गुरुदास कामस, संसद सदस्य  | } लोक सभा द्वारा चुने गये     |
| 3. श्री जुल्फिकार अली खान, संसद सदस्य   |                               |
| 4. श्री एन. वेंकट रत्नम, संसद सदस्य   |                               |
| 5. श्रीमती उषा ठाकर संसद सदस्य  |                               |
| 6. श्री आर. मोहनरंगम संसद सदस्य   | } राज्य सभा द्वारा चुने गये   |
| 7. डा. जोसेफ नियोन डीसूजा संसद सदस्य  |                               |
| 8. सचिव, परिवहन मंत्रालय,<br>(जल मूल परिवहन विभाग)<br>या इनके द्वारा नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव स्तर से कम न हो। | } केंद्रीय सरकार के प्रतिनिधि |
| 9. सचिव, बाणिज्य मंत्रालय<br>अथवा इनके द्वारा नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव स्तर से कम न हो                         |                               |
| 10. नौसेना के उप मुख्य,<br>नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय,   |                               |
| 11. वित्तीय सलाहकार, परिवहन मंत्रालय<br>(जल-मूल परिवहन विभाग)   |                               |
| 12. नौवहन महानिदेशक, बम्बई  |                               |
| 13. अध्यक्ष व प्रबंध निवेशक,<br>भारतीय नौवहन निगम लि. बम्बई   |                               |
| 14. कैप्टन आर. डी. कोहनी  |                               |
| 15. श्रीमती सुमति मोरारजी   |                               |
| 16. श्री के.ई. सुब्बिया   |                               |
|   | पोस्ट मालिकों के प्रतिनिधि    |

भारतीय समुद्री संघ के प्रतिनिधि

17. डा. लियो बर्नीज	नाविकों के प्रतिनिधि	14. Capt. R.D. Kohli	} Representatives of Shipowners.
18. डा. एस. के. पान्धे		15. Shrimati Sumati Morarji	
19. श्री बी. डी. चौगुले	ग्रान इंडिया मिफर्स काउन्सिल के प्रतिनिधि	16. Shri K.E. Sukhia	
20. श्री क. एस. जी. हज गरीफ	इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के परिमिश के प्रतिनिधि	17. Dr. Leo Barnes	} Representative of Mar time Union of India.
		18. Dr. M.K. Pandhe	
21. श्री डी. एम. पारेख	पालपोस उद्योग के प्रतिनिधि	19. Shri V.D. Chowgule	Representative All India Shippers' Council.
22. श्री के.ए. स्वामी,	भूतपूर्व संसद सचिव	20. Shri K.S.G. Haja Shareff	Representative of Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry.
2. केन्द्रीय सरकार श्री एन. के. प्रसाद नीवहन उप महानिदेशक को उक्त बोर्ड का पतेन सचिव नियुक्त करती है।		21. Shri D.M. Parekh	Representative of Sailing Vessels Industry.
[सं एन. डब्ल्यू/एम एस. बी—4/85 एम. एल.]		22. Shri K.A. Swami, Ex-M.P.	
डी. डी. सूद, सचिव			

(Shipping Wing)

New Delhi, the 29th January, 1986

S.O. 513.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rule 3 of the National Shipping Board Rules, 1960, the Central Government hereby establishes a National Shipping Board consisting of the following members and nominates Shri Subhas Chandra Bose Alluri, to be the Chairman of the said Board, namely:—

1. Shri Subhas Chandra Bose Alluri	CHAIRMAN
2. Shri Gurudas Kamat, M.P.	} Elected by the Lok Sabha
3. Shri Zulfikar Ali Khan, M.P.	
4. Shri N. Venkata Ratnam, M.P.	} Elected by the Rajya Sabha
5. Shrimati Usha Thakkar, M.P.	
6. Shri R. Mohanaragam, M.P.	} Central Government Representatives
7. Dr. Joseph Leon D'Souza, M.P.	
8. Secretary, Ministry of Transport. (Department of Surface Transport) or his nominee not below the level of Joint Secretary.	
9. Secretary, Ministry of Commerce or his nominee not below the level of Joint Secretary.	
10. Deputy Chief of Naval Staff, Naval Headquarters, Ministry of Defence.	
11. Financial Adviser, Ministry of Transport (Department of Surface Transport)	
12. Director General of Shipping, Bombay	
13. Chairman and Managing Director, Shipping Corporation of India Limited, Bombay.	

2. The Central Government appoints Shri N.K. Prasad, Deputy Director General of Shipping to be ex-officio Secretary of the said Board.

[No. SW/MSB-4/85-SL]

D.D. SOOD, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1986

का. आ. 514.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं.

तारीख 11-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।



## अनुसूची

सी. टी. एफ. सोभासन से पी. जी. एम. -1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : और तालुका :—महसना

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टर	घर	मेन्टीमर
पुनासन	126	0	01	15
	127	0	07	20
	116	0	01	60
	115	0	01	40
	114	0	03	50

[सं. O-12016/35/85-ओ. एन. जी.-डी.-4]

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 1st January, 1986

S.O. 514.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1809 dated 11-4-85 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from CTF Sobhasan to GGS I.

Stat : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectares	Area	Can-taire
Punasan	126	0	01	15
	127	0	07	20
	116	0	01	60
	115	0	01	40
	114	0	03	50

[No. O-12016/35/85-ONG-D84]

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1986

का. आ. 515,—यसः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.के.ई.जी. से 1454 GI 85—9

एन.के.जी.जी.एस.-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन.के.ई.जी.एस.-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन.के.ई.जी.एस.-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

बतलें कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईपलाइन बिछाने के लिये आशय सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल विभाग, मकरपुरा, रोड, वडोदरा-9 को इस अधिभूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर संकेत।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कवन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उक्त भूमि में पाईपलाइन बिछाने के लिये आशय सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

## अनुसूची

एन.के.ई.जी. से एन.के.जी.जी. एस-II तक पाईप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य—गुजरात जिला—महसना तालुका—विरमगाम

गांव	स.नं.	हेक्टर	घर	मेन्टीमर
बालसासन	395/2	0	11	28
	394	0	04	32
काटे ट्रेक		0	01	50
402/5		0	03	36
402/6		0	04	86
402/3		0	07	20
413		0	01	26

[सं. ओ-12016/5/86-ओ. एन. जी.-डी.-4]

New Delhi, the 27th January, 1986

S.O. 515.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NKEG to NKGSII in Gujarat State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra (390 009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from D.S. No. NKEG to NK GGS II State : Gujarat  
- District : Ahmedabad Taluka : Virengam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Balsasan	395/2	0	11	28
	394	0	04	32
	Cart track	0	01	53
	407/5	0	03	36
	402/6	0	04	86
	402/3	0	07	29
	4137	0	01	26

[No. O-12016/5/86-ONG-D-4]

का. आ. 516—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बालोल-3 से एस. एस. सी. टी. एफ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए अधीन सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशय करने वाला कोई व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बालोल-3 से एस. एस. सी. टी. एफ. तक पाइप लाइन बिछाने के लिये  
राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाणा

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	एअरई सेंटीमटर
कसलपुरा	802	0	10 20
	812	0	04 90
	819	0	06 96
	817	0	11 52
	816	0	05 04
	कार्ट ट्रैक	0	00 72
	833	0	07 20
	832	0	00 60

[सं. ओ-12016/6/86-ओ एन जी-डी-4]

S.O. 516.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from 3 Balol to SSCTF in Gujarat State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra (390 009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from D.S. No. 3 Balol to S.S. CTF State : Gujarat  
District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centi-are
Kasalpura	802	0	10	20
	812	0	04	90
	819	0	06	96
	817	0	11	52
	816	0	05	04
	Cart track	7	00	72
	833	0	07	20
	832	0	00	60

[No. O-12016/6/86-ONG-D 4]

का. आ. 517.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1825 तारीख 26-5-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देश किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की दशा में तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी दशाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

बीरजे डी से जी. जी. एफ. बीरजे तक पाइपलाइन बिछाने के लिये  
राज्य—गुजरात जिला—मेहसाणा तालुका—कडी

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	एअरई सेंटीमटर
बीरजे	458	0	05 00
	459	0	11 70
	461	0	08 70

[सं. ओ-12016/34/84-ओ एन जी-डी-4]

S.O. 517.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1825 dated 26-5-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further is exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from VJD to GGS VIRAJ

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Viraj	458	0	05	00
	459	0	11	70
	461	0	08	70

[No. O-12016/34/84-ONG-D-4]

का. आ. 518.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1924 तारीख 26-5-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

का. जे. डा. से. जो. जी. एस. विराज

राज्य.—गुजरात जिला.—मेहसाणा तालुका.—कडी

गांव	सर्वे. न.	हेक्टेयर	मारे.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
नानी कडी	132/बी	0	02	88
	133	0	02	88

[सं. O-212016/35/84-ओ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 518.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1924 dated 26-5-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further is exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from VJD to GGS Viraj

State : Gujarat District - Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Nani Kadi	132/B	0	02	88
	133	0	02	88

[No. O-12016/35/84-ONG-D-4]

का. आ. 519.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2120 तारीख 27-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा दत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बावजूद तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

ऐन. के. 34 से ऐन. के. जी. जी. एस. 1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाना

गांव	सं. नं.	हेक्टेयर एभारर्स सेंटीभर
भटारिया	72/3	0 09 40
	72/2	0 10 60
	71/1ए	0 07 20
	71/2ए	0 02 70
	71/3ए	0 04 90
	71/4	0 07 90
	65/1	0 07 70
	65/2	0 10 80
	65/3	0 03 40
	65/7	0 14 90
	64/9	0 09 20
	87	0 10 90

[सं. O-12016/47/85-ओ. एस. जी.-बी.-4]

S.O. 519.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2120 dated 27-4-85 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declares in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHE  
Pipeline from NK-34 GGS I  
State : Gujarat District & Taluha Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Aro	Centi-are
Bhataria	72/3	0	09	40
	72/2	0	10	60
	71/1A	0	07	20
	71/2A	0	02	70
	71/3A	0	04	90
	71/4	0	07	90
	65/1	0	07	70
	65/2	0	10	80
	65/3	0	03	40
	65/7	0	14	90
	64/9	0	09	20
	87	0	10	90

[No. O-12016/47/85-ONG-D-4]

का. आ. 520.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2142 तारीख 8-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बावजूद तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

141 से ऐन. के. जी. जी. एस. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य—गुजरात	जिला—धर्महाबाद	तालुका—विरमगाम
गांव	सं. नं.	
तेलावी	33	0 06 36
	34	0 05 52
	35	0 20 46
	कालें ट्रेक	0 00 72

[सं. O-12016/63/85-ओ. एस. जी.-बी.-4]

S.O. 520.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2142 dated 8-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from NK-141 to NK GGS III

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Telavi	33	0	05	36
	34	0	05	52
	35	0	20	46
Cart track		0	00	72

[No. O-12016/53/85-ONG-D4]

का. आ. 521.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2388 तारीख 17-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एम्. बी. डी. थार से सी. टी. एफ. सोभासन तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य—गुजरात	जिला व	वायुका—मेहसाणा			
गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	एयार्ड	सेन्टिअर	
पुनासन	119	0	16	08	
	118	0	08	76	
	127	0	06	48	
	126	0	02	04	

[सं. O-12016/59/85—ओ. एन. जी. डी.—4]

S.O. 521.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2388 dated 17-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from SBDR to CTF SOB

State Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Punasan	119	0	16	08
	118	0	08	76
	127	0	06	48
	126	0	02	04

[No. O-12016/59/85-ONGD-4]

का. आ. 522.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 2390 तारीख 18-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार 2390 तारीख 18-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट

भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देशन किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एन. के. ई. एल. से एन. के. इ. एम. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य--गुजरात जिला--मेहसाणा तालुका--वडो

गांव	सं. नं.	हेक्टेयर	एग्रारई	सेण्टीयर
सुरज	654	0	08	88
	655	0	05	52
	कार्ट ट्रैक	0	01	44
	716	0	09	36
	715	0	07	68
	714	0	04	08
	707/पी	0	05	76
	707/पी	0	07	80
	708	0	06	72
	700/1 पी	0	07	44
	700/1 पी	0	07	56
	700/1 पी	0	12	72
	693	0	06	48
	694/1	0	06	12

[सं. O-12016/61/85-अ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 522.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 2390 dated 18-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from NKEI to NKEM

State Gujarat District : Mehsana : Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Suraj	654	0	08	88
	655	0	05	52
	Cart track	0	01	44
	716	0	09	36
	715	0	07	68
	714	0	04	08
	770/P	0	05	76
	707 P	0	07	80
	708	0	06	72
	700/2P	0	07	44
	700/1P	0	07	56
	700/1P	0	12	72
	693	0	06	48
	694/1	0	06	12

[No. O-12016/61/85-ONG-D4]

का. जा. 523.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2391 तारीख 18-5-85 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्देशन किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एन. के. 141 से एन. के. जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य--गुजरात जिला व तालुका--मेहसाणा

गांव	प्लॉक नं.	हेक्टेयर	एग्रारई	सेन्टीयर
धानपुरा	297	0	04	56
	कार्ट ट्रैक	0	01	08

[सं. O-12016/62/85-अ. एन. जी.-डी. 4]

S.O. 523.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2391 dated 18-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from NK-141 to NK GGS III.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Dhanpura	297	0	04	56
	Cart track	0	01	08

[No. O-12016/62/85-ONGD-4]

का. आ. 524.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2904 तारीख 10-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

पाइप लाइन एनोड बेड में वायर बेड सी. पी. स्टेशन तक

राज्य—गुजरात	जिला—प्रहमदाबाद	तालुका—वीरमगम
गांव	सर्वेक्षण	हेक्टेयर आर. सर्टीफ़ाई
तेलावी	209/9	0 02 35

[सं. O-12016/71/85-ओ. एन. जी.-ई.-4]

S.O. 524.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2904 dated 10-6-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from anode bed and wire bed C.P. Station

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam]

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Telavi	209/9	0	02	35

[No. O-12016/71/85-ONG-D-4]

का. आ. 525.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2910 तारीख 14-6-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित

करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन दिखाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एस.—एन. बी. ए. से एस. एस. एसी. टी. फ. तक पाइप लाइन दिखाने के लिये।

राज्य : गुजरात	जिला : तालुका : मेहसाणा			
गाँव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
कमलपुरा	806	0	10	92
	808	0	09	92
	809	0	11	40
	813	0	01	08
	कार्टट्रैक	0	03	00
	857	0	03	48

[सं. O-12016/74/85-ओ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 525.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2910 dated 14-6-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification, hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from SNBA to S.S. CTF

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centi-are
Kasarpura	806	0	10	92
	808	0	09	92
	809	0	11	40
	813	0	01	08
	Cart track	0	03	00
	857	0	03	48

[No. O-12016/74/85-ONGD-4]

का. आ. 526.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2394 तारीख 20-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को दिखाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन दिखाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एस. एन. ए. सी. से एस. एन. ए. कार्ट. तक पाइप लाइन दिखाने के लिये।

राज्य—गुजरात	जिला व तालुका—मेहसाणा			
गाँव	सं. नं.	हेक्टेयर	एआरडी	सेन्टीयर
संथाल	448	0	17	70
	468	0	04	80
	469	0	13	80
	470	0	04	90

[सं. O-12016/64/85 ओ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 526.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 2394 dated 20-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;



And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

### SCHEDULE

Pipeline from SNAZ to SNAI

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
				are
Santhal	448	0	17	70
	468	0	04	80
	469	0	13	80
	470	0	04	90

[No. O-12016/64/85-ONG-D-4]

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1986

का. आ. 527.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिवृत्त का. आ. सं. 171 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

बव, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

### अनुसूची

भार. ओ. डब्ल्यू. एस. जे. जे. एस-2

मे विन्ही जंमन गेईण्ट तक

राज्य—प्रसम जिला—शिबसागर तालुक प्रायखेल

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टेर	ऐरे	सेन्टिमे
1	2	3	4	5
भूतिया गांव	252/ख	0	2	68
	253/ख	0	13	76
	286/ख	0	17	51
	291/ख	0	3	34

1444 GI/85

1	2	3	4	5
नरिया गांव	292/ख	0	0	80
	311/ख	0	9	77
	312/ख	0	6	29
	356/ख	0	2	14
	356/ग	0	2	14
	357/ख	0	2	14
	494/ख	0	7	63
	494/क	0	2	14
	496/ख	0	6	42
	517/ख	0	2	68
	518/ख	0	6	96
	519/ख	0	13	38
	519/ग	0	8	03
	520/ख	0	2	01
	520/ग	0	0	54
	497/ख	0	3	21
	812/ख	0	1	47
	813/ख	0	21	41
	849/ख	0	5	22
	851/ख	0	8	96
	852/ख	0	2	41
	881/ख	0	4	68
	913/ख	0	10	43
	914/ख	0	23	41
	937/ख	0	5	75
	938/ख	0	25	96
	963/ख	0	11	51
	963/ग	0	16	59
	964/ख	0	1	34
	989/ख	0	63	41
	992/ख	0	9	36
	993/ख	0	3	61
	1026/ख	0	14	58
	1034/ख	0	10	30

[सं. O-12016/121/84-ओ. एन. जी.—डी 4]

पी. के. राजगोपालन, हेड प्राधिकारी

New Delhi, the 31st January, 1986

S.O. 527.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 171 dated 5-1-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## LAND SCHEDULE

R.O.U. from Geleki GGS. 2 to Dikhow Junction Point

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Chutia Gaon: 252/Kha		0	2	68
253/Kha		0	13	78
286/Kha		0	17	51
291/Kha		0	3	34
292/Kha		0	0	80
311/Kha		0	9	77
312/Kha		0	6	29
356/Kha		0	2	14
356/Ga		0	2	14
357/Kha		0	2	14
494/Kha		0	7	63
494/Fa		0	2	14
496/Kha		0	6	42
517/Kha		0	2	68
518/Kha		0	6	96
519/Kha		0	13	38
519/Ga		0	8	03
520/Kha		0	2	01
520/Ga		0	0	54
497/Kha		0	3	21
812/Kha		0	1	47
813/Kha		0	21	41
849/Kha		0	5	22
851/Kha		0	8	96
852/Kha		0	2	41
881/Kha		0	4	68
913/Kha		0	10	43
914/Kha		0	23	41
937/Kha		0	5	75
938/Kha		0	25	96
963/Kha		0	11	51
963/Gha		0	16	59
964/Kha		0	1	34
989/Kha		0	63	41
992/Kha		0	9	36
993/Kha		0	3	61
1026/Kha		0	14	58
1034/Kha		0	10	30

[No. O-12016/121/84-ONG-D4]

P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1986

का. नं. 528 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स मेहता चैरिटेबल प्रजालय ट्रस्ट, जे/116/2, जी. आई. डी. सी. इन्डस्ट्रियल इस्टेट, धर्मराम जिला बुलसर (गुजरात) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है

कि कर्मचारी विधिवे निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (27)/86-एस. एस-2]

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd January, 1986

S.O. 528.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Labaids Engineering Company, J116/2, G.I.D.C., Industrial Estate, Umbergaon, District, Bulsar (Gujarat), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(27)/86-SS-II]

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1986

का. घा. 528 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स मेहता चैरिटेबल प्रजालय ट्रस्ट, महेश नगर पो. घा. घायल कस्बा उम्मा (हिमाचल प्रदेश) नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी विधिवे निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (21)/86-एस. एस-2]

New Delhi, the 27th January, 1986

S.O. 529.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mehta Charitable Prajhalaya Trust, Mahesh Nagar, P.O. Qel Dist. UNA (H.P.), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(21)/86-SS-II]

का. घा. 530 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स प्रभुस रवत एंड सेटकस कन्सल्टिंग सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड-9, पन्तुलाम रोड, मद्रास-2 और इसकी नं. 12 बालास गार्डन बर्ड गली, मद्रास-6 में स्थित पंजीकृत कार्यालय और 3 कनव हाउस रोड, मद्रास 2 स्थित बर्कस नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी विधिवे निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/50/86-एस. एस-2]

S.O. 530.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prabhus Rubber and Latex Consultancy Service Private Limited, 9, Pattollas Road, Madras-2, including Regd. Office No. 12, Wallace Gardens, 3rd ST, Madras-6 and works at 3 Club House Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(50)/86-SS-II]

का. धा. 531:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स कर्मा एंड इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रिज 2/11, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, गोरवा, बड़ोदा नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (501)/85-एस. एस.-2]

S.O. 531.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pharma and Engineering Industries, 2/11, Industrial Estate, Gorwa Baroda, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(501)/86-SS-II]

का. धा. 532:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स जनता रेस्टोरेंट, कलम विद्यानगर, तालुका आनन्द जिला कायरा (गुजरात) नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (504)/85-एस. एस.-2]

S.O. 532.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Janta Restaurant, Vallabh Vidyanagar, Taluka Anand DIST. (Kaira), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(504)/85-SS-II]

का. धा. 533:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स ए. पी. आर. यूनिट 13, पेरियार रोड, मद्रास-600017 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (505)/85-एस. एस.-2]

ए. के. भट्टारार्थ, प्रवर सचिव

S.O. 533.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A. P. R. Unit, 13, Periyar Road, Madras-600017, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35019(505)/85-SS-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1986

का. धा. 534:—केन्द्रीय सरकार, अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गुजरात राज्य में ओलपद में गैस एक्शन करने वाले स्टेशन में तेल और प्राकृतिक गैस का प्रयोग द्वारा नियोजित व्यक्तियों को, सरकार राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के तारीख से दो वर्षों के अवधि के लिए उक्त अधिनियम के, उसकी धारा 36, 40, 43, 45, 46 और 48 को छोड़कर अध्याय VI के उपबंधों के प्रवर्तन से इस बात के सम्मर्धान छूट देती है कि उक्त व्यक्ति—

- (i) किसी भी दिन बारह घंटे से अधिक के लिए नियोजित नहीं किए जाएंगे;
- (ii) एक ही दोर में चौदह दिन से अधिक के लिए नियोजित नहीं किए जाएंगे;
- (iii) उन्हें एक ही दोर में चौदह दिन तक काम करने के पश्चात् काम से कम चौदह दिन की अवधि के लिए विश्राम मंजूर किया जाएगा।

[सं. एस-29014/82-एस-1]

एस. के. नारायणन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd January, 1986

S.O. 534.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts for a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, the persons employed by the Oil and Natural Gas Commission in the Gas Collecting Station at Olpad in the State of Gujarat from the operation of the provisions of Chapter VI of the said Act except sections 36, 40, 43, 45, 46 and 48 thereof, subject to the conditions, that the said persons,

- (i) shall not be employed for more than twelve hours on any one day,
- (ii) shall not be employed for more than fourteen days at a stretch, and

(iii) shall, after they have worked for fourteen days, at a stretch, be granted rest for a period of not less than fourteen days.

[No. S-29014/8/82-MT]  
L. K. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1986

का. आ. 535—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, मेसर्स मनलिन एंड कंपनी बंबई के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम सं. 1, बंबई के पश्चात् को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9 जनवरी, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th January, 1986

S.O. 535.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the M/s. Menlyn and Company Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th January, 1986.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

Reference No. CGIT-21 of 1984

## PARTIES :

Employers in relation to M/s. Menlyn and Company.

AND

Their workmen.

## APPEARANCES :

For the employer.—Mr. D'Souza, Advocate.

For the workmen.—Mr. S. K. Shetye, General Secretary.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 24th day of October, 1985

## AWARD

This reference raises two questions which really do not admit of much controversy. Nevertheless, they have been argued at some length before me. The reference order reads as follows:—

"Whether the action of the management of Messrs Menlyn and Company, Bombay-400 009, in terminating the services of Shri Manekhan and 551 other Watchmen with effect from 10th January, 1983 is justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled?"

2. The Bombay Port Trust Employees Union filed a short statement of claim and also filed later a similarly short amendment application to that statement. It principally contended that the union had a membership amongst these watchmen workmen of the employer, Menlyn & Co. hereinafter referred to as employer. These 652 watchmen, according to it were in continuous employment of the employer and were retrenched on the ground that the Shipping Corporation had terminated its contract for the supply of watchmen with the employer, wherefor the employer was not in a position to give employment to the workmen. Its principal contention was that the employees have not been served with the notice of retrenchment, nor any notice pay or retrenchment compensation paid to them. Therefore, the retrenchment was in violation of the Industrial Disputes Act (S. 25F). The union, therefore prayed that the workmen should be reinstated and their salary and allowances paid with effect from 10th January, 1983, the day their services were terminated. Alternatively, retrenchment compensation

was demanded on account of wrongful termination of services.

3. By the amendment application filed on 9th of July, 1985, it amplified its contentions and modified that about 35 workmen were continued in service, while 625 were retrenched as aforesaid by the employer company. That these workmen were working not only on ships, but also at the godowns and warehouses and were working on different ships of different shipping companies, such as Oriental Shipping Co. Japan Liner, Maerak Lines, the Italian Shipping Line and M/s. D.B.C., etc. They were employed for about 20-30 days a month and had put in more than 240 days. The union also referred to an award delivered on the 26th August, 1977 in Reference No. CGIT-2 of 1975 by the CGIT-2, Bombay. It contended therefore that the employees were held to be dock workers in that reference and entitled to pay scales and other allowances as recommended by the Central Wage Board as subsequently modified by Wage Revision Committee for Port and Dock Workers of the Major Ports of India. According to it, the directions of the award were violated by the employer. I shall have occasion to refer to the award at a later stage.

4. For the employers, three defences to this statement of claim were raised in instalments. The employer company filed a written statement on 2nd April, 1985. Then, it sought an amendment and amended and added paragraph (a) to the said written statement. It then followed it up by an additional written statement filed on 25th July and a third application on 3rd September, 1985. The substance of contentions raised, though put in instalments, can be summarised in a few words. The employer's first contention was that the reference was misconceived and the dispute not being related to workmen working in a major port, Government of India was not a proper authority to refer dispute to the Tribunal; the employer was not an employer within the meaning of the S. 2(g) of the Industrial Disputes Act of the concerned workmen. According to it, the employer was really the Shipping Corporation of India and the employer company was nothing, but a mere recruiting agent, which has no concern, once the watchmen were recruited for them. The watchmen were, therefore, for all purposes employees of the Shipping Corporation and therefore the reference was misconceived, illegal and invalid. It pointed out that the Shipping Corporation was a party to the conciliation proceedings and discussions. It also contended by one of its amendments that the watchmen did not do continuous service at any time and that they were not in the employment of the company since a long time or so as alleged. That their services were intermittent and only temporary. They were employed only for work on the ships of the Shipping Corporation and for no other. When some of the watchmen were posted on watch duties at the godowns or container yards at places like Haji Bander, Reay Road etc., these places being outside the limits of Bombay Port, the Central Government was also not an appropriate Government to make the reference. Workmen all the time were working under the direct supervision and control of the Shipping Corporation, which also according to it, had the power to terminate the services of the watchmen. In that view, it contended that the reference should be rejected as not tenable, not competent, without jurisdiction and invalid.

5. At one stage of the proceedings, on the 14th of June, 1985, the employer also gave an application for summoning the Shipping Corporation of India as a party. That application was however, subsequently not pressed and was disposed of on 15th October, 1985.

6. It will be seen from the aforesaid summary of the contentions, both raised by the union as well as by the employer, that the union and the employer have not been precise in their contentions and have shown little application of mind, particularly to the terms of reference, relating to the 'relief'. I have already pointed out that the union's contention was that the termination of the services of the employees was a retrenchment which without payment of retrenchment compensation and notice pay was bad in law. However, the union did not take care either by evidence or by way of pleadings to say in its statement, as to which of the 652 workmen were working with the

employer company and from what date, and whoever have completed 12 months of continuous employment, as contemplated in terms of S. 25B of the Industrial Disputes Act.

7. The employer company also did not raise any contentions with regard to the relief to these workmen in case their contentions were not to be upheld. It concentrated only on the defence with regard to the maintainability of the reference and the jurisdiction of the Tribunal to adjudicate in the matter of this reference. The questions therefore which really arise in the present reference are firstly whether the concerned workmen are dock workers, within the meaning of the term 'dock workers' under the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948, and secondly whether the employer company is the employer of the concerned workmen or whether it was a mere recruiting agent of the Shipping Corporation. In the circumstances of absence of any pleadings and case by the parties, the question as to the relief to which the workmen will be entitled will have to be answered on the basis of the available evidence produced before me.

8. I do not think that there is any substance in the contention of the employer that the employees in question are not dock workers and secondly that this Tribunal has no jurisdiction to entertain this reference. I have already pointed out that the union in its statement of claim relied upon the award in Reference No. CGIT-2/2/75. That award was made on the 26th of August 1977, and was between the employer company and many other companies described as watchmen contractors and their workmen. One of the issues framed in that award for adjudication of that reference was as follows:—

"Whether the Watchmen and Head Watchmen are dock workers within the meaning of Section 2(b) of the Dock Workers' (Regulation of Employment) Act, 1918 and if so whether they are entitled to the wages recommended by the Central Wage Board for Port and Dock Workers?"

9. This issue was answered against the employers, who are watchmen contractors. Therefore, it is clear that the employees of the companies concerned and employer in the present case, who is party No. 1 to that reference, are and were and will have to be held to be dock workers. In spite of this finding and notwithstanding that there was a conclusive decision the employer company raised contentions regarding maintainability of reference and the jurisdiction of the Tribunal and the Central Government not being an appropriate Government and also the workmen being not dock workers or their employees. It also sought to lead evidence to show that the places where some of the workmen were doing watch duties, like Haji Bandar, Reay Road, etc. were outside the Port of Bombay. Even that contention is unsound as will be seen from the location, as produced, of the Bombay Port by the union. I therefore, think that there is least merit in this contention, with regard to the maintainability of the reference and the Central Government being the appropriate Government, raised by the employers.

10. Incidentally, and as a consequence, it seems to me to be clear and following that the employer company would be precluded from raising the contention that the watchmen were not its employees. It did not raise that contention apparently in the matter of the award in CGIT-2/2 of 1975. If it was its contention that the workmen were not its employees and were the employees of the Shipping Corporation, it ought and might have raised that contention as it would have been a complete answer to the claim of the watchmen workmen raised before the Tribunal in that reference. It failed to raise such a contention and therefore, can not now be allowed to say that the watchmen workmen are not its employees. Even otherwise, as I shall presently show from the evidence which was adduced in this case, the watchmen workmen are the employees of the employer, Manlyn & Co. Though that may be so, and it is a matter which would be between the Shipping Corporation and the employer, that it may become entitled to recover any relief to which the workmen would be entitled and granted in the present case from the Shipping Corporation.

11. In this view of the matter, it would have been really appropriate to go to the only aspect of the matter in this reference which is somewhat material, and that is the relief to which the workmen would be entitled, in accordance, however, to the voluminous record which was produced and got produced before me and arguments advanced, I will only consider that evidence and deal with the question. A reference was made by the learned counsel appearing for the employer to the decisions reported in 1976 (1) LLJ (p. 42) and 1978 (11) LLJ (p. 397). Apparently he placed reliance upon the observation of the Supreme Court in *Mossamman, Calicut and Azam Factory (Mozhiah Union, Calicut and others)* (1978-11-LLJ-p. 397) that "where a worker or group of workers labours to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer. He has 'economic control over the workers' subsistence, skill, and continued employment.'" In that case it was found as a fact that the employment of the contractor was a mere facade. The concerned 29 workmen were in fact actually working for the principal employer or rope manufacturer, who not only used to give tools and material to them, but was supervising the process of manufacture. The men actually worked in the premises belonging to the employer. The equipment was also supplied by the manufacturer. One of the hired workmen was treated as a contractor and with him various agreements were executed undertaking to get the work done. As stated, these facts quite clearly go to show how this case is totally different from the circumstances and facts of the present case. Broadly, in the instant case, the payments were made by the employer. In addition to the payments, he was also responsible and was actually supplying uniforms, etc. to the workmen. He was receiving an amount of money from the Shipping Corporation, his principals, for supplying watchmen for Ships which was also to take care of his profits and other dues. He had his own supervisor/mukadams who directed the workmen to report to the places either in accordance with the programme or indications given by the Shipping Corporation or its requirements. As to who and which of the workmen was given duty and where was entirely with the employer and not with the Corporation. There is no evidence adduced or shown that the Shipping Corporation had any disciplinary control over the workmen, though it was alleged that the Corporation could dismiss an employee. It is no doubt true that some measure of supervision and control over the manner of work of the watchmen was exercised by the principals. But that is not inconsistent with the ultimate control of the employer over the employees. I would not however, go deep into the matter, as the question of the inter se liability between the contractor and the principals with regard to any relief to be granted to the workmen would and may become a matter of dispute at a later stage elsewhere. On the evidence adduced however, to which I shall come, I am satisfied that the employer company has failed to establish that it was a mere recruiting agent for the Shipping Corporation to recruit watchmen and that the real employer was the Shipping Corporation.

12. In *Visakhapatnam Dock Labour Board Vs. Stevedores' Association, Visakhapatnam and others* (1970-1-LLJ-p. 46) it was held that dock workers are not employees of the Visakhapatnam Dock Labour Board and could not therefore, raise the demand against it for payment of bonus. That decision has really no application to the present controversy.

13. On the other hand, a reference may be made to the decision reported in 1963-1-LLJ-p. 126 (*Kirloskar Oil Engines Ltd. Vs. Hanumant Laxman Bibawe*). There the question was whether Hanumant was an employee of the Kirloskar Oil Engines Ltd. That was answered in favour of the company and against Hanumant. There also some arrangement for providing watchmen, somewhat similar to the present one, was in existence. Watchmen were provided for industrial organisations, who exercised also some control over their work. After noting the evidence and the circumstances, which were established the court pointed out that "though the respondent was working as a watchman of the appellant, strictly speaking, in law the relationship of master and servant did not subsist between the two. The payment was not made directly by the appellant to the respondent. He could not supervise his work; he could not take any action against him in case his conduct was found to be unsatisfactory and in terms the scheme provides that it is the District Superintendent of Police in whom the rights of the master vested qua persons like the respondent whose services were loaned to

private individuals." I do not think that the absence of such a specific term in the contractual terms which are produced in this case make any difference. The broad test for determining as to whether a person is an employee or otherwise of the person called to be an employer, would be as to whom offered employment and who took the employment, whose employee was he treated, as to who had the disciplinary jurisdiction over him; who had ultimate control, though partially or some part of the control might also be exercised over the workmen's work by the principal to whom the contractor provided workmen; who paid wages to the employee and who was also responsible for granting them leave and give directions generally with regard to their work; though it may in some cases be that specific and minute or detailed directions with regard to the manner of work to be carried out be given by the principals, for whose work the employee was engaged or was working. It is not merely, therefore, whose work it was that determines the employer-employee relationship and also the extent and manner of supervision and control over the work being done, but on a totality of circumstances which existed in a case, the question whether the employer-employee relationship existed between the two or no has to be determined.

14. With this, I would immediately go to the documents produced of the employer. It is admitted that the contract in this case was with the Shipping Corporation and the employer commenced for supply of watchman in the year 1968. The employer had apparently filled in a tender, which tender was called for by the Corporation. The original tender form of 7th August, 1970 is not on record. A reference to it is to be found, however, in the letter dated 18th August, 1982 (Ex. E-5) and in the letter dated 26th September, 1979 (Ex. E-9).

15. The earliest terms of contract reduced to writing as are produced are first in the letter dated 16th April, 1968 (Ex. E-2). It says that the contract was awarded to the employer company at the rate of Rs. 3 per shift of eight hours, day or night. A 2% discount was to be paid on settlement of bills within 21 days. There is a significant condition and that relates to the revision of wages of the employees. The Corporation by that condition restricts its liability to reimburse or compensate the contractor only with regard to the difference in "the minimum wages and not on fringe benefits etc. that may become payable as a result of statutory requirements nor on year overheads or profits." It seems to me that this term will dispense with any doubt, if entertained with regard to what was the relationship between the concerned employer and the concerned workmen. This term is repeated in the letter dated 24th July, 1972 (Ex. E-4), item 2. In item 4 of that letter, there is a provision for reimbursement only regarding to statutory liability, such as bonus and gratuity.

16. The rates per watchman per shift have from time to time been revised. In the letter dated 16th August, 1973 (Ex. E-6), clause 5, which is material, says that the Shipping Corporation would not be responsible for "any extra expenses incurred by you upto the date of commencement of this contract." It is the case of the employer company that the contract commenced in the year 1969 and continued thereafter from time to time and later after 1982 on an ad-hoc basis. It was terminated with effect from 9th January, 1983.

17. I may also refer to letter dated 26th September 1979, which says that the rate of Rs. 16 nett per watchman/head watchman is inclusive of everything, such as "basis wage, insurance, uniform/badges, 50% extra wages for 13 LPT holidays per year and your overheads and profits, but excluding steam allowance." The Shipping Corporation has not been uniform in referring to the terms as in some letters, there is a reference to the tender form and conditions therein, while in others, it is not. The 24th June, 1982 letter (Ex. E-12) appears to be either a tender form or a letter of offer given by the employer under which the last of the contract of the Shipping Corporation with the employer company was entered. The tender form actually is at Ex. E-15. Condition 4 in the letter of 24th June addressed by the employer says; which I think is material for determination of the question that that "the Corporation will not be responsible for any loss or injury to the Watchmen while performing their duties. Insurance cover, if any, for damage accident or injury to the watchmen during the duty hours

will be the responsibility of the Contractor and the Corporation will not be bound to pay any compensation to any watchman for the loss or any injury sustained by him while performing his duties for any reason whatsoever. If Corporation is held liable under Workmen's Compensation Act, the Contractor will reimburse the amounts spent by the Company on this account." Clause 4 of the tender form (Ex. E-15) says that the indented number of watchmen would be posted on vessels or in docks as indented by the Corporation and the requirement was to be ascertained from the concerned officer mentioned and "posting of Watchmen will be made in accordance with his/office instructions," at places wherever desired and/or directed. Condition 4 in the letter of 24th June is to be found in para 6 of the tender form. It was the duty of the contractor also, as para 10 will show, to ascertain from the Corporation's office "arrival timing of vessels, berthing arrangements and number of watchmen required to be posted on each vessel." The Corporation would therefore, indicate its requirement of number of watchmen, while it would be for the employer to direct which watchmen should report for duty and where. As to at what place the watchmen would be posted would depend upon the specific instructions given either by the master of the ship or by the supervisor, at the cargo yard. The duties of the watchmen really do not admit of any conditions supervision and are more or less of a uniform nature.

18. I may, in this context also refer to the letter of 4th October, 1982 (Ex. 16) writing by the employer, which also indicates as to what the employer felt and considered with regard to his relationship and with regard to the contract between himself and the Corporation. It calls 'all inclusive' rate of Rs. 19 per watchmen per eight hour shift and is said to include "(1) 50% extra for 13 holidays of B.P.T. per year, (2) Gratuity, (3) Provident Fund, (4) Insurance, (5) 2 sets of uniforms per watchman, (6) Bonus, (7) Our profits and overhead expenses, (8) And Head watchmen allowance."

19. Incidentally, I may advert to the letter of the 10th January, 1983 written by the Employer, (Ex. E-18) where the employer has said that the watchmen are "members of Transport and Dock workers' Union, and are now rendered jobless on account of the sudden termination of the contract." This is only pointed out since at one stage the employer was inclined to contend that the union, namely Transport and Dock Workers Union was not entitled to represent these workmen.

20. In all this correspondence, the employer company has referred to the contract or tender as contract or tender "for supply of watchmen" and not "to act as recruiting agent". The contract for supply of watchmen workers is clearly different and distinct from a mere work of a recruiting agent. In the case of a recruiting agent, his obligation ceases and work completed no sooner the men is recruited. The recruited person then becomes directly an employee of the person for whom he is recruited. On the other hand in cases of contract for supply or providing watchmen it is the agency which provide watchmen, which keeps control and power over the employees, though the actual and day-to-day work may be capable or susceptible to instructions, directions and guidance from the person for whose benefit, the watchmen are supplied.

21. There is one more circumstance to which a reference may be made and provides material for consideration in the conduct of the employer and as to how he treated as considered the concerned employees for the purposes of the question whether the concerned employees are his own employees or no. A list was filed admittedly during the conciliation proceedings by the employer. A zerox copy thereof was produced by the union at Exhibit W-1. It bears the signature of the partner, who gave evidence in this case, dated 14th of June, 1983. I shall have occasion to refer to that evidence again later. Another list of 105 workmen has been filed by the employer himself at Exhibit E-20, wherein he describes them as persons who were "working as watchmen on ships, BPT Docks, Cotton Green, etc., for our company whenever there was availability of work." It also inserted a public notice (Extract at Exhibit E-21) in which it refers to the watchmen employees and others as the ones who were "company's watchmen"—"Company Ke Watchmen Ke Roop Me Kaam Karte The. It also further says that on account of the termination of the contract by

the Shipping Corporation, the company was unable to continue them in its employment—"Hamari Company Ab In Watchmen Ka Naukari Me Rekhane Me Aur Is Tarikh Se Kisi Bhi Din Inki Sevaon Ka Upayog Karne Me Asamarth Hai." Besides there is further additional evidence in the form of wage register, showing payment of wages and allowance to the watchmen from time to time. These registers are produced by the company for the period 1980 to 1983.

22. I will now refer to the oral evidence, on some parts of which reliance was placed by the learned counsel for the employer, who says that the employees were directly under the supervision of the Shipping Corporation. I have already pointed out that there is no term in the contracts or the documentary evidence produced for the employer. The entire documentary evidence does not show as was contended that the Corporation has reserved the power either of taking any disciplinary action against the watchmen workmen, much less terminating their services as was contended by the employer, empowering the Shipping Corporation to take any action against the watchmen.

23. Only one workman, one Farooque Ahmed Nisar Ahmed was examined. Mr. D'souza relied upon his statement that after going on to the ship "it was according to the directions of the Captain or Engineer that watchmen used to take their positions. It is also correct that in case of a default on the part of the watchmen, the captain or the engineer as the case may be, give him a warning." On the basis of this slender statement and evidence and against the weight of overwhelming oral and documentary evidence I do not think that the employer has succeeded in showing that the watchmen were the employees of the Shipping Corporation and were directly under the superintendence, supervision and control of the Shipping Corporation.

24. In the very next paragraph, Farooque stated in the cross examination itself that the workmen reported in the case of godowns to the Supervisor, "who used to assign their duties and their positions." This supervisor was one D' Mellow and one Shetty. It is not however, suggested to him that either D'Mellow or Shetty were the employees of the Shipping Corporation and were not the employees of the employer company. The workmen has definitely stated and the employer had admitted also in his evidence that he was "working as watchman on ships other than those of Shipping Corporation also." He thus had worked as watchmen on Starline Ships, Japan Lines and D.B.C. ships. It is true that he was unable to give the names of the ships of those companies. But I do not think, looking to the status and amount of education and upbringing and the period which has lapsed, that the witness was telling an untruth, simply because, he was unable to remember the names of the ships on which he worked as a watchman of those other companies. It is true that he has mentioned the names of some of the ships of the Shipping Corporation. It is equally possible that he could do so as this was the major company or principal company for whom the watchmen were working. As the other record or other evidence produced by the employer shows, these ships are frequent visitors to the port.

25. The witness also stated that he used to acquaint himself about the coming of the ship and inform this to the company. The witness is a Head Watchmen. He also stated that the gang sent on the ships "were not fixed". There used to be changes. "The gangmen used to be changed on the directions of the employer who used to direct sometimes to go to the godowns or elsewhere." The employer in this case, as meant by the witness, was Menlyn and Company.

26. For the employer, evidence was given by Peter Fernandes, who admitted that it was correct that "between the period 1980 to 1983, the firm was providing watchmen to other shipping lines. These companies were Patel Volkart and Oriental Shipping." Thinking that that was a damaging answer, he changed and attempted to resurrect the position by saying that "I saw I was recruiting watchmen for them." With regard to the list to which I have made a reference, bearing his signature, he admitted that the list was given by him in the conciliation proceedings before the conciliation officer, but stated that as regards the years mentioned against the workmen he does not know what they represent and denied that they represent the year of the joining of the workmen with the employer company. Later he stated

that the said list "is not correct. The list was prepared by my clerk." To say the least, this evidence does not commend itself as honest or straight-forward. In fact, I had to make a note that the witness was not answering in a straight forward manner to questions during the course of cross-examination. His evidence did not impress me as truthful. I am inclined to think that the list is correct and the years mentioned against the names of each represent the year of their joining. The witness also suppressed record relating to the payments made to these workmen and produced only partial records on some specious excuse or other. Evidence he adduced however goes to show that it was he who was supplying uniforms to these watchmen. He however says that he was supplying them only to regular watchmen, but that is not borne out as the number of uniforms stitched from time to time is larger as can be seen some record of which is produced by him. If the workmen were the employees of the Shipping Corporation, if the employer was a mere recruiting agent, I do not see any reason for him, nor does it appear to be reasonable that the employer had gone to the extent of spending a large amount (upto about Rs. 10,000) on providing uniforms to these workmen. Documentary evidence also show that he was responsible for providing them badges also. In the circumstances, upon overall consideration of the documentary as well as oral evidence I am satisfied that the employer has not succeeded in showing that it was the Shipping Corporation, which was the real employer and that he was a mere recruiting agent, with reference to these 652 employees. This does not however, affect his right or should be understood to affect his rights arising to him from the contract with the Shipping Corporation.

27. That raise the question whether the action of the company in terminating the services of the 652 employees is justified. In the circumstances that the Shipping Corporation has terminated the contract for supply of watchmen, the employer is certainly justified in terminating the services of these employees, as they were rendered surplus. The Shipping Corporation was clearly a very large customer and accounted apparently for the bulk of the work handled by the employer. With that part of the work going away, the employer would be justified and would have been justified in retrenching the employees, if the action taken by him can be legally called as retrenchment. It is now settled law that no retrenchment without payment of retrenchment compensation and notice pay or wages has the effect of terminating the services of an employee at all. In the circumstances, the termination of services of the employees, though would have been justified had procedure of s.25F been followed by the employer, is not justified and not legal and has not the effect or consequence of terminating the relationship of employer employee between the 652 workman and the employer company.

28. That raises the immediate question as to the relief to which the workmen would be entitled. In the circumstance of the major portion of the work of the company disappearing with the cancellation of the contract or discontinuation of the Shipping Corporation, it would be wrong and not justifiable to direct the employer to take back all these employees. A number of them appear to have found employment elsewhere also. It is to this aspect of the matter, parties have clearly failed to apply their mind and consequently to make out any case or adduce any evidence. The circumstances is that the contract of the employer with the Shipping Corporation has come to an end and has resulted in the termination of their services. But apart from that there is no other evidence or other contentions raised. It would have been possible and necessary, in the circumstances, to fix the relief which would have been awarded to each of these workmen, as I am clearly of the view that the employer in the circumstances can not be directed to take back the employees and pay them wages right from 10th January, 1983 till date. The only just and proper order in the circumstances is to award them compensation. They would undoubtedly be entitled to retrenchment compensation and notice pay. But that has been rendered difficult by the paucity of evidence adduced by the parties.

29. I have already referred to the list which was produced by the workmen and also by the employer (Ex. E-20 and W-1). I have also referred to the evidence of the employer to the fact that the list is wrong and the year mentioned against the name of each of the workmen, he



does not know what it represents. He denied that it represents date of joining. Had such evidence been adduced by the parties it would have been possible to work out the exact figure of retrenchment compensation payable. An attempt had been made by the employer during evidence to contend that the employees had not completed one year of continuous service. He has however failed to substantiate that contention. In the absence of such material evidence, I have to proceed on the basis of the available material. It would be seen from the list which I accepted as correct and indicative of the year of joining of the concerned workmen (Ex. W-1) that workmen from Sl. No. 316, excepting a few instances have joined in the year 1982 only. Some from amongst them have also joined earlier in the year 1981. Others have joined much earlier. Having taken the list as authentic and as indicating the year of joining service, the employees would be entitled to retrenchment compensation from the year of joining mentioned against their names in the list. Retrenchment compensation therefore, should be paid to each such workmen, but not for the period prior to 1968, when the contract with the Shipping Corporation of the employer started. For all workmen therefore, the year of employment would be treated as 1968 in case of those who were in the list at Ex. W-1 are shown to have joined prior to 1968. Thereafter, the workmen would be entitled to such retrenchment compensation, according to the year of joining shown in the list at Ex. W-1, calculated according to law. They would also be entitled to notice pay and wages from the employer at the rate at which they were entitled or they were drawing, whichever is more at the time of their termination. I do not think any other relief should be awarded to them. Had the employer been more circumspect in his dealing with his problem, then perhaps he would not have been facing anything beyond this liability. I think in the circumstances just to impose only this liability upon him which of course, he may, if he is so advised, seek to recover from the Shipping Corporation.

30. Award accordingly.

R. D. TULPUL, Presiding Officer

[No. L-31012(5)/83-D.IV (A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1986

का. भा. 536—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, यूनाइटेड, कॉमर्सियल बैंक के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-86 प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th January, 1986

S.O 536.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the United Commercial Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th January, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

Reference No. CGIT-2/23 of 1985

(Transferred to this Tribunal vide Order No. S-11025(1)/85-D. IV(B) dated 8-2-1985 from Jabalpur)

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of the Manager, United Commercial Bank, Divisional Office, Bhopal,

AND

Their Workmen

#### APPEARANCES :

For the Employers.—Shri N. K. Mody, Advocate.

For the Workmen.—Shri Rajendra R. Mishra, Advocate.

INDUSTRY : Banking.

STATF : M. P.

Bombay, dated the 31st December, 1985

#### AWARD

By their order No. L-12012/110/83-D. II, A. dated 14-12-1983 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act :—

"Whether the action of the management of United Commercial Bank, Divisional Office, Bhopal in relation to their Branch Naya Bazar, Lushkar-Gwalior in not revising the date of birth of Shri Bhoop Singh in their own records from 2-9-1929 to 8-2-1932, is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. Initially there was an ex-parte award passed by order dated 3-7-1985 but the request of the workman and the Union to set aside the ex-parte award granted and the matter therefore was restored to file and now on hearing the parties the present award is being passed.

3. The dispute has arisen because the record prepared at the time of entry into the service, the birth date of Shri Bhoop Singh was mentioned as 2-9-1929 while according to him the real date of birth is 8-2-1932 and although attempt was made by the workman to get the birth date corrected the same proved unsuccessful and hence the present dispute.

4. The Bank refutes all these contentions, asserts the correct date to be 2-9-1929 and supports its action of rejection of the prayer for correction.

5. The only point therefore arising for determination is whether the real birth date is proved to be 8-2-1932 as contended by the workman. My finding is in the negative.

6. Besides his oral evidence, the workman has produced at PA 50 a certificate alleged to have been issued by the Head Master of Madhamik Pathshala Sarafa, Laaskar, Gwalior stating the date of birth as 8-2-1932. Now since it is an important piece of evidence and because it is not from the register kept in the ordinary course of business and the extract thereof on which reliance could be placed, it was really incumbent on the Union to cite the Headmaster who is alleged to have issued the certificate in order to prove the authenticity. In India General Navigation and Railway Company Ltd. and their workmen, 1965 (II), I.L.J. page 437, their Lordships of the Supreme Court stressed the need of proof of such certificate. In the said case the school teacher who was examined had joined the service long after the concerned person had left the school and therefore he could not have thrown any light on the authenticity. In the instant case also when questioned in cross-examination the workman could not tell the name of the Headmaster who issued the certificate. As already stated it is not an extract from any register but a certificate and it is not known on the strength of which record the same has been issued by the Headmaster. It is in evidence that the workman had attended some schools prior to joining the Sarafa school but strangely enough he was not in a position to name those schools and I am convinced that the workman is feigning ignorance and avoiding to give the correct replies so that the Bank should not trace the record of the school to bring forth the true position.

7. Once we discard PA 50, other material namely the certificate from Madhamik Shiksha Parishad, Madhya Bharat Sheira, Madhya Pradesh or the certificate of Madhav Mahavidhyalaya, Gwalior can carry no weight, for, it is an admitted fact that the birth date of the workman entered



in this certificate is on the strength of similar certificate like PA. 50 produced before those authorities. The fact therefore that the later two certificates mentioned the date of birth as 2-2-1932 will have no importance at all and in the absence of proof that the birth date entered at the time of entry in the service was erroneous, no reliance is possible.

8. It was tried to be urged that Shri Bhoop Singh is not a workman but performing supervisory duties and drawing wages in excess of Rs. 1600 per month. However, as stated by the workman although he was promoted as Field Officer and was holding the said post at the relevant time when the dispute was raised, according to him he was performing the same clerical duties as done by the Special Assistant and beyond recommending the sanction of loan, he will have no other authority. This statement of the workman is not countered by any other material on record and therefore I see no reason not to accept the Union's version that Shri Bhoop Singh is a workman under the Industrial Disputes Act.

9. However since he fails on material point, the reference has to be rejected.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer  
[No. L-12012(110)/83-D. II. A]  
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1986

क्र. प्र. 537—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रिय सरकार आयल एंड नेचुरल गैस कमिशन, मेहसाना के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच श्रुद्धि में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पचाट को प्रकाशित करना है, जो केन्द्रिय सरकार को 13 जनवरी, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th January, 1986

S.O. 537.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Oil & Natural Gas Commission, Mehsana and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th January, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI C. G. RATHOD, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 24/85

Adjudication

BETWEEN

Management of Oil & Natural Gas Commission,  
Mehsana Project, Mehsana, First Party;

AND

The Workmen employed under it. Second Party.

In the matter of services of Shri H. N. Sama.

STATE : Gujarat. INDUSTRY : Oil & Gas Industry.

#### AWARD

The industrial dispute between the management of Oil and Natural Gas Commission, Mehsana and the workmen employed under it has been referred to for the adjudication under section 7 A and Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14

of 1947) by the Central Government Ministry of Labour Order No. L-30012/1/85 dated 31st May, 1985. The dispute which has been referred is : whether the action of the ONGC in terminating the services of Shri H. N. Sama is legal ? If not what relief is the workman entitled to ?

(2) The union has filed the statement of claim at Exhibit : 2 in brief the averments made therein are as under :—

That Shri H. N. Sama, a member of ONGC labour union was engaged by the Project Manager, ONGC in the year 1978-1979, that he had completed more than 240 days service in 12 consecutive months, but it is alleged that his services were illegally terminated without following any of the conditions, precedent to retrenchment u/s. 25S of the Industrial Disputes Act 1947. It is alleged that no show-cause notice was served to Mr. H. N. Sama before his termination, that no departmental enquiry was conducted before termination of his services, that no compensation was paid to him at the time of his termination and that the ONGC did not issue any notice to the appropriate Government before termination of his services of Mr. H. N. Sama.

It is further averred that Mr. Sama pleaded before the ONGC for the injustice that was caused to him but nobody listened to him and he was verbally told to apply for the suitable job in the ONGC when the vacancies arise. It is further the case of the union that Mr. H. N. Sama applied against the open advertisement in the year 1979 for the post of Assistant Grade III; that the name of Mr. Sama was sponsored by the Employment Exchange for the post of Assistant Grade-III; that he was called to appear for the typing test of ONGC, Mehsana on 12-1-1980 and he appeared for the typing test on 12-1-1980 and was thereafter called for interview on 23-3-1980, but he was never appointed to the post and after the year 1979, the ONGC Mehsana appointed more than 700 persons to various posts in the ONGC but no intimation regarding filling up of this vacant post was ever given to Mr. H. N. Sama. It is further the case of the union that Mr. H. N. Sama came to know in the year 1984 that the union by the name of ONGC Labour Union has been confirmed at Mehsana exclusively to file the cases of casual/contingent/contracted employees and as such he approached the union and became the member of the union. The union immediately took up his case with the Assistant Labour Commissioner (Central, Ahmedabad under the provisions of Industrial Disputes Act, 1947, but in the conciliation proceedings the dispute could not be settled and hence this reference. The case of the union is that the impugned action of the ONGC in terminating the service of Mr. H. N. Sama from the services of ONGC from 24-12-1979 is illegal, invalid, and inoperative in law inasmuch as Mr. Sama has completed more than 240 days in service in 12 consecutive months as defined under section 25 B of Industrial Disputes Act, 1947. The action of the ONGC in terminating the service of Mr. Sama is in disregard of mandatory provisions of section 25 F, 25G, 25H of the Industrial Disputes Act in as much as no compensation under the provisions of section 25F was paid to the workman (member) Mr. Sama, that no notice thereof was served to the workman Mr. H. N. Sama while terminating his

services nor any wages for the notice period has been paid to him and that many employees recruited after Mr. H. N. Sama have been retained in the employment and they are working has been confirmed employees of the Commission that the case of the union is that the ONGC never informed Mr. H. N. Sama about the filling up of vacant posts and the same is in total disregard to rule 78 of Industrial Disputes (Central rules 1957). It is further the case of the union that the action of the ONGC in terminating the service of Mr. H. N. Sama is illegal, invalid, inoperative in law as such the union has prayed that the management of the ONGC be directed to reinstate to Mr. H. N. Sama in the services of ONGC, with full back wages and continuity of service as if his services were never terminated; to grant time scale of pay as payable to regular class III employees of ONGC, that it be further directed to grant privilege leave, provident fund and all other perks and perquisites that is payable to other regular employees of ONGC, and that such other reliefs as may be deemed fit to the Tribunal together with cost of this petition be granted.

(3) The ONGC has filed its written statement at Exhibit : 7 and contended inter alia that the contents in the statement of claim of the union are not true and not admitted, that such a reference is not legally maintainable, that disputes to be rejected that it should be rejected, that the commission has not terminated the service of the concerned workman as alleged that the concerned workman was working as a casual labour and he was assigned work as and when it was available for him and if he had reported for duties within time, that further the commission begs to point out that after the alleged date of termination of service of the concerned workman, the workman had worked with the commission for the period from 6th June, 1980 to 18th September, 1980 and from 24th August, 1981 to 22nd November, 1981 and hence it is not true that the services of the concerned workman had been terminated from 24th December, 1979. It is further contended without prejudice to the contention as above, that it is not true to say that the concerned workman had completed 240 days with the commission in 12 months, the concerned workman was engaged as a casual worker in the year 1978 that he was engaged as a casual labour for the first time with effect from 26-11-1978 to 25-12-1978 for 25 days and thereafter from 26th December, 1978 to 31st December, 1978 as such he has worked only for 30 days in the year 1978. In the year 1979 he was assigned work from 1st January, 1979 to 23rd December, 1979 intermittently and not continuously; that the concerned workman was assigned the work as and when it was available for him and he had not put in 240 days in the calendar year as alleged by the union; that the concerned workman was working as a casual labour and has not put in 240 days of the working. It is also contended that it is not necessary to give him show cause notice or pay him retrenchment compensation under the provisions of the Industrial Disputes Act. It is contended that his services are not terminated but as there was no work available and as such he was not assigned with the work. It is further contended that the Commission had notified the post of Typist Assistant Grade-III to Employment Exchange, as well as circulated departmentally and the concerned workman was called for typing test and interview; that

thereafter the commission had decided not to fill up the said post on certain administrative reasons and therefore the concerned workman or any other candidate was not offered the appointment letter, that the concerned workman has no right to get appointment letter nor it is obligatory on the part of the Commission to give appointment to all the persons who were granted interview. The Commission further submits that the services of the concerned workman were not terminated by punitive action and hence the question of issuing of charge-sheet or to conduction enquiry does not arise that the commission has not committed breach of section 25 of the Industrial Disputes Act, that it is not true to say that the Commission has committed breach of section of the Industrial Disputes Act by not paying retrenchment compensation or by not serving with the notice to the concerned workman, that it is not true to say that junior persons have been retained in the employment and they are working in the Commission. It is further contended by the Commission that the Commission has not terminated the services of the concerned workman, but in fact as there was no work for him and he had not reported for work in time he was not assigned with the work. It is contended that the services of the concerned workman have not been terminated but as he has not reported regularly on everyday, he was not assigned work everyday. Whenever he had reported for work and whenever there was work available for him he was assigned with the work and it is contended that even to-day if the concerned workman reports for work and the work is available for him the commission will assign him the work for the concerned workman, and he is not entitled to any of the reliefs as prayed in the statement of claim, and the reference deserves to be dismissed and the Commission thus not admit that the concerned workman had tried to mitigate damages and/or he was not able to get work.

(4) In the present reference the worker Mr. H. N. Sama is examined and his evidence is recorded at Exhibit '8'. No oral evidence has been led on behalf of the ONGC vide pursis Ex. 20.

(5) Mr. A. S. Kapoor the Secretary of ONGC labour union, Mehsana appeared for the Union and Mr. H. B. Desai, Sr. D. D.I.R appeared for ONGC.

(6) The following points arise for my determination in the present reference

1. Whether Mr. H. N. Sama has actually worked under the ONGC for not less than 240 days from 26-11-1978 to 25-11-1979.

2. If yes, whether Mr. H. N. Sama shall be deemed to be in continuous service of ONGC.

3. Whether the management has terminated the services of Mr. H. N. Sama, if not to what relief Mr. H. N. Sama is entitled to ?

(7) My finding on the aforesaid points is as under :

1. Yes,

2. Yes,

3. The management's action intreating the worker as a casual labour is not legal and valid. He be treated as regular employee in the same post he held in the year 1979, 1980

and 1981 and back wages be paid to him from 1-9-81.

### REASONS

(8) It would be convenient to take up all the points together. Undisputedly the present workman Mr. H. N. Sama worked in the Civil Engineering Department as a casual labour. He joined his duties from 26-11-1978 and initially he worked with the commission from 26-11-1978 to 28-2-1979 and the necessary certificate has been issued by the Executive Engineer (Civil) ONGC, Mehsana vide Exhibit : 9. Again he has worked as an unskilled labour in the previous section from 14-6-1979 to 13-9-1979 and the necessary certificate of the Project Manager, Mehsana Project is at Exhibit : 10. Further he has also worked as an unskilled labour from 24-9-1979 to 23-12-1979 vide exhibit : 11 certificate issued by the Project Manager, Mehsana Project the ONGC has produced muster roll for some of the months only from (i) 26-1-1979 to 25-2-1979 (ii) From 1-8-1979 to 31-8-1979 (iii) from 1-9-1979 to 30-9-1979 and from 1-10-1979 to 31-10-1979 vide Exhibit 21. The muster rolls have been produced in order to show that the worker has worked for the days as shown in the muster rolls during those months. However the muster rolls for the rest of the period were not produced by the ONGC even though sufficient time was given to them to produce the same.

(9) It is mainly contended by the ONGC that the worker Mr. H. N. Sama has not worked for 240 days during the period from 26-11-1978 to 25-11-1979 and that as such there is no question of the worker having been in continuous service of the ONGC. It is therefore, necessary to find out as to for how many days the worker has worked with the ONGC during this period. The union has filed a statement at mark 'A' and ONGC has filed the statement at Exhibit : 18/1 and it appears from the same that so far as the period from 26-11-1978 to 28-2-1979 practically there is no dispute as regards the actual number of days for which the worker has worked during this period. According to the Union, the worker has worked as under :—

26-11-1978 to 30-11-1978	5 days
1-12-1978 to 31-12-1978	31 days
1-1-1979 to 31-1-1979	31 days
1-2-1979 to 28-2-1979	28 days
Total :	95 days

(10) The ONGC has shown the number of days for which the worker Mr. Sama has worked from 25-2-1979 as under :—

26-11-1978 to 25-12-1978	30 days
26-12-1978 to 25-1-1979	30 days
26-1-1979 to 25-2-1979	31 days
Total :	91 days

Now it would be seen that the ONGC has not shown the number of days for which the worker has worked from 26-2-1979 to 28-2-1979. However the certificate at Exhibit-9 shows that the workman has worked from 26-2-1979 to 28-2-1979. Thus three days are shown less by ONGC by not including the period from

26-2-1979 to 28-2-1979. Moreover in the statement as above, in fact for the period from 26-12-1978 to 25-1-1979 the total number of days comes to 31 days and not 30 days thus one day has been shown less by ONGC for this period and thus it appears that there is a mistake of four days in all and therefore the total shown by ONGC ought to be 95 and not 91.

(11) Further in the calculation made from 14-6-1979 to 25-11-1979, I find that even though the worker has started work from 14-6-1979, the ONGC has not shown 17 days as a number of days for which the worker has worked in June, 1979. Thus if we were to add those 17 days to the statement filed by the ONGC at Exhibit : 18/1 it comes to  $233 + 17 = 250$  days and as per statement marked 'A' the total number of days shown by the union also comes 250 days. As I have shown earlier Exhibit : 10 shows that the ONGC has stated in the certificate issued that Mr. Sama has worked with effect from 14-6-1979 to 13-9-1979. The next certificate of course, shows that Mr. Sama worked from 24-9-1979 to 23-12-1979, but the muster roll produced at Exhibit-21 shows that in the month of September, 1979, Mr. Sama in fact worked for 30 days. Thus the certificate issued by the ONGC at Exhibit : 10 does not give a correct picture for the work done by the workman. In other words the muster roll shows that Mr. H. N. Sama has worked for more days than the certificate issued. The management has not explained this discrepancy. In the circumstances the total number of days for which Mr. H. N. Sama has worked, in all, comes to 250 days and the contention of ONGC that he has worked less can not be accepted.

(12) It was urged on behalf of the ONGC that we have to take into account the actual working days as section 25 B, says reference to the works, "as actually worked" the relative section reads as under :—

25B. For the purposes of this Chapter :—

(1) .....

(2) Where a workman is not in continuous service within the meaning of clause (1) for a period of one year or six months, he shall be deemed to be in continuous service under an employer —

(a) for a period of one year, if the workman, during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than:—

(i) one hundred and ninety days in the case of a workman employed below ground in a mine; and

(ii) two hundred and forty days, in any other case;

(13) Now it is true that the workman has not actually worked for 250 days, but the Union produced before me a recent judgment of the Supreme Court. Workmen of American Express of International Banking Corporation v/s. Management of American Express of International Banking Corporation (1985) 4 Supreme Court cases page 71 wherein a similar question arose before the Supreme Court. In that case the workman joined the service of the American Express of International Banking Corporation on November,

1974 as a 'Typist-Clerk' in the temporary capacity and was employed as such with a number of breaks, till October, 31, 1975 when his services were terminated. The question was, what was the meaning of the words 'actually worked under employer'. In that case the workman has included and counted Sundays and other paid holidays as days on which he 'actually worked under the employer' while the employer has not done so and hence there was a difference in number of days. According to the employer the workman has worked 225 days only and according to the workman he worked for 275 days. Their Lordships of the Supreme Court after considering the provisions of section 25F and 25 B are pleased to hold as under : "The expression which we are required to construe is 'actually worked under the employer'. This expression, according to us, cannot mean those days only when the workman worked with hammer, sickle or pen, but must necessarily comprehend all those days during which he was in the employment of the employer and for which he had been paid wages either under express or implied contract of service or by compulsion of statute, standing orders etc. The learned counsel for the Management would urge that only those days which are mentioned in the Explanation to Section 25-B(2) should be taken into account for the purpose of calculating the number of days on which the workmen had actually worked though he had not so worked and no other days. We do not think that we are entitled to so constrain the construction of the expression 'actually worked under the employer'."

(14) In my opinion the aforesaid judgment is very clear on the point and there is no doubt whatsoever that in the instant case if we were to consider the number of days they would include Sundays as well as other paid holidays, it would include all days for which he has been paid wages either under express or implied contract of service or in compliance of statute or standing orders, etc. In the instant case, it is not disputed before me that the concerned workman was paid wages for the days as shown above and in the circumstances I am clearly of the view that the workman has worked for more than 240 days. Now if the workman has worked for more than 240 days as per sub-section 2 of section 25B he shall be deemed to be in continuous service under the ONGC. As per sub-section 2 of section 25B a workman though not in continuous service within the meaning of clause (i) for a period of one year or 6 months, he shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of one year if he has actually worked under an employer for not less than 240 days during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made. In the circumstances of the case, there is no doubt whatsoever that in the instant case even if the workman was initially employed as a casual labourer he in fact has worked for 240 days and more, during the period of 12 calendar months preceding the date to which calculation is to be made.

(15) I have also been referred to a copy of letter addressed by the Ministry of Steel, Mines and Fuel letter No. 10/84/58 ONGC dated 17-9-1959 Ex. 25 addressed to the Secretary, ONGC wherein it has been stated that the President is pleased to decide the labourers engaged on contingent basis by the ONGC may be allowed one paid holiday after a continuous

appointments of 6 days. Thus in the instant case, after six days of work the labourers if they got one holiday it is a paid holiday and in it it has to be counted in the calculations as above. I am also shown certifying standing order for contingent employees of the ONGC clause 2 thereof references as under :—

(i) Classification of workman—The Contingent Employees of the Commission shall hereafter be classified as :—

(a) Temporary, and

(b) Casual.

(i) A workman who has been on the rolls of the Commission and has put in not less than 180 days of attendance in any period of 12 consecutive months shall be a temporary workman, provided that a temporary workman who has put in not less than 240 days of attendance in any period of 12 consecutive months and who possesses the minimum qualification prescribed by the Commission may be considered for conversion as regular employee.

(iii) A workman who is neither temporary nor regular shall be considered as casual workman.

(16) In the circumstances it is clear that the workman who has been on the rolls of the commission for not less than 180 days of the attendance in any period of 12 consecutive months shall be considered as temporary workman. However a temporary workman who has put in service for not less than 240 days of attendance in any period of 12 consecutive months and who possesses the minimum qualifications prescribed by the Commission may be considered for conversion as regular employee. In the instant case the concerned workman has put in not less than 240 days attendants and therefore he ought to be considered for conversion as regular employee. It has not been shown and it is not the case of the ONGC that the concerned workman does not possess the minimum qualifications for the post in question. According to the clarifications given above, a workman who is neither temporary nor regular shall be considered as a casual labourer. In the instant case it is clear that the concerned workman was not temporary as he has put in more than 180 days attendance. In fact, he has put in 240 days service. Therefore, he ought to be considered for conversion as regular employee. The ONGC has tried to urge before me that the concerned workman was only a casual labour and the ONGC was not in a position to provide him work and if there is work then only they were bound to provide him the work. It appears that the ONGC provided him with work for more than 240 days during the period of 12 calendar months preceding the date 26-11-1979 and as such he cannot be considered as the casual workman. In the Supreme Court decision also, the concerned workman employed was employed with a number of short breaks. That was also the situation in the case of Mohanlal v/s. Bharat Electronics Limited, 1981 Lab. I.C page 800 but in spite of the same in both the cases their Lordships of the Supreme Court were pleased to hold that the concerned workman has actually worked for not less than 240 days and that the provisions of section 25 F were attracted.

(17) It is urged by the ONGC that in this case, the services of Mr. H. N. Sama have been not terminated.

It is unfortunate that the ONGC has tried to take such a defence. The ONGC has, in fact, called Mr. H. N. Sama, for the typing test and that he has passed the typing test. He was also interviewed for the typing test, but the ONGC has not given him employment. The ONGC has not offered any evidence to show as to why they have not filled in the post. They have merely stated in the written statement that they have decided not to fill up the said post on certain administrative reasons. It is true that by giving the interview, the concerned workman does not get a right to get an appointment letter for a higher post, but since he could be considered as a person for conversion as regular employee and since it is the case of the ONGC that they had notified from time to time for filling the posts, it does not lie in their mouth to say that the concerned workman was not eligible for being considered as a regular employee. Ex. 13, a memorandum sent by the Administrative Officer, ONGC itself shows that the worker was obliged to bring among other things, certificate of completion of 240 days in continuous service in case of contingent, retrenched contingent employees and there is no doubt whatsoever that since he had completed 240 days or more that he was asked to bring such a certificate. It also appears that he had passed the typing test and therefore he was called for personal interview on 23-3-1980 that inspite of the same the ONGC now has tried to urge that the concerned workman was merely a casual labour, I am not prepared to accept the said contention of the ONGC. The concerned workman in any case was a temporary workman and he had possessed the minimum qualification prescribed for being considered conversion of regular employee for the post which he held and the stand of the ONGC that Mr. H. N. Sama was merely a casual labour cannot be accepted. The ONGC has from time to time notified for the post of Helper Grade-III in the years 1981, 1982 and 1983 (Sec 22, 23, 24). The posts which they wanted to fill were 12, 18 and 19 respectively and thus definitely there was vacancy for the post and inspite of the same the ONGC has not considered the person for the post in question. It is therefore clear that the ONGC has not given the concerned workman the work in respect of the post for which he has worked is an action which amounts to retrenchment and that since the conditions necessary for retrenchment of workman as contained in section 25 F of the Industrial Disputes Act i.e. giving of one month of notice in writing indicating the reasons for retrenchment or giving him a wages for the notice period in lieu thereof and their action of not giving the retrenchment compensation to the worker is an illegal one. I find that the concerned workman is entitled to consider as a regular employee and hence I direct that the ONGC to provide work to Mr. H. N. Sama for the post he held within one month of the passing of the award.

(18) One more contention raised by the ONGC is that in the instant case Mr. H. N. Sama gave his father's name as Noor Khan Miya but in the application Ext. 2 he gave his father's name as Noor Moohmed. It is urged that they are two different persons. No such plea has been taken by the ONGC in written statement. Moreover, there is nothing to show that they are two different persons. It is very material that the name is shown as Noor Khan Miya or Noor Moohmed unless it is shown that they are

two different persons and in the circumstances, I find no substance in the said pleas. It cannot be said that the workman has tried to take the service in the different names. Their record of the ONGC spells out that he is one and the same person Mr. H. N. Sama. Therefore there is no question of any doubt for integrity as is urged by ONGC.

(13) As regards back wages I would have directed the ONGC to pay the entire back wages from 25-12-79 but since the workman has worked with the ONGC in 1980 and 1981 for at least some period and the last he worked appears to be in August 1981 (upto 31-8-81). It would be just and proper to give back wages from 1-9-81.

In the circumstances I pass the following orders :—

### ORDER

It is hereby declared that Mr. H. N. Sama continues to be in the service in the same post which he held in 1979, 1980 and 1981 and he be given regular posting by the ONGC and I further direct that he should be paid back wage from 1-9-1981 till the date on which he has been on regular posting, within one month of the publication of the award.

In the circumstances of the case, no order as to cost.

AHMEDABAD.

Date : 20th December, 1985.

C. G. RATHOD, Presiding Officer  
[No. L- 30012(1)|85-D. III(B)]  
SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1986

का. भा. 538:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 के अनुबन्ध में, केन्द्रीय सरकार द्वारा मतसूचक निकायों द्वारा प्रस्तावित से सम्बन्धित निरीक्षणों और उसके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में विवाद औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, केन्द्रीय के पत्राट की प्रकाशित कर्मी है, जो केन्द्रीय सरकार का 9-1-86 का मान्य हुआ था।

New Delhi, the 29th January, 1986

S.O. 538.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Beas Sutlej Link Project and their workmen, which was referred by the Central Government on the 9th January, 1986.

BLEOF SHRI I. P. VASISTH, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CHANDIGARH

Case No. I.D. 72 of 1985

PARTIES :

Employer in relation to the management of Beas Sutlej Link Project.

AND

Their Workman : Bal Kishan.

APPEARANCES :

For the Employer : Sh. Narinder Singh.

For the Workman : Sh. M. S. Togger.

ACTIVITY : B. S. Project STATE : Himachal Pradesh.

## AWARD

Dated, the 2nd of January, 1986

The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, as per their Order No. L-42012(35)/84-D.II(B) dated the 7th of May, 1985 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the BSL Project, Sundernagar Himachal Pradesh in retiring Shri Balkishan, son of Shri Prema, Driver with effect from 31-3-83 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled and from what date?"

2. To trace a short history of the matter, the petitioner workman was an Ex-serviceman and had joined service with Bahakra Dam Project as a Driver w.e.f. 11-11-1952; on his retrenchment from there he was employed by the Respd. Project w.e.f. 6-3-1963. According to the petitioner he was born on 10-11-1923 and, as such should have retired on the last working day of November, 1983 in the normal course of events i.e. on attaining the superannuation age of 60 years. But due to some clerical mistake in his Service-record he was assumed to have been born on 10-3-1923 and, thus, retired on the last working day of March, 1983. His grouse was that because of the aforesaid clerical mistake he was deprived of 8 months' active service and the attendant benefits thereof. It was pleaded that the said discrepancy had come to his notice even during his service tenure and that time and again he had tried to impress upon the Respd. Management to make the necessary rectification; so much so that he obtained his birth certificate from the office of the District Registrar, Deaths and Births and produced the same before the Management in support of his contention that he was born in Nov. 1923. But for no justifiable reason they refused to budge from their stand and thus forced him to raise an industrial dispute which, however, defined any amicable settlement despite the intervention of Conciliation machinery hence the Reference.

3. Resisting the proceedings on all counts, the Management averred that as a matter of fact the plaintiff himself had supplied them 10-3-1923 as his date of birth; that he had made a similar representation to his former employer i.e. Bhakra Dam Project and even in his discharge certificate issued by them the same date was found incorporated. They added that even on taking employment under them the petitioner asserted 10-3-1923 as his date of birth and filed an affidavit in support thereof. In the given situation they had every reason to believe that he was born on 10-3-23 to deserve a normal retrenchment on 31-3-83. His effort to seek change in the date of birth was pleaded to be thoroughly misconceived and the Birth-certificate produced by him was stated to be irrelevant because of the glaring variations in the particulars. They also raised a few inconsequential preliminary objections including one denying the nature of their activity amounting to "Industry" as defined by Section 2(j) of the Act.

4. In support of their respective versions both the parties adduced verbal as well as documentary evidence which I have carefully perused and heard them.

5. Before dealing with the merits of the case I would like to dispose of the preliminary objection regarding the character of the Respd. activity which was taken up a little seriously by them. It was contended that in C.W.P. 3746 of 1983 Om Parkash Vs. The Ex'e. Engg. S.Y.L. and Others; Punjab and Haryana High Court has held that the Irrigation Department was a part of the administrative wing of the State Govt. which could not be accepted as an Industry. In my considered opinion there is no force in the objection because of the direct authoritative pronouncement by the summit court in the matter of Jaswant Singh Vs. Union of India A.I.R. 1980 S.C. 116 in which even the workmen engaged on the respd. Project was held to be "industrial employee". It goes without saying that the Respd. were a party to this case whereas the petitioner was not involved in the matter of Om Parkash, and under the scheme of Article 141 of the Indian Constitution, the adjudication by the Punjab and Haryana High Court has to give

way to dictum in Jaswant Singh's case. Accordingly, I overrule the preliminary objection.

6. However in so far as merit of the case concerned in the totality of the situation no fault can possibly be found with the Management's action in accepting 10-3-1923 as the petitioner's date of birth because on his own showing he was an Ex-serviceman and had read up to 9th Standard, meaning thereby that he could easily produce his School leaving certificate as well as the Discharge Certificate issued by the Military Authorities to show his exact date of birth. But for no explicable reason he failed to produce either of these documents even though time and again he was asked to do so by the Management during the course of his correspondence with them on the point in issue.

7. On the other hand he kept on harping on the authenticity of the birth certificate Ex. W2 obtained by him from the office of District Registrar, Deaths and Births, Kangra District (Dharamshala) H.P. for the verification of his claim the Management asked the said Registrar to confirm whether the Certificate related to the petitioner; and significantly enough vide his letter Ex. W3 the Registrar clarified that it pertained to one "Balkishan born to Parma, son of Ram Saproh". It may not be out of place to mention here that even though the petitioner's name is Bal Kishan yet he is not the son of Parma, son of Ram resident of village Saproh, rather he is son of Parma Nand of Village Dhanpur; and for the reason better known to him he did not like to disclose the name of his grandfather. Thus the relevancy of the Birth Certificate Ex. W2 to the petitioner is highly doubtful.

8. The petitioner's cup of miseries would come to the full brim when one looks into certain admissions made by him under the weight of oath during his cross-examination before the Tribunal wherein he admitted that he was a Displaced Person from West Punjab, now called Pakistan, he had served in Army from 1942-45 A.D. and then joined some civil service at Lahore prior to Partition; of course he shifted to India on Partition in 1947. Against such back drop I fail to understand as to how he could be born at Village Saproh or Dhanpur in District Kangra; because it had never been his case that after his birth in this part of the country he or his guardians had migrated to the erstwhile West Punjab, now called Pakistan for education, employment or some such other reason.

9. It is in this light that his own representation to the Respd. as well as to his previous Employer at Bhakra Dam that he was born on 10-3-1923 deserves credence. I, therefore refuse to accept his version and on sustaining the management's action return my Award, accordingly, in their favour.

Chandigarh.

Dated: 2-1-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer  
[No. L-42012(35)/84-D.II(B)]

का. प्रा 539 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बियास-सतलुज लिंक प्रोजेक्ट के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच झगड़ों में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जम्मू के पंचात को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 539.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of eas-Sutlej Link Project and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th January, 1986.

BEFORE SHRI I.P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CHANDIGARH.

Case No. I. D. 77 of 1985

**PARTIES:**

Employers in relating to the management of Beas-Sutlej  
Link Project.

**AND**

Their Workmen: Sunku Ram & Others.

**APPEARANCES:**

For the Employers:—Sh. Narinder Singh

For the Workman:—Sh. M.S. Togger

ACTIVITY : B.S.L. Project STATE Himachal Pradesh

**AWARD**

Dated the 6th January 1986

The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947, as per their Order No. I-42012(36)/84-1. II(B) dated the 4th of June, 1985 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the action of the management of BSL Project, Sundernagar, Himachal Pradesh in terminating the services of S/Shri Sunku Ram, Brij Lal, Chintu Ram and Nandu, Beldars working in Disposal and Stores-Division, Sundernagar, Himachal Pradesh with effect from 4-7-1983 is justified? If not, to what relief are these workmen entitled to and from what date?”

2. To trace a short history of the matter the petitioner workmen were employed under the Respdt. Project as Beldars in Stores and Disposal Division, Sundernagar and deployed to keep watch over Disposal yard at Slapper in June, 1982. It was revealed that on 24-6-82 late at night when they were supposed to be on duty, a Private Truck intruded in to the premises, and illegally removed and loaded a considerable quantity of the scrap material; none of the petitioners made any effort to check the intruders. From the Management's angle they were rather conniving with the intruders and that was how that they allowed them to escape with the stolen property. The Official-in-charge detected the incident early in the morning and informed the concerned Sub-Divisional Officer who lodged a formal report with the police and succeeded in getting the suspects arrested near Chandigarh on the next day, alongwith the stolen property. Obviously all the petitioners were proceeded departmentally, they were charge-sheeted and served with a show cause notice and since their replies were found unsatisfactory, therefore, they were taken through the drill of a formal; but regular, departmental inquiry on the following charges of misconduct.

- (1) Theft, fraud or dis-honesty in connection with the Employers' business or property.
- (2) Loss to the Employer's property through neglect of duties.

3. On the conclusion of his proceedings, the Inquiry Officer returned his findings against the petitioners holding them guilty of the charges. The Disciplinary Authority agreed with his findings and thus served them with a show cause notice proposing the termination of their services. Their replies to the notice did not find favour with the Disciplinary Authority and thus the impugned orders were passed.

4. Feeling aggrieved, the petitioners raised an industrial dispute demanding their re-instatement. However the Management was found unresponsive despite the intervention of the AIC(C) during the Conciliation proceedings; hence the Reference.

5. According to the petitioners it was not a part of their duty to look after the work of Watch and Ward Staff in the Disposal Yard because they were primarily employed as Beldars that the scrap-ponds were removed by the intruders under instructions from their Section Officer Malkit Singh to which they could hardly object and lastly that the Inquiry proceedings were not conducted in a free and fair manner.

In reply the Management pleaded that the petitioners had either actively connived with the intruders in getting the scrap removed from the Disposal Yard or at least betrayed gross negligence and dereliction in the discharge of their duty thus causing considerable loss to the Employer's property.

6. In support of their case the petitioners examined one of them viz; Shri Sunku Ram and filed a few documents whose authenticity was not disputed from the other side; whereas in its discretion the Management opted against leading any oral evidence, even though it also filed a number of documents of the admitted nature.

7. On a careful consideration of the entire available data and hearing the parties I am not inclined to sustain the petitioners' cause because from the statement of Shri Sunku Ram itself it appears that the Inquiry proceedings were conducted in a free and fair manner in which they had duly participated; they not only cross-examined the witnesses produced by the Management but also availed the opportunity to project their own defence by leading evidence and making submissions: so much so that even the Labour Welfare Officer used to attend the proceedings. Otherwise also a bare perusal of the Record of the proceedings produced by the Management would leave no manner of doubt that right from the initial stage the Inquiry Officer had abided with the rules of fair play, equity and natural justice. Similarly even the Management conducted itself in a befitting manner. Specific charges were served on the petitioners, their explanations were called for and duly considered; and then, they were afforded all the possible opportunity to rebut the charges and establish their innocence.

8. It hardly requires any emphasis that under the scheme of the Statute, this Tribunal is not supposed to act as the Appellate court of the Inquiry Officer; even though it may be obliged to satisfy itself that his approach towards the proceedings and manner of appreciation of evidence did not suffer from any perversity.

9. During the course of hearing it was argued that the petitioners were not supposed to officiate as Chowkidars in the Watch and Ward Staff and so even if there was any loss of the Employer's property due to any act of commission or omission they could not be held liable because no special allowance was being paid to them.

10. I am not amused with the logic because both at the Enquiry stage as well as in the proceedings before me it was conceded that they were working at the Disposal yard for quite some time and looking after the security of the Stores without any reservation. A similar admission was made by Sh. Sunku Ram during his cross-examination as WW1. To be precise, it is more or less a common ground that the petitioners were a consenting party to the arrangement, and that the scraped material was illegally removed in their presence by some intruders. There may not be any direct evidence to infer their connivance in the act but all the same an inference of their gross negligence and dereliction of duty cannot possibly be avoided.

11. On their behalf it was also argued that the Inquiry officer did not give any specific finding as to on which particular count he was holding them guilty and that it was obligatory for him to do so in view of the varying nature of the charges revealed in the charge-sheet.

12. I am not impressed with the effort to wriggle out of the situation by the petitioners because a domestic functionary like an Inquiry Officer in the departmental proceedings is not supposed to be a professional indeer qualified in the niceties of law. Once the Tribunal is satisfied with the propriety of his procedure and correctness of the conclusions, any formal lapse in recording the findings deserves to be overlooked. For my views I draw support from the observations in the matter of Nawashahr Co-operative and Mortgage Bank Ltd. Vs. State of Punjab 1982 (1) SLR 243.

13. And so far as the vigour of punishment is concerned I think the Disciplinary Authority had, perhaps, no option but to disengage them looking towards the gravity of the established dereliction.



14. Hence for the reasons recorded above, on holding the petitioners' grouse as devoid of force I sustain the Management's action and return my Award against the former.

Chandigarh.  
Dated 6-1-1986

I.P. VASISHTH, Presiding Officer  
[No. L-42012(36)/84-D. II (B)]  
HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1986

का.सा. 540.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इंडियन फार्मर फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लि. के नियोजकों द्वारा उनके कर्मचारों के बीच औद्योगिक विवाद में राष्ट्रीय अधिकरण, कलकत्ता के निम्नलिखित पचाट-भाग I को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 जनवरी, 1986 (पचाट-भाग I) को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th January, 1986

S.O. 540.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following Award Part I of the National Tribunal at Calcutta, in the industrial dispute between employers in relation to the Indian Farmer Fertilizers Cooperative Ltd., and their workmen which was received by the Central Government on the 27th January, 1986. (Award—Part I)

#### NATIONAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. NT-2 of 1984

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Farmers Fertilizer Co-operative Ltd.

AND

Their workmen.

#### PRESENT :

Mr. Justice N. G. Chowdhury, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

On behalf of Employers—Dr. Anand Prakash, Advocate with Mr. D. C. Gandhi, Advocate.

On behalf of IFFCO Employees Union, Kandla and New Delhi—Mr. P. S. Churi, Advocate.

On behalf of IFFCO Karmaochari Sangh, Kalol and Phulpur—Mr. R. J. Mehta, President of the Union.

INDUSTRY : Fertilizer.

#### AWARD—PART-I

The Government of India, in the Ministry of Labour vide their No. L-51016/1/83-I&E(SS) dated 22/25th November, 1985 has constituted a National Industrial Tribunal at Calcutta with me as its Presiding Officer to adjudicate upon industrial disputes over 18 items of demand pending before my predecessor-in office Mr. Justice M. P. Singh as National Tribunal, Calcutta.

2. The two unions, namely IFFCO Employees Union, Kandla and New Delhi involved in the dispute had entered into two similar agreements with the management and filed the memorandum of settlements before this Tribunal on 9-8-1985 and 30-8-1985 (during the vacancy in the post of Presiding Officer, National Tribunal, Calcutta) for recording the same and to pass part award in the case.

3. On 7-1-1986 the case was fixed for hearing all parties in the dispute as to how the settlement arrived at by the two unions with the management can be given effect to. On 8th January, 1986 I passed an order amongst others accepting the settlements arrived at between the management and IFFCO Employees Union, Kandla and New Delhi. I find the settlements are fair and just in as much as two settlements are substantially similar in terms.

4. I accept the settlement arrived at between the management of IFFCO and IFFCO Employees Union, Kandla and New Delhi and passed a part-I award in the case.

Let the petition of compromise between management and IFFCO Employees Union, Kandla and New Delhi form part of this Award as Annexure "A" and "B" respectively. This is my part-I award in the case.

Dated, Calcutta,  
the 17th January, 1986.

N. G. CHOWDHURY, Presiding Officer  
[No. L-51016/1/83-I&E(SS)]  
ASHOK SAHU, Dy. Director

#### ANNEXURE 'A'

Serial No. 324 Dated 29-6-85

Name of Purchaser IFFCO

Through : B. H. Bhatt.

Address : Kandla

Value of Stamp Paper Rs. 30/-

Signature of Purchaser : B. H. Bhatt.

Sd/-

Mansukh V. Shah,

Stamp Vendor, Gandhidham

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Under Section 12(3) read with Section 18(3) of  
Industrial Disputes Act, 1947

Subject to the condition that this is given as a Final Award for the workmen represented herein by the National Tribunal, Calcutta

#### BETWEEN

The Management of Indian Farmers Fertilizer Co-operative Limited (Hereinafter referred to as 'IFFCO Management') Address : Kandla (Kachchh) Gujarat

AND

'Employees/Workmen' of IFFCO Represented by IFFCO Employees' Union, Kandla, Address : D/113, Udaynagar, Gandhidham, (Kachchh), Gujarat (Hereinafter referred to as 'Employees/Workmen').

#### NAME OF PARTIES :

Representing 'Employer'—1. Shri B. M. Parikh, General Manager, 2. Shri S. C. Kulshreshtha, Manager, (P&A).

Representing Employees/Workmen—1. Shri C. R. Varniar, General Secretary, 2. Shri V. S. Amin, Jt. Secretary.

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas IFFCO Management Kandla and IFFCO Employees' Union, Kandla had entered into a settlement dated 28-8-1979 as modified on 22-11-1979 on various terms and conditions and the said settlement was terminated by IFFCO Employees' Union, Kandla vide its Notice No IFU/KDL/81-82/99 dated 7-6-1982; and whereas the Union vide its letter S/KKSC/IFFCO/2050 dated 15-7-1983 and No. S/KKSC/IFFCO/2052 dated 16-7-1983 had submitted fresh Charters of Demands regarding revision of pay scales, various allowances and other benefits; and whereas discussions were held between IFFCO and the IFFCO Employees' Union, Kandla, on various dates, but no settlement was arrived at either in bilateral discussions or in conciliation proceedings; and whereas on the failure of conciliation proceedings, certain matters were referred to for adjudication by Government of Gujarat before the Industrial Tribunal, Ahmedabad, vide reference No. KHR/744/AJI/1083/39143/M-4 dated 1-12-1983; and whereas during the pendency of adjudication proceedings before the Gujarat Indus-



trial Tribunal, Ahmedabad, Reference No. NT/2 dated 20-2-1984 Ref. No. 1-51016/1/83-I&E(58) was made by Government of India to the Hon'ble National Tribunal, Calcutta, for adjudication; and whereas during the pendency of the adjudication proceedings before the National Tribunal, IFFCO Karmachari Sangh, Kalol and IFFCO Karmachari Sangh, Phulpur, made applications before the National Tribunal, for grant of Interim Relief; and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla and IFFCO Employees' Union, Delhi prayed before the National Tribunal that in order to save time and to give a final award expeditiously the Hon'ble Tribunal may not proceed with the application for Interim Relief but should hear the main application and decide all the matters finally; and whereas the National Tribunal proceeded with the hearing on the aforesaid application for Interim Relief and whereas the aforesaid application for Interim Relief has been rejected by the Hon'ble National Tribunal vide its Award dated 19-12-1984; and whereas the then Presiding Officer of the National Tribunal, Justice M. P. Singh, retired on 31st December, 1984; and whereas the appointment of the new Presiding Officer is awaited; and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla apprehends that there is likelihood of inordinate delay in disposing of the application in respect of the matters before the National Tribunal; and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla again approached the IFFCO Management to restart negotiations with them for their workmen in respect of the matters now pending before the Hon'ble National Tribunal and also in respect of several other matters in full and final settlement of all their demands and to jointly request the Hon'ble National Tribunal, to give a final award for the workmen of Kandla Unit, subject to the condition that no part of this Settlement will be treated as valid unless the Hon'ble National Tribunal gives final award for workmen of Kandla Unit in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement; and whereas the IFFCO Employees Union, Kandla demanded that wages and other conditions of service should be revised on the basis of industry-cum-region principle and, in view of IFFCO being an all-India-Organisation, the wage structure etc. of IFFCO should, on the whole, be comparable with national level all-India fertiliser industry; and whereas the IFFCO Management agreed with the Union for the aforesaid industry-cum-region principle and, therefore, the wage structure has been revised, hereunder, keeping the said principle in view; and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla agrees that the Management's legal rights as to the stands taken before the Hon'ble National Tribunal will not be treated as prejudiced if the terms of this Settlement are in any way either partly or fully not given as an award by the National Tribunal and that in such an eventuality the Management will be well within its rights not to implement any or all the portions of this Settlement; and whereas negotiations were held on various matters between IFFCO Management Kandla and IFFCO Employees Union, Kandla but no settlement was arrived at and, therefore, IFFCO Employees Union approached the Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer, Adipur for intervening on 28-6-85 after giving a strike notice to Management on 27-6-85 and whereas the Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer on receipt of the strike notice admitted the matters in conciliation on 28-6-85 and thereafter, discussions were held under the auspices of Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer between IFFCO Management, Kandla and IFFCO Employees Union, Kandla on 1-7-85; and whereas now a Settlement under Section 12(3) read with Section 18(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, is arrived at between the parties before the Conciliation Officer, Adipur on 1-7-85; in view of what has been stated above and hereafter and on such terms and conditions as are laid down hereunder in this Settlement; and whereas IFFCO Management, Kandla and IFFCO Employees' Union, Kandla, agree that the IFFCO Employees' Union, Kandla is not entitled to claim any benefits in respect of matters under reference before National Tribunal from any date prior to 15-7-1983 and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla, requests the Management to agree to extend certain benefits w.e.f. 1-7-1982 as a voluntary action on their part as a gesture of goodwill, without however IFFCO Management conceding the right of the Union to claim those benefits from a date prior to 15-7-1983; and whereas the Union agrees that the matters covered by item Nos. 7.0, 7.1, 8.0, 8.1, 8.2, 8.3, 8.4, 8.5, 13.0, 13.1, 14.0, 14.1, 14.2, 16.0, 16.1, 19.0, 19.1,

19.2, 19.3, and 19.4 of the terms of Settlement are not the matters under reference before the Hon'ble National Tribunal, but on the request of IFFCO Employees' Union, Kandla, the IFFCO Management has agreed to settle in respect of the aforesaid additional items as a gesture of goodwill; and whereas IFFCO Management states (with which the IFFCO Employees' Union, Kandla agrees) that on account of Central Government Dearness Allowance senior grade Kalol Workmen are drawing total emoluments higher than the equivalent category of workmen at Kandla and they are also drawing total emoluments higher than the equivalent category of workmen in other National Level Fertiliser Organisations; and whereas IFFCO Management states that such undue benefit to some higher grade workmen cannot be allowed to be perpetuated or extended to other workmen; and whereas it is contended that Central Government Dearness Allowance Scheme is not in overall interest of the workmen because the rate of neutralisation in case of lower paid workmen is lower under Central Government Dearness Allowance Scheme than under Industrial Dearness Allowance Scheme, and also because IFFCO employees with Industrial Dearness Allowance Scheme are entitled to several benefits which are not available to the Central Government employees, and also because IFFCO employees are benefited by higher pay scales which go alongwith Industrial Dearness Allowance Scheme, as compared to lower pay scales of equivalent categories of Government of India employees who draw Central Government Dearness Allowance; and also because as a National Wage Policy, the Central Govt. D.A. Scheme is gradually being replaced or has already been replaced by the Industrial D.A. Scheme in a large number of public sector organisations; and whereas IFFCO Employees Union Kandla feels that due to the continuance of the Central Government Dearness Allowance Scheme at Kalol Unit, a small number of workmen is unduly benefited and a large number of lower paid employees are adversely affected; and whereas IFFCO Employees Union requests the Management, as a special case, that the equivalent senior category of workmen at Kandla Unit may also be considered for payment of the difference of pre-revised Basic Pay+Central Government Dearness Allowance (as admissible at Kalol Unit) and the Revised Basic Pay+Industrial D.A., through this Settlement (as a part of total package deal) only upto 30-11-1983, as a one time adjustment without this being treated as a precedent, irrespective of the Central Government D.A. instalments released by Government of India for their employees and by IFFCO for the workmen at Kalol after 30-11-1983; and whereas IFFCO Management, without prejudice to its submission already made before the National Tribunal in this regard and without conceding to any of the claims of any of the Unions in this regard, agrees to consider one time adjustment of emoluments as requested by IFFCO Employees Union Kandla as ex-gratia payment as stated hereafter for the period upto 30-11-1983, purely as a gesture of goodwill only as a part of this total Settlement, and whereas IFFCO Employees' Union, Kandla and IFFCO Management agrees that this Settlement is a total Settlement as a whole and that no part of this Settlement will be valid or implemented without the whole of it being implemented together only consequent to an award of the Hon'ble National Tribunal having been given in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and that if any one part of the Settlement is deleted or held invalid or modified for any reason whatsoever by any authority whosoever then the whole of this Settlement will fall and become invalid and inoperative.

#### WITNESSTH

In view of the above, it is now hereby agreed to by and between the parties as follows :

#### 1.0 GENERAL CONDITIONS:

1.1 That this is a Tripartite Settlement signed under Section 12(3) read with Section 18(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, in full and final settlement of all the 18 demands referred to before this National Tribunal, Calcutta vide Reference No. NT/2 dated 20-2-1984 and also in respect of certain other matters which are not under reference before the National Tribunal, all will, however, be subject to an award of the National Tribunal.

1.2 That this Settlement will be implemented only if the National Tribunal gives a final award in terms of this Settlement in respect of all the matters before it in Reference No. NT/2 of 1984 and also on various other matters included in this Settlement.

1.3 That in spite of IFFCO Employees' Union Kandla, not having any claim for revision of wages for period prior to 15-7-1983, IFFCO Management as a gesture of goodwill and without prejudice to the right of the IFFCO Management not to surrender their legal right of not revising the wages from a date prior to 15-7-1983, agrees to revise the wages with effect from 1-7-1982 as per this Settlement.

1.4 That the Industrial Dearness Allowance with neutralisation rate of Rs. 1.30/1.65 per point of AICPI as detailed hereinafter is the appropriate formula for the purpose of this Settlement in view of the fact that this formula is being applicable to most fertiliser industries and most public sector undertakings throughout the country and also in view of the fact the Central Government D.A. Scheme is not appropriate for IFFCO employees because several benefits which are available to IFFCO employees are not available to Central Government employees and also because category wise pay scales of all the workmen in IFFCO are higher than what they are in case of Central Government employees. Therefore, the workmen and the Union are not interested in raising any demand for change of D.A. Scheme for Industrial D.A. Scheme to Central Government D.A. Scheme.

1.5 That IFFCO reserves the right inter-alia, not to extend any of the benefits of wage revision to the period between 1-7-1982 and 15-7-1983 in case any of the terms of this Settlement is modified for any reason whatsoever by any authority whatsoever IFFCO also reserves the right, inter-alia not to concede to any of the matters agreed to herein but not under reference before the National Tribunal in case any of the terms of this Settlement is modified for any reason whatsoever by any authority, whatsoever.

1.6 That this Settlement shall be valid and implemented only after the National Tribunal has given a final award in respect of the matters before it in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and if any portion of this Settlement is modified, then this Tripartite Settlement will not be valid and will not be implemented.

1.7 That this Settlement is a total Settlement as a whole and that no part of this Settlement will be valid or implemented without the whole of it being implemented together only consequent to an Award of the Hon'ble National Tribunal having been given in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and that if any one part of this Settlement is deleted or held invalid or modified for any reason, whatsoever by any authority whatsoever then the whole of this Settlement will fall and become invalid and inoperative. In such an eventuality, no provision in this Settlement can be treated as a precedent and relied upon by the Unions or workmen of IFFCO in subsequent proceedings before the Hon'ble National Tribunal, if any.

1.8 That without any precedent and without surrendering the IFFCO Management's contention that all workmen should be on Industrial Dearness Allowance as per the terms and conditions prescribed herein, the Kandla workmen shall be allowed "one-time adjustment" in respect of their Basic Pay + Industrial Dearness Allowance as agreed to hereinbelow in Clause 7.0, as a package deal as part of this total overall Settlement and that the IFFCO Employees Union or any of the workmen is not entitled to, and will not, raise demand for any such adjustment from any date after 30th November, 1983.

1.9 That if after drawing any benefit under this settlement any workmen challenges the settlement as invalid or not binding on him then at the option of the management the workmen shall be required to repay the whole of the amount paid to him under the settlement and the same shall be recovered from the workman and/or adjusted from any dues payable to the workman concerned.

## 2.0 APPLICABILITY

2.1 This Settlement will apply to all categories of 'Workmen' as defined in the Industrial Disputes Act, 1947, already in employment of IFFCO as Permanent Workmen/Probationers who are on the rolls of IFFCO on the date of reference, to the National Tribunal i.e. 20th February, 1984. Fresh entrants to these categories of "Workmen" after 20th February, 1984 and during the operation of this Settlement will also be covered by the provisions of this Settlement, except where stated otherwise.

## 3.0 PERIOD OF APPLICABILITY

3.1 This Settlement shall come into force, except where specifically stated otherwise in this Settlement, with effect from and on 1st July, 1982 and shall remain in force at least until 30th June, 1986. This Settlement shall be in full and final settlement of all the matters now in reference before the Hon'ble National Tribunal or before any other authority, whatsoever.

3.2 The Union agrees that at least until 30th June, 1986, "Workmen" shall not raise any demands in respect of any of the matters before the Hon'ble National Tribunal.

3.3 The Union further agrees that during the period of operation of this Settlement, no demand having any financial implication or bearing shall be raised by the 'Workmen' except on the question of bonus under Payment of Bonus Act, 1965.

3.4 Only such workmen will be entitled to get the benefit of pay revision who were on the rolls of IFFCO on or after the date of reference to the Hon'ble National Tribunal i.e. 20th February, 1984.

3.5 Workmen who have left IFFCO by resignation or otherwise prior to the date of reference to National Tribunal i.e. 20th February, 1984 will not be entitled to get the benefit of this pay revision.

3.6 Workmen who have retired on superannuation from IFFCO's services or those who have died prematurely while serving in IFFCO will, however, be entitled to get the benefit of this pay revision with effect from 1st July, 1982, even if they have ceased to be in IFFCO's services prior to the date of reference to the National Tribunal.

## 4.0 SCALES OF PAY

4.1 The present scales of pay shall be revised and the revised scales of pay are given below against the existing each scale of pay.

Grade	Present Scale	Revised Scale
N	—	Rs. 480-8-584 (New Scale)
M	Rs. 270-8-374	Rs. 515-10-605-11-649
L-1	Rs. 290-9-398	Rs. 535-11-634-12-670
L	Rs. 350-10-450-15-525	Rs. 595-12-715-17-800
K	Rs. 410-15-560-20-660	Rs. 660-17-830-22-940
J-1	Rs. 440-15-560-20-700	Rs. 690-17-826-22-980
J	Rs. 505-25-630-30-810	Rs. 755-28-895-33-1093
I	Rs. 665-35-1015	Rs. 930-40-1130-45-1355
H-2	Rs. 815-50-1265	Rs. 1030-55-1355-60-1595
H-1	Rs. 815-50-1315	Rs. 1030-55-1355-60-1655
	(Non-overtime Category)	

4.2 A new Grade 'N' i.e. Rs. 480-8-584 is introduced for new entrants to such categories of personnel, who were previously engaged in M Grade. The Grade of existing 'M' grade employees is revised to the grade as stated above but the future recruitment at the lowest level shall be made only to the grade of 'N' and 'M' will be the promotional scale.

4.3 The new scales of pay mentioned above in replacement of existing ones shall come into force with effect from and on 1st July, 1982.

### 5.0 DEARNESS ALLOWANCE

5.1 Dearness Allowance shall be paid to all the workmen on revised pay scales as per the Scheme of Industrial Dearness Allowance w.e.f. 1st July, 1982 and onwards as stipulated herein. Industrial Dearness Allowance shall be paid in two parts, namely, Fixed Dearness Allowance and Variable Dearness Allowance as follows :

5.2 Fixed Dearness Allowance.—With effect from 1st July, 1982, Fixed Dearness Allowance shall be paid as per Annexure 'A'. No change in Fixed Dearness Allowance shall be made during the operation of this Settlement.

5.3 Variable Dearness Allowance.—Variable D.A. shall be paid at the present rates depending upon the cost of living index for all India Consumer Price Index for Industrial Workers (Base 1960=100) beyond 272 points to 492 points at the rate of Rs. 1.30 per point and at the rate of Rs. 1.65 per point beyond 492 points, to be adjusted on quarterly basis as at present.

5.4 If the Government of India revises the neutralisation rate for Public Sector Undertakings, then this rate will stand modified as per the Government of India's decision on the subject and will be applicable from such date as may be decided by the Government of India.

### 6.0 PAY FIXATION

6.1 Fixation of Basic Pay of all the workmen in the new pay scales shall be done on point to point basis.

6.2 The pay of the workmen who have been promoted on or after 1st July, 1982 will be first fixed in the corresponding revised scales or old post with reference to their pay as on 1st July, 1982 in the then existing scales and, thereafter, their pay will be fixed in the promoted scales as per rules for pay fixation on promotion with adjustment of Special/Personal Pay/Dearness Allowance, if any, admissible in the pre-promoted scale, as provided herein.

6.3 Pay of Workmen who were promoted from Grades H/H-1/H-2 to Grade G or G-1 on 1st July, 1982 or thereafter, will be re-worked out and re-fixed as per the normal pay fixation rules.

### 7.0 ONE TIME ADJUSTMENT FOR DIFFERENCE IN PRE-REVISED PAY + CENTRAL DEARNESS ALLOWANCE AND REVISED PAY + INDUSTRIAL DEARNESS ALLOWANCE ON 30TH NOVEMBER, 1983

7.1 It is agreed that the workmen of Kandla Unit covered by this Settlement shall be allowed one time adjustment for the difference between the pre-revised Basic Pay + Central Dearness Allowance as admissible at Kalol Unit upto 30th November, 1983 and the revised Basic Pay + Industrial Dearness Allowance in terms of this Settlement upto 30th November, 1983. In other words, the difference of pre-revised Basic Pay + Central Government Dearness Allowance at Kalol Unit and revised Basic Pay + Industrial Dearness Allowance as on 30th November, 1983 will be paid in the form of "Special Dearness Allowance". This "Special Dearness Allowance" shall be worked out as follows :

"Where the total emoluments (Basic Pay + Industrial Dearness Allowance) of an employee at Kandla Unit in terms of this Settlement falls short of pre-revised Basic Pay + Central Government Dearness Allowance at Kalol Unit as on 30th November, 1983 the shortfall shall be paid as "Special Dearness Allowance" to be adjusted/absorbed in future increase (after 30th November, 1983) of Industrial Dearness Allowance on account of increase in consumer price index or increase in rate of neutralisation or on account of increase in basic pay—whether by increment or otherwise, on revision of pay scales or on promotion and also in future increases in Basic Pay whether by increment or promotion or revision of pay scales". This "Special Dearness Allowance" will not increase under any circumstances after initial pay fixation in terms of this Settlement. Employees appointed after 30th November, 1983 will not be entitled to any 'one time adjustment' in the form of "Special Dearness Allowance".

### 8.0 ADJUSTMENT OF PERSONAL/SPECIAL ALLOWANCE/DEARNESS ALLOWANCE/SPECIAL DEARNESS ALLOWANCE ETC. ETC.

8.1 There may be some workmen who were granted 'Special Allowance' to protect loss in emoluments on promotion from time to time. The amount of this 'Special Allowance' will be adjusted fully against increases in basic pay, dearness allowance and Special Dearness Allowance etc. on revision of the scales of pay or on promotion.

8.2 There may be some cases where employees may be getting 'Special Dearness Allowance' as stated on Para 7.1 above on account of one-time adjustment of pre-revised basic Pay + Central Government Dearness Allowance as on 30th November, 1983. This 'Special Dearness Allowance' shall be adjusted/absorbed in future increases (after 30th November, 1983) in basic pay and Dearness Allowance on account of increase in consumer price index or increase in the rate of neutralisation and increase in Dearness Allowance on account of increase in basic pay whether by increment or on revision of pay scales or on promotion.

8.3 In some cases, the employees may be drawing 'Personal Allowance' as residual 'Project Allowance'. As a result of the revision of scales of pay, no variation in the amount of this 'Personal Allowance', i.e. residual 'Project Allowance' already being paid, is to be made since the same is adjustable against increase in basic pay on promotion.

8.4 In future, there may be some cases where employees may be getting simultaneously 'Special Allowance' as stated in para 8.1 above to protect the loss in emoluments on promotion from time to time, 'Special Dearness Allowance' as stated in para 7.1 above on account of one-time adjustment of pre-revised basic pay plus Central Government Dearness Allowance as on 30th November, 1983 and 'Personal Allowance' (i.e. residual 'Project Allowance') as in para 8.3 above. In such cases, Special Allowance (under para 8.1 above) will be adjusted first, then Special Dearness Allowance (under para 7.1 above), and then Personal Allowance (Residual Project Allowance) on promotion (para 8.3 above). The various Allowances stated above, namely 'Special Allowance', 'Personal Allowance' and 'Special Dearness Allowance' will not count as pay for any purpose whatsoever.

8.5 In cases where any of the three above said Allowance(s) is not adjusted in the manner as stated above at the time of implementation of this Settlement, then the same will be adjusted subsequently in future.

### 9.0 CITY COMPENSATORY ALLOWANCE

9.1 City Compensatory Allowance on the revised pay w.e.f. 1st July, 1982 shall be paid at the rates as per the terms and conditions as may be sanctioned by the Government of India for their employees from time to time.

### 10.0 HOUSE RENT ALLOWANCE/DEDUCTION

10.1 House Rent Allowance shall be paid as under retrospectively from 1st July, 1982.

City	Proposed H.R.A.
(a) Kandla	15 per cent of Pay + 5 per cent of pay as addl. ex-gratia due to difficult housing conditions.

10.2 Payment of House Rent Allowance shall be made subject to the limit of actual rent paid beyond a sum equivalent to 10 per cent of the Workman's revised pay, the first 10 per cent being borne by the workman. However, workmen drawing a basic pay of Rs. 1655 and below shall not be required to submit any receipt of the house rent.

10.3 House Rent Deduction from employees who are living in houses provided by IFFCO, will be made retrospectively from 1st July, 1982 on the basis of revised pay at the rate of 10 per cent of the basic pay.

### 11.0 PAYMENT OF ARREARS

11.1 The arrears of Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance and House Rent Allowance/House Rent deduction, Leave encashment, Bonus shall be re-worked out at actuals on the basis of revised Basic Pay and Dearness Allowance for the past period for each workman.

11.2 The question of rate and amount of payment of over-time for the period prior to the date of implementation of this Settlement will not be reopened notwithstanding the revision of the pay scales, D.A. and other conditions of ser-

vice retrospectively from 1st July, 1982. However, overtime will be paid on the basis of revised Basic Pay and Dearness Allowance from the first of the month in which the Settlement is implemented.

11.3 The cases concerning Salary Advance, Leave Travel Concession, Travelling Allowance and Daily Allowance, availed/completed prior to the date of implementation of this Settlement will not be reopened.

11.4 Case concerning Leave Encashments, Contributory Provident Fund and Gratitudes on superannuation or on death settled prior to the date of implementation of the Settlement will be suitably reviewed with reference to the pay of the employee as fixed in the revised scale. However, these cases will not be reopened in case of employees who have resigned from IFFCO's services prior to the date of implementation of this Settlement.

## 12.0 RECOVERIES

12.1 The corresponding new scales of pay shall be read in lieu of the existing scales of pay in the matter of regulating the recovery of charges, if any, made in relation to basic pay and/or scales of pay for the past period as well as for future period.

12.2 As a result of this revision, there may be some workmen whose salary (Basic + D.A.) plus Special Dearness Allowance (as in para 7.1 above) may cross the limit of Rs. 1600 per month; such workmen will not be entitled to 'Bonus Linked with Production/Productivity' under Payment of Bonus Act, 1965 and 'Incentive Payment Scheme' under settlement signed under Industrial Disputes Act, 1947, Clause 2.3 of the Memorandum of Settlement dated 29th October, 1982 regarding "Payment of Bonus Linked with Production/Productivity" reads as follows:—

"If the monthly rate of Salary/Wages of any workman/employee are revised retrospectively and by such retrospective revision, his salary/wages (Basic Pay + Dearness Allowance + Special Dearness Allowance) for such period for which he has drawn 'Productivity Linked Bonus', exceeds the rate of Rs. 1600 per month, then the 'Productivity Linked Bonus' already paid to him for the said period for which his rate of salary/wages (Basic + Dearness Allowance + Special Dearness Allowance) were more than Rs. 1600 p.m., will be recovered from him. Such above said 'Recovery' as mentioned here in this Clause shall be made in total from the 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, if any, payable and/or becoming due or any arrears of salary/wages payable and/or becoming due to the employee/workman immediately following the date when such 'Recovery' on account of retrospective revision of wages/salary etc. becomes identified/determined. If any balance of the said 'recovery' to be made is left out to be recovered, or if no such payment as mentioned above (i.e. 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, or arrears of salary/wages), becomes payable or due to the employee/workman, then the left out 'recovery' or the total 'recovery', as the case may be, shall be made from the salary/wages etc. payable to the employee/workman, in ten equated monthly instalments with effect from the salary/wages/other payments etc. from the month in which such said 'recovery' becomes identified/determined."

Clause 2.3 of the Memorandum of Settlement dated 29th October, 1982 on "Incentive Payment Scheme" under Industrial Disputes Act, 1947, reads as under:—

"If the monthly rate of Salary/Wages of any workman/employee are revised retrospectively and by such retrospective revision his salary/wages (Basic Pay plus Dearness Allowance + Special Dearness Allowance) for such period for which he has drawn 'Incentive Payment' exceeds the rate of Rs. 1500 per month, then the 'Incentive Payment' already paid to him for the said period for which his rate of salary/wages (Basic Pay plus Dearness Allow-

ance + Special D.A.) were more than Rs. 1600 per month, will be recovered from him.

Such above 'Recovery' as mentioned here in this Clause shall be made in total from the Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, if any, payable and/or becoming due or any arrears of salary/wages payable and/or becoming due to the employee/workman immediately following the date when such 'Recovery' on account of retrospective revision of wages/salary etc. becomes identified/determined. If any balance of the said 'recovery' to be made is left out to be recovered, or if no such payment as mentioned above (i.e. 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, or arrears of salary/wages) becomes payable or due to the employee/workman, then the left out 'recovery' or the total 'recovery' as the case may be, shall be made from the salary/wages etc. payable to the employee/workman, in ten equated monthly instalments with effect from the salary/wages/other payments, etc. from the month in which such said 'recovery' becomes identified/determined."

12.3 In view of the foregoing clauses at 12.2 above, payment of bonus linked with 'Production/Productivity' and 'Incentive Payment' already made to the employees will be recovered/adjusted from arrears and other dues payable for past period. They will, however, in lieu of 'Bonus' under the payment of Bonus Act and 'Incentive Payment' under Industrial Disputes Act, 1947 be entitled to payment of 'Productivity Linked Incentive Payment' applicable to employees drawing salary/wages more than Rs. 1600 P.M.

## 13.0 TUITION FEE

13.1 Tuition Fee in lieu of existing Education Allowance in respect of School/College going children of the employees be revised as per the following rates, with effect from 1-7-1982.

(a) Upto Vth Standard	Rs. 15/- p.m.
(b) Vth to Xth Standard	Rs. 20/- p.m.
(c) XIth Standard onwards	Rs. 25/- p.m.

This Allowance will be admissible for a maximum for three children. This will be paid at actuals subject to aforesaid limits.

## 14.0 MEDICAL ASSISTANCE

14.1 The existing annual ceiling for routine medical treatment shall be revised as under:

	Existing per Annum	Revised per Annum
For single family member	Rs. 500/-	Rs. 500/-
For 2 family members	Rs. 500/-	Rs. 700/-
For 3 family members	Rs. 750/-	Rs. 1050/-
For 4 or more family members	Rs. 1000/-	Rs. 1400/-

14.2 The above stated rates of Medical Assistance shall come into effect from first of the month following the month in which the Settlement is implemented. The entitlement of the individual employee will be worked out on pro-rata basis for the balance of the year. Other terms and conditions of payment of medical assistance will remain unchanged.

## 15.0 WASHING ALLOWANCE

15.1 The existing rate of Washing Allowance @ Rs. 15 p.m. shall be increased to Rs. 20 p.m. w.e.f. 1-7-1982.

**16.0 TRAVEL ENTITLEMENT**

16.1 With effect from the date of implementation of this Settlement, the entitlement of travel by First Class will be limited to those employees who will be drawing a basic pay of Rs. 811 p.m. and above in the revised scales of pay. Cases of travel and leave travel concession completed upto the date of implementation of this Settlement will not be reopened.

**17.0 LEAVE TRAVEL CONCESSION**

17.1 The present rates of Leave Travel Concession shall be revised as under from month following the month in which the settlement is enforced.

- 2000 and 6000 Kms. per block of two years both ways in alternate block of two years for the workmen who have opted for 'X' Scheme.
- 2000 Kms. both ways every year for those workmen who have opted for 'Y' Scheme.
- Leave Travel Concession for journeys to home town shall continue to be granted as per the scheme in vogue.
- Other terms and conditions regarding grant/payment etc. of L.T.C. will remain unchanged.

**18.0 SHIFT ALLOWANCE**

18.1 With effect from the month in which this Settlement is implemented, the rates of Shift Allowance are proposed to be revised as under :—

- Night Shift : Rs. 4 per Shift  
1st and 2nd Shift : Rs. 1 per Shift  
General Shift : No Allowance

**19.0 SPECIAL ALLOWANCE FOR KANDLA WORKMEN**

19.1 Taking into account the large number of workmen posted at Kandla, which does not have suitable educational and specialised medical facilities and extra expenditure incurred by and inconvenience caused to large number of workmen on account of aforesaid difficulties, the workmen of Kandla Unit shall be paid "Kandla Special Allowance" w.e.f. 1-7-1982 at the rate of 7-1/2 per cent of Basic Pay actually received by them subject to a minimum of Rs. 40 p.m. and maximum of Rs. 75 p.m. The minimum and maximum limits are in relation to full basic pay. This will proportionately stand reduced in case the basic pay received is less than full.

19.2 This "Kandla Special Allowance" will be paid so long as a workman is on the rolls of Kandla Unit and is required to perform his duties at Kandla/Gandhidham as and when the workman is transferred or posted elsewhere or is not required to perform his duties at Kandla/Gandhidham, he will not be entitled to "Kandla Special Allowance".

19.3 In case an employee is promoted/appointed to a category where "Kandla Special Allowance" is not admissible, then the workman will cease to receive this Allowance.

19.4 "Kandla Special Allowance" will not be counted as pay or Dearness Allowance for any purpose whatsoever. It will also not count for Provident Fund.

**20.0 CASH HANDLING ALLOWANCE**

20.1 'Cash Handling Allowance' will be revised as under effective from first of the month following the month in which this Settlement is implemented :—

Amount of monthly cash disbursed	Rate of Cash Handling Allowance
(a) Upto Rs. 4000/-	Rs. 10/- p.m.
(b) Rs. 4001/- to Rs. 20,000/-	Rs. 20/- p.m.
(c) Rs. 20,001/- to Rs. 50,000/-	Rs. 30/- p.m.
(d) Rs. 50,001/- to Rs. 1,00,000/-	Rs. 40/- p.m.
(e) Above Rs. 1,00,000/-	Rs. 50/- p.m.

**NOTE :**

- The rate of allowance shall be determined once in a year in July each year on the basis of cash handled during the previous twelve months.
- Cash Handling Allowance will not be payable for imprest account holders and to those who draw advances for purchases/expenses etc.

C. The existing individuals handling cash, who are getting Rs. 50 p.m. as Cash Handling Allowance will continue to get the same irrespective of the above change so long as they continue to handle the cash. However, new incumbents in these positions will be paid as per the above graduated scales.

D. In case an employee handling cash is posted to a post where he ceases to draw Cash Handling Allowance and thereafter again posted to handle cash, he will then be paid Cash Handling Allowance as per the new rates stated above.

21.0 In view of the various concessions given to the workmen of Kandla Unit in the preceding paragraphs, the other demands pending before the Hon'ble National Tribunal as Reference No. 1/2 dated 20-2-1984/(L-51516/1/83-1&E(SS)) relating to conveyance allowance (S. No. 9), acting allowance (S. No. 10), leave/paid holiday etc. (S. No. 11), short leave (S. No. 12), annual increments beyond maximum of scale of pay (S. No. 13), medical reimbursement for brothers and sisters (S. No. 14), contributory provident fund (S. No. 15), job classification (S. No. 16), retirement age/scheme (S. No. 17), house building loan scheme (S. No. 18) etc. are deemed to have been settled/withdrawn by the IFFCO Employees Union. Similarly all other demands raised by the IFFCO Employees Union Kandla vide its letter No. S/KKSC/IFFCO/2050 dated 15-7-1983 and letter No. S/KKSC/IFFCO/2052 dated 16-7-1983 and not mentioned in this settlement will also be deemed to have been withdrawn/settled, in view of the benefits and concessions given hereinabove, and it is agreed between the parties that at present there is no other dispute or demand which is outstanding. No such demands will be raised again during the operation of the settlement.

22.0 It is agreed that this settlement will be filed before the Hon'ble National Tribunal and it will be implemented only after the Hon'ble National Tribunal passes necessary orders consenting/accepting/approving the settlement. All the arrears arising under this settlement shall be paid within a period of one month from the date on which it becomes enforceable under Law after necessary orders are passed by the Hon'ble National Tribunal.

23.0 That this Settlement shall be valid and shall remain in operation upto 30-6-1986 and that the Union shall not raise during the currency of this Settlement any such demand which will impose any additional financial burden on IFFCO except the demand for productivity linked bonus/incentive.

24.0 Harmonious Industrial Relations.—It is agreed that IFFCO Management and 'Workmen' shall cooperate in creating healthy climate of industrial relations and in promoting efficiency and productivity.

25.0 Implementation/interpretation of Settlement and Settlement of Disputes.—The difference between the 'Workmen' and IFFCO will be settled through mutual discussions and negotiations or failing settlement through machinery as provided by the Industrial Disputes Act, 1947.

26.0 Notwithstanding the expiration of the period of validity of this Settlement, as per Clause 3.1 and 23.0 above; it shall continue to be in effect thereafter until amended by mutual agreement or terminated by the 'Workmen'/Unions or IFFCO Management by written notice of at least two calendar months to the other party.

Signed First Day of July, 1985 at Adipur.

For and on behalf of

INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED

KANDLA

WITNESSES:

Sd/- Illegible

For and on behalf of

Workmen/Employees of IFFCO represented by  
IFFCO Employees Union, Kandla.

WITNESSES:

Sd/- Illegible

Settlement made before me

Sd/-

A. L. SIEKH, Conciliation Officer

and

Assistant Commissioner of Labour Adipur (Kutch)

## CHART OF FIXED D.A. AT AICPI-272

PAY RANGE	FIXED D.A. (Rs.)
Below Rs. 515	15
515-534	20
535-554	25
555-574	30
575-594	35
595-614	40
615-634	45
635-654	50
655-674	55
675-694	60
695-714	65
715-734	70
735-754	75
755-774	80
775-794	85
795-814	90
815-834	95
835-854	100
855-874	105
875-894	110
895-914	115
915-934	120
935-954	125
955-974	130
975-994	135
995-1014	140
1015-1024	145
1025-1034	150
1035-1044	155
1045-1054	160
1055-1064	165
1065-1074	170
1075-1084	175
1085-1094	180
1095-1104	185
1105-1114	190
1115 and above	195
Rs. 235.20	200

## ANNEXURE 'B'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

UNDER SECTION 12(3) READ WITH SECTION  
18(3) OF INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

SUBJECT TO THE CONDITION THAT THIS IS GIVEN  
AS A FINAL AWARD FOR THE WORKMEN REPRESENTED  
HEREIN BY THE NATIONAL TRIBUNAL,

CALCUTTA

BETWEEN

The Management of

INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE  
LIMITED

(Hereinafter referred to as 'IFFCO Management')

Address : 34, Nehru Place, New Delhi 110019

AND

'Employees/Workmen' of IFFCO

Represented by IFFCO Employees Union ; Delhi

Address : 34, Nehru Place, New Delhi-110019

(Hereinafter referred to as 'Employees/Workmen')

Name of the Parties :

Representing 'Employer' :

Indian Farmers Fertiliser

Cooperative Limited, New Delhi

hereinafter referred to as

'IFFCO Management'

1. Mr. R. K. GUPTA

GENERAL MANAGER (P&A)

2. MR. N. P. SINHA

MANAGER (P&A)

representing workmen of Head

IFFCO Employees' Union, Delhi

representing Workmen of head

Office/Marketing Division all

over India and Workmen of

Aonla Project posted at New

Delhi, Aonla and Bareilly.

1. MR. J. N. JHA

GENERAL SECRETARY

2. I. K. TREHAN, PRESIDENT

3. Mr. V. P. N. SINGH

SUB-TREASURER

SHORT RECITAL OF THE CASE :

Whereas IFFCO Management, Delhi and IFFCO Employees' Union, Delhi had entered into a settlement dated 21-11-1979 on various terms and conditions and the said settlement was terminated by IFFCO Employees' Union, Delhi vide its Notice dated 7-6-1982; and whereas the Union vide its letter dated 21-9-1983 had submitted fresh Charter of Demands regarding revision of pay scales, various allowances and other benefits; and whereas discussions were held between IFFCO and the IFFCO Employees' Union, Delhi, on various dates, but no settlement was arrived at in bilateral discussions and whereas on the failure of Bilateral discussions, certain matters were referred to for adjudication by Government of India to the Hon'ble National Tribunal, Calcutta, vide Ref No. NT/2, dated 20-2-84, Ref. No. L-51016/1/83-I&E (SS) for adjudication; and whereas during the pendency of the adjudication proceedings before the National Tribunal, IFFCO Karmachari Sangh, Kalol and IFFCO Karmachari Sangh, Phulpur, made applications before the National Tribunal, for grant of Interim Relief; and whereas IFFCO Employees' Union Delhi and National Tribunal that in order to save time and to give a final award expeditiously the Hon'ble Tribunal may not proceed with the application for Interim Relief but should hear the main application and decide all the matters finally; and whereas the National Tribunal proceeded with the hearing on the aforesaid application for Interim Relief and whereas the aforesaid application for Interim Relief has been rejected by the Hon'ble National Tribunal vide its Award dated 19-12-84; and whereas the then Presiding Officer of the National Tribunal, Justice M. P. Singh, retired on 31st December, 1984; and whereas the appointment of the new Presiding Officer is awaited; and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi apprehends that there is likelihood of inordinate delay in disposing of the application in respect of the matters before the National Tribunal; and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi again approached the IFFCO Management to re-start negotiations with them for their workman in respect of the matters now pending before the Hon'ble National Tribunal and also in respect of several other matters in full and final settlement of All their demands and to jointly request the Hon'ble National Tribunal, to give a final award for the workmen of Delhi including Marketing Division, subject to the condition that no part of this Settlement will be treated as valid unless the Hon'ble National Tribunal gives final award for workman

of Delhi including Marketing Division in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi demanded that wages and other conditions of service should be revised on the basis of Industry-cum-Region Principle and, in view of IFFCO being an All India Organisation, the wage structure etc of IFFCO should, on the whole, be comparable with National Level All India Fertiliser Industry; and whereas the IFFCO Management agrees with the union for the aforesaid Industry-cum-Region Principle and, therefore, the wage structure has been revised, hereunder, keeping the said principle in view, and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi agrees that the Management's legal rights as to the stands taken before the Hon'ble National Tribunal will not be treated as prejudiced if the terms of this Settlement are in any way either partly or fully not given as an award by the National Tribunal and that in such an eventuality the Management will be well within its rights not to implement any or all the portions of this Settlement; and whereas negotiations were held on various matters between IFFCO Management, Delhi and IFFCO Employees' Union, Delhi but no settlement was arrived at and, therefore, IFFCO Employees' Union, Delhi approached the Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer, Delhi for intervening on 9-8-85 and whereas the Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer on receipt of the letter dated 9-8-85 from IFFCO Employees' Union, Delhi admitted the matters in conciliation on 13-8-85 and thereafter, discussions were held under the auspices of Assistant Labour Commissioner/Conciliation Officer between IFFCO Management, Delhi and IFFCO Employees' Union, Delhi on 13-8-85, 14-8-85 and 21-8-85; and whereas now a Settlement under Section 12(3) read with Section 18(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, is arrived at between the parties before the Conciliation Officer, Delhi on 21-8-85 in view of what has been stated above and hereafter on such terms and conditions as are laid down hereunder in this Settlement; and whereas IFFCO Management, Delhi and IFFCO Employees' Union, Delhi, agree that the IFFCO Employees' Union, Delhi is not entitled to claim any benefits in respect of matters under reference before National Tribunal from any date prior to 21-9-1983 and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi, requests the Management to agree to extend certain benefits w.e.f. 1-7-1982 as a voluntary action on their part as a gesture of goodwill, without however IFFCO Management conceding the right of the Union to claim those benefits from a date prior to 21-9-83; and whereas the Union agrees that the matters covered by items Nos. 7.0, 7.1, 8.0, 8.1, 8.2, 8.3, 8.4, 8.5, 13.0, 13.1, 14.0, 14.1, 14.2, 16.0, 16.1, 19.0 and 19.1 of the terms of Settlement are not the matters under reference before the Hon'ble National Tribunal, but on the request of IFFCO Employees' Union, Delhi, the IFFCO Management has agreed to settle in respect of the aforesaid additional items as a gesture of goodwill; and whereas IFFCO Management states (with which the IFFCO Employees' Union, Delhi, agrees) that on account of Central Government Dearness Allowance, senior grade Kalol workmen are drawing total emoluments higher than the equivalent category of workmen at Delhi and they are also drawing total emoluments higher than the equivalent category of workmen in other National Level Fertiliser Organisations; and whereas IFFCO Management states that such undue benefits to some higher grade workmen cannot be allowed to be perpetuated or extended to other workmen; and whereas IFFCO Employees Union requests the Management, as a special case, that the equivalent senior category of workmen at Delhi/Marketing Division may also be considered for payment of the difference of pre-revised Basic Pay + Central Government Dearness Allowance (as admissible at Kalol Unit) and the Revised Basic Pay + Industrial D.A., through this Settlement (as a part of total package deal) only upto 30-11-1983, as a one time, adjustment without this being treated as a precedent irrespective of the Central Govt. D.A. instalments released by Govt. of India for their employees and by IFFCO for the workmen at Kalol after 30-11-1983; and whereas IFFCO Management, without prejudice to its submissions already made before the National Tribunal in this regard and without conceding to any of the claims of any of the Unions in this regard, agrees to consider one time adjustment of emoluments as requested by IFFCO Employees' Union Delhi as ex-gratia payment as stated hereinafter for the period upto 30-11-1983, purely as a gesture of goodwill only as a part of this total Settlement; and whereas IFFCO Employees' Union, Delhi and IFFCO Manage-

ment agree that this Settlement is a total Settlement as a whole and that no part of this Settlement will be valid or implemented without the whole of it being implemented together only consequent to an award of the Hon'ble National Tribunal having been given in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and that if any one part of the Settlement is deleted or held invalid or modified for any reason whatsoever by any authority whatsoever then the whole of this Settlement will fall and become invalid and inoperative.

#### WITNESSTH

In view of the above, it is now hereby agreed to by and between the parties as follows :

#### 1.0 GENERAL CONDITIONS

1.1 That this is a Tripartite Settlement signed under Section 12(3) read with Section 18(3) of the Industrial Disputes Act, 1947, in full and final settlement of all the 18 demands referred to before this National Tribunal, Calcutta vide Reference No. NT/2 dated 20-2-1984 and also in respect of certain other matters which are not under reference before the National Tribunal, all will, however, be subject to an award of the National Tribunal.

1.2 That this Settlement will be implemented only if the National Tribunal gives a final award in terms of this Settlement in respect of all the matters before it in Reference No. NT/2 of 1984 and also on various other matters included in this Settlement.

1.3 That inspite of IFFCO Employees' Union, Delhi, not having any claim for revision of wages for period prior to 21-9-1983, IFFCO Management as a gesture of goodwill and without prejudice to the right of the IFFCO Management not to surrender their legal right of not revising the wages from a date prior to 21-9-1983, agrees to revise the wages with effect from 1-7-1982 as per this Settlement.

1.4 That it is agreed that the existing formula of Industrial Dearness Allowance shall continue to be followed with neutralisation at the rate of Rs. 1.30 per point upto 492 points and at the rate of Rs. 1.65 per point above 492 points of All India Consumer Price Index.

1.5 That IFFCO reserves the right inter-alia, not to extend any of the benefits of wage revision to the period between 1-7-1982 and 21-9-1983 in case any of the terms of this Settlement is modified for any reason whatsoever by any authority whatsoever. IFFCO also reserves the right, inter-alia, not to concede to any of the matters agreed to herein but not under reference before the National Tribunal in case any of the terms of this Settlement is modified for any reason whatsoever by any authority, whatsoever.

1.6 That this Settlement shall be valid and implemented only after the National Tribunal has given a final award in respect of the matters before it in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and if any portion of this Settlement is modified, then this Tripartite Settlement will not be valid and will not be implemented.

1.7 That this Settlement is a total Settlement as a whole and that no part of this Settlement will be valid or implemented without the whole of it being implemented together only consequent to an Award of the Hon'ble National Tribunal having been given in terms of this Settlement and only in terms of this Settlement and that if any one part of this Settlement is deleted or held invalid or modified for any reason whatsoever by any authority whatsoever then the whole of this Settlement will fall and become invalid and inoperative. In such an eventuality, no provision in this Settlement can be treated as a precedent and relied upon by the Unions or workmen of IFFCO in subsequent proceedings before the Hon'ble National Tribunal, if any.

1.8 That without any precedent and without surrendering the IFFCO Management's contention that all workmen should be on Industrial Dearness Allowance as per the terms and conditions prescribed herein, workmen shall be allowed "one-time adjustment" in respect of their Basic Pay + Industrial Dearness Allowance as agreed to hereinbelow in Clause 7.0, as a package deal as part of this total overall Settlement and that the IFFCO Employees' Union or any of the workmen is not entitled to and will not, raise demand for any such adjustment from any date after 30-11-1983.



1.9 That if after drawing any benefit under this settlement any workman challenges the settlement as invalid or not binding on him then at the option of the management the workman shall be required to repay the whole of the amount paid to him under the settlement and the same shall be recovered from the workman and/or shall be adjusted from any dues payable to the workman concerned.

## 2.0 APPLICABILITY

2.1 This Settlement will apply to all categories of 'workmen' as defined in the Industrial Disputes Act, 1947, already in employment of IFFCO as Permanent Workmen/Probationers who are on the rolls of IFFCO on the date of reference to the National Tribunal i.e. 20-2-1984. Fresh entrants to these categories of 'Workmen' after 20-2-1984 and during the operation of this Settlement will also be covered by the provisions of this Settlement, except where stated otherwise.

## 3.0 PERIOD OF APPLICABILITY

3.1 This Settlement shall come into force, except where specifically stated otherwise in this Settlement, with effect from and on 1-7-1982 and shall remain in force at least until 30-6-1986. This Settlement shall be in full and final settlement of all the matters now in reference before the Hon'ble National Tribunal or before any other authority, whatsoever.

3.2 The Union agrees that at least until 30th June, 1986, 'Workmen' shall not raise any demands in respect of any of the matters before the Hon'ble National Tribunal.

3.3 The Union further agrees that during the period of operation of this Settlement, no demand having any financial implication or bearing shall be raised by the 'workmen' except on the question of bonus under Payment of Bonus Act, 1965.

3.4 Only such workmen will be entitled to get the benefit of pay revision who were on the rolls of IFFCO on or after the date of reference to the Hon'ble National Tribunal i.e. 20-2-1984.

3.5 Workmen who have left IFFCO by resignation or otherwise prior to the date of reference to National Tribunal i.e. 20-2-1984 will not be entitled to get the benefit of this pay revision.

3.6 Workmen who have retired on superannuation from IFFCO's services or those who have died prematurely while serving in IFFCO will, however, be entitled to get the benefit of this pay revision with effect from 1-7-1982, even if they have ceased to be in IFFCO's service prior to the date of reference to the National Tribunal.

## 4.0 SCALES OF PAY

4.1 The present scales of pay shall be revised and the revised scales of pay are given below against the existing each scale of pay.

Grade	Present Scale	Revised Scale
N	—	Rs. 480-8-584 (New Scale)
M	Rs. 270-8-374	Rs. 515-10-605-11-649
L-1	Rs. 290-9-398	Rs. 535-11-634-12-670
L	Rs. 350-10-450-15-525	Rs. 595-12-715-17-800
K	Rs. 410-15-560-20-660	Rs. 660-17-830-22-940
J-1	Rs. 440-15-560-20-700	Rs. 690-17-826-22-980
J	Rs. 505-25-630-30-810	Rs. 755-28-895-33-1093
I	Rs. 665-35-1015	Rs. 930-40-1130-45-1355
II-2	Rs. 815-50-1265 (Overtime category)	Rs. 1080-55-1355- 60-1595
H-1	Rs. 815-50-1315 (Non-overtime category)	Rs. 1080-55-1355- 60-1655

4.2 A new Grade 'N' i.e. Rs. 480-8-584 is introduced for new entrants to such categories of personnel, who were previously engaged in 'M' Grade. The Grade of existing 'M' grade employees is revised to the grade as stated above but the future recruitment at the lowest level shall be made only to the grade of 'N', and 'M' will be the promotional scale.

4.3 The new scales of pay mentioned above in replacement of existing ones shall come into force with effect from and on 1-7-1982.

## 5.0 DEARNESS ALLOWANCE

5.1 Dearness Allowance shall be paid to all the workmen on the revised pay scales as per the Scheme of Industrial Dearness Allowance w.e.f. 1-7-1982 and onwards as stipulated herein. Industrial Dearness Allowance shall be paid in two parts, namely, Fixed Dearness Allowance and Variable Dearness Allowance as follows :

5.2 Fixed Dearness Allowance.—With effect from 1-7-1982 Fixed Dearness Allowance shall be paid as per Annexure 'A'. No change in Fixed Dearness Allowance shall be made during the operation of this Settlement.

5.3 Variable Dearness Allowance.—Variable D.A. shall be paid at the present rates depending upon the cost of living index for All India Consumer Price Index for Industrial Workers (Base 1960=100) beyond 272 points to 498 points at the rate of Rs. 1.30 per point and at the rate of Rs. 1.65 per point beyond 492 points, to be adjusted on quarterly basis as at present.

5.4 If the Govt. of India revises the neutralisation rate for Public Sector Undertakings, then this rate will stand modified as per the Govt. of India's decision on the subject and will be applicable from such date as may be decided by the Govt. of India.

## 6.0 PAY FIXATION

6.1 Fixation of Basic Pay of all the workmen in the new pay scales shall be done on point to point basis.

6.2 The pay of the workmen who have been promoted on or after 1-7-1982 will be first fixed in the corresponding revised scales of old posts with reference to their pay as on 1-7-1982 in the then existing scales and, thereafter, their pay will be fixed in the promoted scales as per rules for pay fixation on promotion with adjustment of Special/Personal Pay/Dearness Allowance, if any, admissible in the pre-promoted scale, as provided herein.

6.3 Pay of workmen who were promoted from Grades H/H-1/H-2 to Grade G or G-1 on 1-7-1982 or thereafter, will be re-worked out and re-fixed as per the normal pay fixation rules.

## 7.0 ONE TIME ADJUSTMENT FOR DIFFERENCE IN PRE-REVISED PAY+CENTRAL DEARNESS ALLOWANCE AND REVISED PAY+INDUSTRIAL DEARNESS ALLOWANCE ON 30TH NOVEMBER, 1983.

7.1 It is agreed that the workmen covered by this Settlement shall be allowed one time adjustment for the difference between the pre-revised Basic Pay+Central Dearness Allowance as admissible at Kalol Unit upto 30-11-1983 and the revised Basic Pay+Industrial Dearness Allowance in terms of this Settlement upto 30-11-1983. In other words, the difference of pre-revised Basic Pay+Central Government Dearness Allowance at Kalol Unit and revised Basic Pay+Industrial Dearness Allowance as on 30-11-1983 will be paid in the form of "Special Dearness Allowance". This "Special Dearness Allowance" shall be worked out as follows :

"Whether the total emoluments (Basic Pay+Industrial Dearness Allowance) of an employee/workmen in terms of this Settlement falls short of pre-revised Basic Pay+Central Government Dearness Allowance at Kalol Unit as on 30-11-1983, the shortfall shall be paid as "Special Dearness Allowance" to be adjusted/absorbed in future increase (after 30th November 1983) of Industrial Dearness Allowance on account of increase in consumer price index or



increase in rate of neutralisation or on account of increase in basic pay whether by increment or otherwise, on revision of pay scales or on promotion and also in future increases in Basic Pay whether by increment or promotion or revision of pay scales". This 'Special Dearness Allowance' will not be increased under any circumstances after initial pay fixation in terms of this Settlement. Employees appointed after 30th November, 1983 will not be entitled to any 'one time adjustment' in the form of "Special Dearness Allowance".

#### ADJUSTMENT OF PERSONAL/SPECIAL ALLOWANCE/DEARNESS ALLOWANCE/SPECIAL DEARNESS ALLOWANCE ETC. ETC.

8.1 There may be some workmen who were granted 'Special Allowance' to protect loss in emoluments on promotion from time to time. The amount of this 'Special Allowance' will be adjusted fully against increases in basic pay, dearness allowance and Special Dearness Allowance etc. on revision of the scales of pay or on promotion.

8.2 There may be some cases where employees may be getting 'Special Dearness Allowance' as stated in Para 7.1 above on account of one-time adjustment of pre-revised basic pay + Central Government Dearness Allowance as on 30-11-1983. This 'Special Dearness Allowance' shall be adjusted/absorbed in future increases (after 30-11-1983) in basic pay and Dearness Allowance on account of increase in consumer price index or increase in the rate of neutralisation and increase in Dearness Allowance on account of increase in basic pay whether by increment or on revision of any scales or on promotion.

8.3 In some cases, the employees may be drawing 'Personal Allowance' as residual 'Project Allowance'. As a result of the revision of scales of pay, no variation in the amount of this 'Personal Allowance', i.e. residual 'Project Allowance' already being paid, is to be made since the same is adjustable against increase in basic pay on promotion.

8.4 In future, there may be some cases where employees may be getting simultaneously 'Special Allowance' as stated in para 8.1 above to protect the loss in emoluments on promotion from time to time, 'Special Dearness Allowance' as stated in para 7.1 above on account of one-time adjustment of pre-revised basic pay plus Central Government Dearness Allowance as on 30-11-1983 and 'Personal Allowance' (i.e. residual 'Project Allowance') as in para 8.3 above. In such cases, Special Allowance (under para 8.1 above) will be adjusted first, then Special Dearness Allowance (under para 7.1 above), and then Personal Allowance (Residual Project Allowance) on promotion (para 8.3 above). The various Allowance stated above, namely, 'Special Allowance', 'Personal Allowance' and 'Special Dearness Allowance' will not count as pay for any purpose whatsoever.

8.5 In cases where any of the three above said Allowance(s) is not adjusted in the manner as stated above at the time of implementation of this Settlement, then the same will be adjusted subsequently in future.

#### 9.0 CITY COMPENSATORY ALLOWANCE

9.1 City Compensatory Allowance on the revised pay scales w.e.f. 1-7-1982 shall be paid at the rates as per the terms and conditions as may be sanctioned by the Government of India for their employees from time to time.

#### 10.0 HOUSE RENT ALLOWANCE/DEDUCTION

10.1 House Rent Allowance shall be paid as under retrospectively from 1-7-1982.

City	Proposed H.R.A.
1	2
(a) Delhi, Bombay, Calcutta	30% of pay
(b) A' Class cities (other than Delhi, Bombay, Calcutta)	25% of pay
(c) State Capitals other than A' class cities.	20% of pay

1	2
(d) Other places, other than Kandla	15% of pay
(e) Kandla	15% of pay + 5% of pay as addl. exgratia due to difficult housing conditions.

10.2 Payment of House Rent Allowance shall be made subject to the limit of actual rent paid beyond a sum equivalent to 10 per cent of the workman's revised pay, the first 10 per cent being borne by the workman. However, workmen drawing a basic pay of Rs. 1655 and below shall not be required to submit any receipt of the house rent.

10.3 House Rent Deduction from employees who are living in houses provided by IFFCO, will be made retrospectively from 1-7-1982 on the basis of revised pay at the rate of 10 per cent of the basic pay.

#### 11.0 PAYMENT OF ARREARS

11.1 The arrears of Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance and House Rent Allowance/House Rent deduction, Leave encashment, Bonus/Incentive shall be reworked out at actuals on the basis of revised Basic Pay and Dearness Allowance for the past period for each workman.

11.2 The question of rate and amount of payment of overtime for the period prior to the date of implementation of the Settlement will not be reopened notwithstanding the revision of the pay scales, D.A. and other conditions of service retrospectively from 1-7-82. However, overtime will be paid on the basis of revised Basic Pay and Dearness Allowance from the first of the month in which the Settlement is implemented.

11.3 The cases concerning Salary Advance, Leave Travel Concession, Travelling Allowance and Daily Allowance, availed/completed prior to the date of implementation of this Settlement will not be reopened.

11.4 Cases concerning Leave Encashments, Contributory Provident Fund and Gratuities on superannuation or on death settled prior to the date of implementation of the Settlement will be suitably reviewed with reference to the pay of the employee as fixed in the revised scale. However, these cases will not be reopened in case of employees who have resigned from IFFCO's services prior to the date of implementation of this Settlement.

#### 12.0 RECOVERIES

12.1 The corresponding new scales of pay shall be read in lieu of the existing scales of pay in the matter of regulating the recovery of charges, if any, made in relation to basic pay and/or scales of pay for the past period as well as for future period.

12.2 As a result of this revision, there may be some workmen whose salary (Basic + D.A.) plus Special Dearness Allowance (as in para 7.1 above) may cross the limit of Rs. 1600 per month; such workmen will not be entitled to 'Bonus Linked with Production/Productivity' under Payment of Bonus Act, 1965 and 'Incentive Payment Scheme' under settlement signed under Industrial Disputes Act, 1947. Clause 2.3 of the Memorandum of Settlement dated 30-10-1982 regarding "Payment of Bonus Linked with Production/Productivity" reads as follows :—

"If the monthly rate of Salary/Wages of any workman/employee are revised retrospectively and by such retrospective revision, his salary/wages (Basic Pay + Dearness Allowance + Special Dearness Allowance) for such period for which he has drawn 'Productivity Linked Bonus', exceeds the rate of Rs. 1600 per month, then the 'Productivity Linked Bonus' already paid to him for the said period for which his rate of salary/wages (Basic + Dearness Allowance + Special Dearness Allowance) were more than Rs. 1600 p.m., will be recovered from

him. Such above said 'Recovery' as mentioned here in this Clause shall be made in total from the 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, if any, payable and/or becoming due or any arrears of salary/wages payable and/or becoming due to the employee/workman immediately following the date when such 'Recovery' on account of retrospective revision of wages/salary etc. becomes identified/determined. If any balance of the said 'recovery' to be made is left out to be recovered, or if no such payment as mentioned above (i.e. 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, or arrears of salary/wages), becomes payable or due to the employee/workman, then the left out 'recovery' or the total 'recovery' as the case may be, shall be made from the salary/wages etc. payable to the employee/workman, in ten equated monthly instalments with effect from the salary/wages/other payments, etc. from the month in which such said 'recovery' becomes identified/determined."

Clause 2.3 of the Memorandum of Settlement dated 30-10-1982 on "Incentive Payment Scheme" under Industrial Disputes Act, 1947 reads as under :

"If the monthly rate of Salary/Wages of any workman/employee are revised retrospectively and by such retrospective revision his salary/wages (Basic Pay plus Dearness Allowance+Special Dearness Allowance) for such period for which he has drawn 'Incentive Payment' exceeds the rate of Rs. 1600 per month, then the 'Incentive Payment' already paid to him for the said period for which his rate of salary/wages (Basic Pay plus Dearness Allowance+Special D.A.) were more than Rs. 1600 per month, will be recovered from him. Such above said 'Recovery' as mentioned here in this Clause shall be made in total from the 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, if any, payable and/or becoming due or any arrears of salary/wages payable and/or becoming due to the employee/workman immediately following the date when such 'Recovery' on account of retrospective revision of wages/salary etc. becomes identified/determined. If any balance of the said 'recovery' to be made is left out to be recovered, or if no such payment as mentioned above (i.e. 'Productivity Linked Bonus' or 'Incentive Payment' or any other bonus or any other similar payment, by whatever name called, or arrears of salary/wages), becomes payable or due to the employee/workman, then the left out 'recovery' or the total 'recovery', as the case may be, shall be made from the salary/wages etc. payable to the employee/workman, in ten equated monthly instalments, with effect from the salary/wages/other payment, etc. from the month in which such said 'recovery' becomes identified/determined".

12.3 In view of the foregoing clauses at 12.2 above, payment of bonus linked with 'Production/Performance' and 'Incentive Payment' already made to the employees will be recovered/adjusted from arrears and other dues payable for past period. They will, however, in lieu of 'Bonus' under the Payment of Bonus Act and 'Incentive Payment' under Industrial Disputes Act, 1947 be entitled to payment of 'Productivity Linked Incentive Payment' applicable to employees drawing salary/wages more than Rs. 1600 p.m.

### 13.0 TUITION FEE

13.1 Tuition Fee in lieu of existing Children's Education Assistance in respect of school/college going children of the employees shall be revised as per the following rates, with effect from 1-7-1982.

(a) Upto Vth Standard	Rs. 15/- p.m.
(b) Vth to Xth Standard	Rs. 20/- p.m.
(c) Xth Standard onwards	Rs. 25/- p.m.

This Allowance will be admissible for a maximum for three children. This will be paid at actuals subject to aforesaid limits.

### 14.0 MEDICAL ASSISTANCE

14.1 The existing annual ceiling for routine medical treatment shall be revised as under :—

	Existing per annum	Revised per annum
For single family member	Rs. 500/-	Rs. 600/-
For 2 family member	Rs. 500/-	Rs. 700/-
For 3 family members	Rs. 750/-	Rs. 1050/-
For 4 or more family member	Rs. 1000/-	Rs. 1400/-

14.2 The above stated rates of Medical Assistance shall come into effect from first of the month following the month in which the Settlement is implemented. The entitlement of the individual employee will be worked out on prorata basis for the balance of the year. Other terms and conditions of payment of medical assistance will remain unchanged.

### 15.0 WASHING ALLOWANCE

15.1 The existing rate of washing Allowance @ Rs. 15 p.m. shall be increased to Rs. 20 p.m. w.e.f. 1-7-1982.

### 16.0 TRAVEL ENTITLEMENT

16.1 With effect from the date of implementation of this Settlement, the entitlement of travel by First Class will be limited to those employees who will be drawing a basic pay of Rs. 811 p.m. and above in the revised scales of pay. Cases of travel and leave travel concession completed upto the date of implementation of this Settlement will not be reopened.

### 17.0 LEAVE TRAVEL CONCESSION

17.1 The present rates of Leave Travel Concession shall be revised as under from the month following the month in which the settlement is implemented :

- 2000 and 6000 kms. per block of two years both ways in alternate block of two years for the workmen who have opted for 'X' Scheme.
- 2000 kms. both ways every year for those workmen who have opted for 'Y' Scheme.
- Leave Travel Concession for journeys to home town shall continue to be granted as per the Scheme in vogue.
- Other terms and conditions regarding grant/payment etc. of L.T.C. will remain unchanged.

### 18.0 CASH HANDLING ALLOWANCE

18.1 'Cash Handling Allowance' will be revised as under effective from first of the month following the month in which this Settlement is implemented :—

Amount of monthly cash disbursed	Rate of Cash Handling Allowance
(a) Upto Rs. 4000/-	Rs. 10/- p.m.
(b) Rs. 4001/- to Rs. 20,000/-	Rs. 20/- p.m.
(c) Rs. 20,001/- to Rs. 50,000/-	Rs. 30/- p.m.
(d) Rs. 50,001/- to Rs. 1,00,000/-	Rs. 40/- p.m.
(e) Above Rs. 1,00,000/-	Rs. 50/- p.m.

NOTE.—(A). The rate of allowance shall be determined once in a year in July each year on the basis of cash

handled during the previous twelve months.

(B). Cash Handling Allowance will not be payable for imprest account holders and to those who draw advances for purchases/expenses etc.

(C). The existing individuals handling cash, who are getting Rs. 50 p.m. as Cash Handling Allowance will continue to get the same irrespective of the above change so long as they continue to handle the cash. However, new incumbents in these positions will be paid as per the above graduated scales.

(D). In case an employee handling cash is posted to a post where he ceases to draw Cash Handling Allowance and thereafter again posted to handling cash, he will then be paid Cash Handling Allowance as per the new rates stated above.

## 19.0 HILL ALLOWANCE

19.1 The workmen shall be granted 'Hill Compensatory Allowance' with effect from 1-7-1982 as per the rates and rules of Government of India as may be in vogue for the time being.

20.0 In view of the various concessions given to the workmen of Delhi including Marketing Division in the preceding paragraphs, the other demands pending before the Hon'ble National Tribunal as Reference No. NT/2 dated 20-2-1984 (L-51016/1/83-L&E (SS) relating to conveyance allowance (S. No. 9), acting allowance (S. No. 10), level/paid holidays etc. (S. No. 11), short leave (S. No. 12), annual increments beyond maximum of scale of pay (S. No. 13), reimbursement of medical expenses on brothers and sisters (S. No. 14), contributory provident fund (S. No. 15), job classification (S. No. 16), retirement Age|Scheme (S. No. 17), house building loan scheme (S. No. 18) etc. are deemed to have been withdrawn/settled by the IFFCO Employees Union. Similarly all other demands raised by the IFFCO Employees Union Delhi vide its letter dated 21-9-1983 and not mentioned in this settlement will also be deemed to have been withdrawn/settled, in view of the benefits and concessions given herein above, and it is agreed between the parties that at present there is no other dispute or demand which is outstanding. No such demands will be raised again during the operation of the settlement.

21.0 It is agreed that this settlement will be filed before the Hon'ble National Tribunal and it shall be implemented only after the Hon'ble National Tribunal passes necessary orders concerning/approving/accepting the settlement. All the arrears arising under this settlement shall be paid within a period of one month from the date on which it becomes enforceable under Law after necessary orders are passed by the Hon'ble National Tribunal.

22.0 That this settlement shall be valid and shall remain in operation upto 30-6-1986 and that the Delhi Union shall not raise during the currency of this Settlement any such demand which will impose any additional financial burden on IFFCO, except the demand for productivity linked bonus incentive.

## 23.0 HARMONIOUS INDUSTRIAL RELATIONS

It is agreed that IFFCO Management and 'Workmen' shall cooperate in creating healthy climate of Industrial relations and in promoting efficiency and productivity.

## 24.0 IMPLEMENTATION|INTERPRETATION OF SETTLEMENT AND SETTLEMENT OF DISPUTES

The difference between the 'workmen' and IFFCO will be settled through mutual discussions and negotiations or binding settlement through machinery as provided by the Industrial Disputes Act, 1947.

## 25.0 TERMINATION

Notwithstanding the expiration of the period of validity of this Settlement, as per Clause 3.1 and 22.0 above; it shall continue to be in effect thereafter until amended by mutual agreement or terminated by the 'Workmen' Unions or IFFCO management by written notice of atleast two calendar months to the other party.

Signed this 21st day (dated) of August (month) 1985 at Delhi.

### WITNESSES :

1. अपठनीय

2.

### WITNESSES :

1. अपठनीय

2.

For and on behalf of  
Indian Farmers Fertiliser  
Cooperative Limited, Delhi

1. अपठनीय

2.

For and on behalf of the  
Workmen of IFFCO, Delhi  
Represented by : IFFCO  
Employees' Union, Delhi

1. अपठनीय

2.

Settlement made before me  
(Conciliation Officer)

Assistant Commissioner of Labour  
New Delhi

## CHART OF FIXED D.A. AT AICPI-272

PAY RANGE	FIXED D.A (RS.)
Below Rs. 515	15
515-534	20
535-554	25
555-574	30
575-594	35
595-614	40
615-634	45
635-654	50
655-674	55
675-694	60
695-714	65
715-734	70
735-754	75
755-774	80
775-794	85
795-814	90
815-834	95
835-844	100
845-854	105

1	2	1	2
855-864	110	985-994	175
865-874	115	995-1004	180
875-884	120	1005-1014	185
885-894	125	1015-1024	190
895-904	130	1025-1034	195
905-914	135	1035-1044	200
915-924	140	1045-1054	205
925-934	145	1055-1064	210
935-944	150	1065-1074	215
945-954	155	1075-1084	220
955-964	160	1085-1094	225
965-974	165	1095-1104	230
975-984	170	1105-1114	235
		1115 and above Rs. 235.20	